हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

नवरात्र की मंगलकामनाएं

haribhoomi.com भोपाल, रविवार 11 अक्टूबर 2026

Hero

हीरो संग त्योहार
है हर कहीं
Splendor+

TEA HOUSE

शुभ नवरात्रि

पाएं सोने का सिक्का और भी बहुत कुछ जीतने का मौका#

इंस्टेंट डिस्काउंट ₹10 000^ तक SBI card HDFC BANK pine labs

कम डाउन पेमेंट ₹6 999^ से शुरू

एक्सक्लूसिव कॉर्पोरेट ऑफ़र ₹2 200* तक

Hero GoodLife

Also Available on: Flipkart amazon.in

Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - IL. New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. ^Finance offers are at the sole discretion of the financier, subject to its respective T&Cs. *T&C Apply. Actual vehicle colour may vary slightly due to printing variations. #Limited period offer, T&C apply. Hero MotoCorp reserves the right to modify or withdraw any or all offers without prior notice.

TOLL FREE 1800 266 0018

बल्क/संस्थागत पूछताछ के लिए, कृपया हमें institutionalsales@heromotocorp.com पर लिखें | CSD में उपलब्ध है

अधिकृत डीलरः भोपाल: वरेण्यम हीरो (प्रभात पेट्रोल पंप, रायसेन रोड 9289922466, जे.के. रोड 8959905381), साँई हीरो (डी.आई.जी. बंगला, बैरसिया रोड) 9289922685, यूनाइटिड हीरो (कोहेफिज़ा) 9289923150, **बैतूल:** खण्डेलवाल हीरो9289922624, **सीहोरः** मंत्री हीरो (कन्हैयालाल मंत्री पेट्रोल पंप, इंदौर नाका) 9522257567, **ब्यावरा:** आनंद हीरो 9289922871, **गुना:** गगन हीरो 9289922358, **अशोक नगर:** आरव हीरो 9821743269, **होशंगाबादः** पुण्यशिला हीरो 9289922360, **हरदा:** राहुल हीरो 9289922491, **विदिशा:** पाल हीरो 9289922379, **दमोहः** इण्डिया ऑटो हीरो 9289922573, **सागरः** सेन्ट्रल हीरो (भगवानगंज, मक्रोनिया) 9289922376, **टीकमगढ़ः** आनंद हीरो 9289923112, **छतरपुर:** आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), **ग्वालियर:** तनुष्का हीरो (सिटी सेन्टर 9289922371, मुरार 4099928, कम्पू 4072000), तरन अंगद हीरो (फूलबाग 9289922483, सखियाँ विलास 2438534), **भिन्डः** शिवम हीरो 9289922787, **दतियाः** शिव हीरो 9289923172, **मुरैना:** गगन हीरो 9289922678, **श्योपुर:** आशीष हीरो 9289922832, **शिवपुरी:** रघुवंशी हीरो 9289922571, **इंदौर:** सुखमणी हीरो (अन्नपूर्णा रोड) 9289922719, वी.एन. हीरो (एयरपोर्ट रोड) 9289923061, सेठी ऑटोमोबाइल्स (भवरकुआँ) 9289923211, रुक्मारानी ऑटोमोटिव (एलआईजी स्क्वायर के पास) 8871444414, मेहता ऑटोमोबाइल्स, (देवास नाका) 9821741577, **बड़वानी:** शर्मा हीरो 9289922742, **बुरहानपुर:** श्रीजी हीरो 9289922372, **देवास:** खुराना हीरो (ए.बी. रोड 9289922488, गंगानगर 9993596392), **धार:** साक्षी हीरो 9289922618, **हाट पिपलिया:** श्रीराम हीरो 9289923154, **झाबुआ:** नाकोड़ा हीरो 9289922679, **कुक्षी:** अन्नपूर्णा हीरो 9289922749, **खण्डवा:** ठक्कर हीरो 9289923018, **खरगोन:** निमाड़ हीरो 9289922378, **महू:** लक्ष हीरो 9289923176, **पीथमपुर:** रघुवंशी हीरो 9289923047, **सनावदः** राजेश हीरो 9289922774, **रतलामः** एक्सीलेन्ट हीरो (महू रोड 9289922375, सैलाना रोड 07412-408600) **नीमचः** उत्तम हीरो 9289922367, **मन्दसौरः** रामदर्शन हीरो 9289922369, **नावरा:** रिलायबल हीरो 9289923045, **एसोशिएट डीलरः आष्टा:** श्री रघुवीर मोटर्स 9893018553, 7428594671, **बगदोना:** आर्यन्स इन्टरप्राईज़ेज 7428594665, **बरेली:** श्री सूर्योदय हीरो 9826832251, 9098960970, **भोपाल:** मानिक मोटर्स 8827379110, **मंडीदीप:** सोनी मोटर्स, 9179461211, 8962143877, **बंडा:** श्रुति मोटर्स, 7879573737, **नसरूल्लागंज:** जीवन मोटर्स 9977926838, **गंजबासोदा:** ध्रुव इन्टरप्राइज़ेज 9826867673, **इटारसी:** रेवा मोटर्स 9425630406, **जताराः** शारदा माँ ऑटोमोबाईल 9111231539, **करेरा:** आदित्यसागर इन्टरप्राईज़ेज 9425436890, 7428492559, **पिपरिया:** राज मोटर्स 7576454997, **नरसिंहगढ़:** गुरूकृपा मोटर्स 9303416007, 7428595910, **पचोर:** प्रिंस ऑटोमोबाईल्स 9755131010, **रायसेन:** युवराज मोटर्स 7828500001, 7428595899, **बीना:** राहुल ऑटोमोबाईल्स 9893494971, **टीकमगढ़:** एस.एस. इन्टरप्राइज़ेज 7000242371, **खरगापुर:** हरिओम ऑटोमोबाईल्स 9993267954, **राघोगढ़:** बृजेश इंटरप्राइजेज 7999006113, **श्यामपुर :** गोपी मोटर्स 9111009671, **लटेरी:** श्याम हीरो 7748890061, **जामनेर:** अरूण सेल्स एंड सर्विस 9893626185, **सिरोंज:** प्रिया एंटरप्राइज, 9425344557, **सिराली:** भायरे मोटर्स, 9981247007, **टिमरनी :** गंगोत्री मोटर्स 9755101902, **अम्बाह:** उमा ऑटोमोबाईल्स 9329683351, **डबरा:** दुर्गा एजेन्सी 9926746001, **पिछोर:** दशमेश ऑटोमोबाइल्स 9425490424, **सबलगढ़:** शिवम मोटर्स 9893085461, **कोलारस:** भूपेंद्र इंटरप्राइजेज 9425769569, **बैराड़:** लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स 9893075206, **बदरवास:** बालाजी इंटरप्राइजेज 9893670277, **गोहद:** ओम साई मोटर्स 8358994876, **लहार:** लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स सर्विस 9770444999, **अलीराजपुर:** विजय ऑटोमोबाईल्स 9993912143 **अंजड़:** न्यू निमाड़ मोटर्स 9425416084, **बदनावर:** नज़्मी ऑटोमोबाईल्स 9111841851, **बेड़िया:** कृष्णा मोटर्स 7428494667, **बामनियां:** अनुश्री ऑटोमोबाईल्स 9630703344, **छनेरा:** गुरूनानक मोटर्स 7428390286, **बेटमा:** अंकित ऑटोमोबाईल्स 9826460777, **धामनोद:** अमृत ऑटोमोबाईल्स 9425088316, **इंदौर:** क्वालिटी ऑटोमोबाईल्स 8602295522, **मुंडी:** अभिषेक मोटर्स 7428390273, **पानसेमल:** हीरा ऑटोमोबाईल्स 7428494666, **पेटलावद:** भंडारी अभिकरन 9977287143, **धरमपुरी:** कृष्णा ऑटोमोबाइल 9993906745, **राऊ:** अवनि ऑटोमोबाईल्स 9826906983, **सेंधवा:** डीलक्स मोटर्स 7428295060, **निवाली:** श्री वल्लभ मोटर्स 9893501517, **पुंजापुरा:** पटेल मोटर्स 9755567226, **सतवास:** शिवम मोटर्स 9826088351, **नागदा:** कांठेड़ ऑटोमोबाईल्स 9111141177, **सिंघोट:** आकाश मोटर्स 7428494665, **सोनकच्छ:** भारत मोटर्स 9826607753, **घाटाबिल्लौद:** लक्ष्मी मोटर्स 9826524005, **खाचरोद:** जय गणेश ऑटोमोबाईल्स 8305827074, **मांगलिया:** श्री साई मोटर्स 8962460729, 8889415553, **जौरा:** विजयानंद मोटर्स 9754451762, **राणापुर:** सिद्ध शीला ऑटोमोबाइल्स, 8770264612, **जोबट:** धारा ऑटोमोबाइल्स, 9615908908, **सोंडवा:** राज ऑटोमोबाइल्स, 9754260982, **क्षिप्रा:** श्री शिव हरि मोटर्स, 7771088838, **सुखलिया इंदौर:** आर्यन मोटर्स, 9399928958, **कांटाफोड़:** रुखमणी मोटर्स, 9993048891, **नीलबड़:** **महाकाल मोटर्स,** 9586778889, **तीन इमली: न्यू गीतांजलि मोटर्स,** 6267121700, **नेहरू नगर, भोपाल:** रुद्र एंटरप्राइजेज, 9039011650,51,52,53, **गांधीनगर:** आर जे मोटर्स, 8827588411, **स्नेहलतागंज:** साहू ऑटोमोबाइल, 9926977784, **अमझेरा:** महावीर ऑटोमोबाइल, 9589890703, **सागौर कुटी:** अमन ऑटोमोबाइल, 9039055993, **जावद:** शिवाय इंटरप्राइजेज, 9752346321, **रानीसिंह:** गुरूकृपा ऑटोमोबाइल्स, 9753044683, **बोरी बुजुर्ग: जिलानी मोटर्स,** 9399900143, **कढ़ी: श्री राम मोटर्स,** 9584997081, **पिपलिया बुजुर्ग: न्यू सिन्हा मोटर्स,** 9981562315, **Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) गुना:** गगन हीरो 9289922358, **विदिशा:** पाल हीरो 9289922379, **भिन्ड :** शिवम् मोटर्स 9289922787, **पीथमपुर:** रघुवंशी हीरो 9289923047, **छनेरा:** गुरूनानक मोटर्स 7428390286, **सारंगी:** श्री मोटर्स, 9340927342, **सीतामऊ:** तिरूपति मोटर्स, 9753008855, **पिपलिया मंडी:** नवपद मोटर्स, 9479861211, **दलोदा:** जेएस मोटर्स, 9926600906, **बोरी बुजुर्ग: जिलानी मोटर्स,** 9399900143, **कढ़ी:** श्री राम मोटर्स, 9584997081, **पिपलिया बुजुर्ग:** न्यू सिन्हा मोटर्स, 9981562315.. RS/Hero/10/26


शीतलदास की बगिया में तर्पण करते श्रद्धालु।

शीतलदास की बगिया, नर्मदापुरम नर्मदा नदी पर सुबह से रही लोगों की भीड़

पितृ मोक्ष अमावस्या पर अपने पुरखों को तर्पण कर उन्हें दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पितृमोक्ष अमावस्या व शनिचरी अमावस्या के विशेष संयोग के साथ शनिवार को शीतलदास की बगिया में लोगों ने तर्पण कर क्षमायाचना के साथ पितरों को विदाई दी। इसके चलते गिन्नौरी, शीतलदास की बगिया, छोटी झील पर स्थित काली मंदिर घाट कंठाली, माता मंदिर घाट, खटलापुरा घाट व गायत्री शक्ति पीठ में सुबह से पितरों के निमित्त जल व तिल आदि से तर्पण करने का सिलसिला शुरू हुआ, जो दोपहर तक चलता रहा। पंडितों ने पितृ पक्ष अमावस्या के दिन सैकड़ों लोगों ने अपने पूर्व की तीन पीढियों के निमित्त तर्पण, श्राद्ध कर्म और पिंडदान किया।

इधर गायत्री मंदिर में सामूहिक तर्पण का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विधि विधान से पंडितो द्वारा हजारो श्रद्धालुओ से तर्पण क्रिया कराई गई। मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पं. रामजीवन दुबे ने बताया कि पुराणों में मान्यता है कि 16 दिनों तक श्राद्ध पक्ष रहने के बाद पितृमोक्ष अमावस्या को अपने धाम के लिए विदा हो जाते हैं। जिन्हें अपने पूर्वजों के देहावसान की तिथि मालूम नहीं होती है, वे इस दिन तर्पण करते हैं।

श्री विश्राम घाट पर किया तर्पण, पिण्ड दान

श्री विश्राम घाट कमेटी ट्रस्ट भोपाल द्वारा संरक्षित संस्कार सेवा समिति द्वारा सुभाष नगर विश्राम घाट 16 श्राद्धों में पिण्ड दान, तर्पण का आयोजन किया गया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने तर्पण किया। गायत्री शक्ति पीठ में सर्व पितृ मोक्ष अमावस्या पर सैकड़ों लोगों ने तर्पण किया। इस मौके पर लोगों को बताया कि पितृ पक्ष में हमारे पितृ पूरे 16 दिन हमारे साथ रहते हैं। इसके लिए हमें पूरे 16 दिन उनका खयाल रखना चाहिए। इन दिनों में उन्हें कोई भौतिक रूप से भोजन नहीं भावनाओं का जल चाहिए और वे इसी से तृप्त होते हैं। इसलिए श्राध्द पक्ष में जल तर्पण का महत्व है। अमावस्या पर मां चामुण्डा दरबार भोपाल भक्तों के साथ बुदनी घाट पर पूर्वजों की पूजा-पाठ, तर्पण, हवन किया।

ज्यादा संख्या में श्रद्धालु पहुंचने पर तीन पारियों में कराया गया अनुष्ठान

गायत्री शक्तिपीठ पर 60 महिलाओं समेत 400 श्रद्धालुओं ने किया तर्पण-पिंडदान

भोपाल। इस लोक में हम दानशील बनें, किसी के घर मांगने न जाएं, हमारा सभी प्रकार से मंगल हो और सभी अमंगल दूर कीजिए, इसी प्रार्थना के साथ श्रद्धालुओं ने पितरों को विदाई दी। श्राद्ध कर्म के पंच यज्ञों के समय श्रद्धालुओं ने गायत्री महामंत्र अनुष्ठान करने, अपनी व्यक्तिगत एक बुराई छोड़ने, गो संवर्धन, स्वच्छता अभियान में भागीदारी तथा समाज में सत्प्रवृत्तियों के पुण्य प्रसार के लिए अपने प्रभाव, ज्ञान, पुरुषार्थ धन एवं समय का एक अंश नियमित रूप से लगाते रहने का संकल्प लिया। गायत्री शक्तिपीठ पर श्राद्ध पक्ष में चल रहे सामूहिक श्राद्ध-तर्पण, पिण्डदान का आयोजन पितृमोक्ष अमावस्या शनिवार को संपन्न हो गया। तीन पारियों में 400 से अधिक श्रद्धालुओं ने संस्कार में भागीदारी की। इनमें 60 से अधिक महिला श्रद्धालु भी शामिल थीं। महिलाओं के श्राद्ध-तर्पण के प्रश्न पर आचार्य देवेंद्र श्रीवास्तव ने मंच से बताया कि प्रत्येक संतान को अपने पूर्वजों के लिए श्राद्धावान रहना ही चाहिए। पुरुषों की महिलाएं भी संतान हैं। यहां पर प्रतिदिन भी महिलाओं ने आकर उत्साह पूर्वक श्राद्ध तर्पण किया।


गायत्री मंदिर में पिंडदान।



नवरात्रि अनुष्ठान संकल्प

सायंकाल गायत्री शक्तिपीठ भोपाल पर शारदीय नवरात्रि में गायत्री लघु अनुष्ठान के लिए साधकों को संकल्प दिलाया गया। इसके तहत गायत्री शक्तिपीठ पर सुबह 5 बजे से सायंकाल तक अखंड दीप के सानिध्य में मंत्र जप की व्यवस्था रहेगी। सुविधा अनुसार साधक अपने घरों पर भी मंत्र जाप कर सकेंगे, जिनकी सामूहिक पूर्णाहुति दशहरा 20 अक्टूबर को गायत्री शक्तिपीठ पर एक साथ संपन्न होगी।

नवरात्र आज से, राजधानी में 1200 से अधिक जगहों पर विराजेंगी मां जगदम्बा

शुभ योग, रवि योग व चित्रा नक्षत्र के शुभ संयोग में नवरात्रि महापर्व का हो रहा प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में नवरात्रि की तैयारियां पूरी हो गई है। अब सिर्फ मां जगदम्बा का आने का इंतजार है। रविवार को भोपाल शहर में इस बार 1200 से अधिक जगहों पर माता रानी विराजेंगी। हालांकि माता रानी को झांकी स्थल तक ले जाने का सिलसिला शनिवार की शाम से ही गाजे-बाजे के साथ ले जाना शुरू हो गया था।

रविवार को पूरे धूमधाम के साथ शुभ मुहूर्त में स्थापना की जाएगी। मां चामुण्डा दरबार के पुजारी गुरु पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि शारदीय नवरात्र 11 अक्टूबर से शुरू होंगे और 20 अक्टूबर तक चलेंगे। रविवार को चित्रा नक्षत्र में घट स्थापना होगी। इस बार माता रानी हाथी पर सवार होकर आ रही है। मान्यता में हाथी पर माता का आगमन सुख-समृद्धि, आर्थिक प्रगति और सकारात्मक बदलाव का संकेत माना जाता है। पंडित रामजीवन दुबे ने बताया कि इस बार नवरात्र में एक अमृत सिद्धि योग, दो सर्वार्थ सिद्धि योग और दो रवि योग बनेंगे।

एक दिन पहले ही गाजे-बाजे के साथ माता रानी को झांकी स्थल तक ले जाने का सिलसिला शुरू


करुणाधाम आश्रम में बड़ी अम्मा का स्वागत करते श्रद्धालु।

करुणाधाम में रौद्र रूप सुंदरी 'बड़ी अम्मा' का भव्य स्वागत

रौद्र रूप सुंदरी बड़ी अम्मा देर रात करुणाधाम आश्रम नेहरू नगर पहुंची। यहां भक्तजनों ने मां का जोरदार स्वागत किया। प्रदेश की पहली पंचमुखी महाकाली के रूप में प्रतिष्ठित मां 'बड़ी अम्मा' की 21 फीट ऊंची प्रतिमा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। इस मौके पर पीठाधीश्वर सुदेश शांडिल्य महाराज के साथ बड़ी संख्या में भक्तजन मौजूद रहे। आश्रम के युवा समिति के अध्यक्ष शाश्वत शांडिल्य ने बताया कि 9 रातें, 9 रंग और 9 दिव्य रूपों के साथ मां 'बड़ी अम्मा' की आरती-पूजन किया जाएगा। आगमन के दौरान बारेलाल बैंड की विशेष प्रस्तुति हुई। धार्मिक आस्था और भक्ति से ओतप्रोत इस आयोजन में श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। माँ 'बड़ी अम्मा' के आगमन के साथ करुणाधाम में भक्तों के लिए नौ दिन श्रद्धा, भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहेगा।

हाथी पर सवार होकर आएंगी माता, आर्थिक बदलाव के संकेत


हबीबगंज से देवी प्रतिमा स्थापित करने ले जाते श्रद्धालु।

ये झांकियां करेंगी शहरवासियों को आकर्षित

राजधानी में इस बार अधिकांश जगहों पर शिव मंदिरों की थीम पर ही झांकी सजाई गई है। इसमें बिट्टन मार्केट में मां वैष्णो दुर्गा उत्सव समिति की ओर से इस बार बाबा सोमनाथ मंदिर की भव्य प्रतिकृति प्रस्तुत करेगी, तो वहीं भोजपाल महोत्सव मेला समिति जंबूरी मैदान लगातार तीसरे वर्ष नवरात्रि में विशेष झांकी सजाई गई। यहां पर बाबा केदारनाथ धाम की भव्य झांकी भी तैयार की गई है। न्यू मार्केट व्यापार संरक्षण समिति न्यू मार्केट दुर्गा उत्सव समिति इस साल देवभूमि द्वारका, गुजरात के सुप्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग श्री नागेश्वर मंदिर की भव्य एवं विराट प्रतिकृति का निर्माण किया गया है। इसके अलावा लिली टॉकीज जहांगीराबाद, जवाहर चौक आदि प्रमुख आकृषिक झांकी रहेगी, जहां राजधानी के दुर्गा मंदिरों में भीड़ उमड़ती नजर आएगी। मंदिरों में लगातार नौ दिन होने वाले अनुष्ठानों की शहर में गूंज रहेगी।

नवरात्रि में गायत्री साधना का खास महत्व



नवरात्रि को माना जाता है ऋतु संध्या

नवरात्रि को ऋतु संध्या माना जाता है और संध्या काल में गायत्री उपासना का बड़ा महत्व है। गायत्री शक्तिपीठ एमपी नगर के आचार्य देवेंद्र श्रीवास्तव बताते हैं कि नवरात्रियों में गायत्री का लघु अनुष्ठान करने का विधान है, इसमें 27 माला या 270 मंत्र लेखन प्रतिदिन 9 दिन तक या 30 माला प्रतिदिन 8 दिन में 24 हजार मंत्र जप का लघु अनुष्ठान पूरा हो जाता है। इसे गायत्री मंत्र लेखन भी किया जा सकता है। साथ ही यज्ञ भी किया जाना चाहिए या अंतिम दिन यज्ञ के साथ पूर्णाहूति कर सकते हैं। यदि, 24 हजार मंत्र जप का अनुष्ठान नहीं बनें तो कम से कम 12 माला प्रतिदिन का जप और नित्य यज्ञ का संकल्प तो लीजिए ही। वहीं अन्य वेद मंत्रों की तरह गायत्री का भी शुद्ध उच्चारण होना और बिधि पूर्वक साधना करना उचित है। विधिपूर्वक किए हुए अनुष्ठान सदा शीघ्र सिद्ध होते हैं और उत्तम परिणाम उपस्थित करते हैं।



मंदिरों में सुबह से लगी भक्तों की कतार

राजधानी में श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई शनिश्चरी अमावस्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सर्व पितृ अमावस्या के साथ शनिश्चरी अमावस्या शनिवार को श्रध्दाभाव से मनाई गई। सुबह 7 बजे से शहर के कई शनि मंदिरों में पूजा-पाठ शुरू हुई गई थी। जोकि दोपहर व रात तक जारी रही। इस दौरान नेहरू नगर के प्राचीन नवग्रह मंदिर शनिधाम सहित, टीटी नगर, लालघाटी सहित अन्य शनि मंदिरों में श्रद्धालु शनिदेव की आराधना में लीन नजर आए। अमावस्या पर शहर के बड़े व प्राचीन शनि मंदिर में सुबह से लोगों का तांता लगा रहा। लोग अपने ऊपर आए संकट को टालने के लिए शनिदेव की विधि-विधान से पूजा अर्चना कराई।



मप्र के 12 आयुर्वेद कॉलेजों की मान्यता पर लगी रोक

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय चिकित्सा पद्धति राष्ट्रीय आयोग नई दिल्ली ने इस सत्र 2026-27 में मप्र के 12 आयुर्वेद मेडिकल कॉलेजों को मान्यता नहीं दी है। यह केवल सत्र 2026-27 के लिए ही मान्यता पर रोक लगाई है। प्रमुख कारणों में एनसीआईएसएम द्वारा निर्धारित मापदण्डों का पालन नहीं करना, कॉलेज का निरीक्षण कराने पर सहमति न देना, आईपीडी-ओपीडी में कमी, टीचिंग स्टॉफ में कमी, टीचिंग स्टॉफ, नॉनटीचिंग, हॉस्पिटल स्टॉफ का नियमित काम न करने के साथ कॉलेज व संबद्ध हॉस्पिटल की कार्यप्रणाली में भिन्नता हैं।

बुंदेलखंड सहित देशभर के सनातनियों से यात्रा में शामिल होने का आह्वान

जागो, उठो और सनातन के लिए खड़े हो जाओ

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

- आज से धीरेंद्र शास्त्री की पांच दिवसीय रथ यात्रा
- राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा के साथ होगा शुभारंभ

जागो, उठो और सनातन के लिए खड़े हो जाओ। इसी आह्वान के साथ बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर धीरेंद्र शास्त्री आज से हिंदू राष्ट्र के संकल्प को लेकर बागेश्वर धाम से बुंदेलखंड के पांच जिलों में पांच दिवसीय रथ यात्रा निकाल रहे हैं। शास्त्री ने कहा कि पूरे देश में विचारों के माध्यम से लोगों को सनातन से जोड़ना है।

इस यात्रा में बुंदेलखंड सहित देशभर के सनातनियों से शामिल होने की अपील की गई है। राष्ट्र और धर्म को साथ लेकर चलने की भावना के तहत यात्रा के शुभारंभ अवसर पर राष्ट्रगान और हनुमान चालीसा का पाठ किया जाएगा। यात्रा में बालाजी के लिए रथ तैयार किया गया है जबकि बागेश्वर महाराज वैनिटी वैन में चलेंगे।



पन्ना में होगा रात्रि विश्राम

पहले दिन यात्रा बागेश्वर धाम से निकलकर गंज, बमीठा, चंद्र नगर होते हुए अजयगढ़ पहुंचेगी जहां दोपहर विश्राम होगा और रात्रि विश्राम पन्ना में होगा। बागेश्वर महाराज ने सनातन धर्म के अनुयायियों से यात्रा में सहभागिता करने का आह्वान किया है। यात्रा के माध्यम से हिंदू राष्ट्र के विचारों को लेकर जनजागरण करने का उद्देश्य है।

पुलिस और प्रशासन ने की व्यवस्थाओं के लिए बैठक

बागेश्वर महाराज की पांच दिवसीय सनातन एकता रथ यात्रा सुचारू रूप से संपन्न हो इस हेतु कलेक्टर मृणाल मीणा एसपी रजत सकलेचा ने बागेश्वर धाम पहुंचकर बैठक ली। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आदित्य पटले ने बताया कि बागेश्वर धाम से निकलने वाली रथ यात्रा के विषय में प्रशासन के साथ बैठक की गई है। यात्रा मार्ग में किसी भी तरह का अवरोध उत्पन्न ना हो इसके इंतजाम किए जा रहे हैं। पर्याप्त पुलिस बल सुरक्षा व्यवस्था में लगाया जाएगा। 300 से 400 वाहनों के शामिल होने का जो अनुमान लगाया गया है उसको ध्यान में रखकर पुलिस बल तैनात किया जाएगा। अन्य जिलों से भी पुलिस बल मंगाया गया है।

परंपरागत मान्यताओं के अनुसार उनका यशगान

महाराजा अग्रसेन : समता, सहकार, शांति के अग्रदूत

भारतीय इतिहास में कुछ नाम ऐसे हैं जो केवल राजा के रूप में नहीं, बल्कि एक विचार, एक दर्शन और एक जीवन-पद्धति के रूप में याद किए जाते हैं। महाराजा अग्रसेन उन्हीं में से एक हैं। मान्यताओं के अनुसार उनका जन्म द्वापर युग के अंतिम चरण में, हुआ था। वे सूर्यवंशी क्षत्रिय राजा वल्लभ सेन एवं मां भगवती देवी के पुत्र थे और प्रतापनगर (वर्तमान अग्रोहा) के शासक बने। कहा जाता है कि युवा अवस्था में महाराजा अग्रसेन का विवाह नागराज महिधर की कन्या माधवी से हुआ था। इसी समन्वयवादी दृष्टि ने आगे चलकर उनके शासन के स्वरूप को निर्धारित किया। अग्रसेन एक पराक्रमी योद्धा थे।


कमलकांत अग्रवाल

आलेख



कथा है कि एक बार विजय यात्रा के दौरान उन्होंने यज्ञ में पशु-बलि होते देखी। उन्होंने सोचा, जिस यज्ञ से किसी जीव की हिंसा हो, वह धर्म कैसे हो सकता है? उसी क्षण उन्होंने अहिंसा का व्रत लिया और क्षात्र-धर्म की परिभाषा को युद्ध से बदलकर लोक-कल्याण से जोड़ दिया। महाराजा अग्रसेन के मां लक्ष्मी जी के वरदान की कथा अनुसार तपस्या से प्रसन्न होकर माता लक्ष्मी ने महाराजा अग्रसेन को दर्शन दिए। आज के नेता सत्ता को अधिकार मानते हैं। अग्रसेन ने सत्ता को सेवा माना। उन्होंने राजा होकर भी व्यापारी बनना स्वीकार किया। महाराजा अग्रसेन कोई पौराणिक कथा मात्र नहीं हैं। वे एक जीवंत विचार हैं। उन्होंने सिद्ध किया कि राजा का धर्म प्रजा से कर वसूलना नहीं, प्रजा को आत्मनिर्भर बनाना है। धर्म का अर्थ कर्मकांड नहीं, करुणा है। समृद्धि का अर्थ संचय नहीं, वितरण है। अग्रोहा के खंडहर आज भी हिसार के पास मौजूद हैं, पर अग्रसेन का असली स्मारक ईंट-पत्थरों में नहीं, करोड़ों अग्रवाल बंधुओं की उद्यमशीलता, दानशीलता और सामाजिक सेवा में है। हर धर्मशाला, हर गौशाला, हर विद्यालय जो उनके अनुयायियों ने बनवाया, वह उनके 'एक रुपया, एक ईंट' के सिद्धांत का ही विस्तार है। आज जब हम 'सबका साथ, सबका विकास' की बात करते हैं, तो अनजाने में ही अग्रसेन के समता, सहकार और शांति के त्रिसूत्र को दोहरा रहे होते हैं। आवश्यकता है कि हम उन्हें केवल कुल-पुरुष मानकर पूजा न करें, बल्कि उनके सिद्धांतों को नीति, व्यवसाय और व्यक्तिगत जीवन में उतारें। वर्तमान में महाराजा अग्रसेन की बसाई राजधानी अग्रोहा हरियाणा के हिसार में स्थित है।

पार्षद बोले- पानी, बिजली और नाली की समस्याएं खत्म कीं

विपक्ष का आरोप... विकास सिर्फ फाइलों में, सड़कें हुईं गड्ढों में तब्दील

वार्ड 48 में विकास के दावों पर घमासान, कोई बता रहा सब ठीक, तो कोई गिना रहा खामियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

दैनिक हरिभूमि समाचार पत्र की ओर से गुरुवार को वार्ड-48 में 'मेरा वार्ड-मेरी बात' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शाहपुरा सी सेक्टर, जोन कार्यालय नं. 06 में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में क्षेत्रीय रहवासी शामिल हुए और उन्होंने वार्ड से जुड़ी समस्याओं को साझा किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय पार्षद अरविंद कुमार वर्मा ने लोगों समस्याओं को सुना और विभिन्न मुद्दों पर अपनी बात रखते हुए समाधान और आगामी कार्य योजना की जानकारी दी।



कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शामिल हुए रहवासी

हरिभूमि समाचार पत्र की ओर से वार्ड-48 में 'मेरा वार्ड-मेरी बात' कार्यक्रम का आयोजन

पार्षद अरविंद वर्मा ने लोगों की समस्याओं को सुना

आज शाम आईएनएच न्यूज चैनल पर प्रसारण

आधारभूत समस्याओं का किया निराकरण

पार्षद ममता पार्षद अरविंद कुमार वर्मा ने कहा कि उनके वार्ड में रोड, पानी के साथ बारिश में नाला, नाली की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से करवाया गया है। वार्ड के विकास के लिए 13 करोड़ बजट है। वार्ड 48 में विकास को लेकर पार्षद और विपक्ष के दावों में बड़ा अंतर नजर आ रहा है। पार्षद अरविंद वर्मा जहां चार साल में मूलभूत सुविधाओं में सुधार और समस्याएं खत्म करने का दावा कर रहे हैं, वहीं निर्दलीय मोहन यादव और कांग्रेस के प्रेम अहिरवार ने इन दावों पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि वार्ड में सड़क, नाली और सफाई जैसी समस्याएं अब भी बनी हुई हैं।

पार्षद का दावा, सुविधाओं में हुआ सुधार

पार्षद अरविंद वर्मा ने बताया कि जब वे पार्षद बने, तब वार्ड में मूलभूत सुविधाओं की कमी थी। पिछले चार साल से पानी, बिजली और नाली की समस्याएं दूर करने पर ध्यान दिया गया है। अमृत योजना 2.0 के तहत सीसी सड़कें बनाने के साथ पानी और नालियों की पक्की व्यवस्था भी कराई जा रही है।



विपक्ष बोला, विकास सिर्फ कागजों पर

निर्दलीय मोहन यादव ने आरोप लगाया कि पार्षद के विकास के दावे हकीकत से कोसों दूर हैं। उनके मुताबिक, वार्ड में घूमने पर कई खामियां सामने आएंगी। उन्होंने 13 करोड़ रुपये के कामों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि रहवासियों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिलीं।



खराब सड़कों से लोग परेशान

कांग्रेस के प्रेम अहिरवार ने भी विकास नहीं होने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि लोग गड्ढों वाली सड़कों से निकलने को मजबूर हैं और नालियों का पानी सड़कों पर बह रहा है।



रहवासियों की राय...

रहवासी नितिन यादव ने कहा कि पहले यहां जंगल था, जो अब खत्म हो गया है, लेकिन सड़क और विकास की स्थिति संतोष जनक नहीं है। वहीं रहवासी कुलदीप नामदेव ने सफाई, सीवेज लाइन के काम और कनेक्शन होने को सकारात्मक बताया। वार्ड में विकास के दावों की असलियत जानने के लिए सड़क, नाली और अन्य सुविधाओं की जमीनी स्थिति अहम है।







भोपाल
रविवार, 11 अक्टूबर 2026
आश्विन मास शुक्ल पक्ष-1
वर्ष : 13, अंक : 191
पृष्ठ : 16 मूल्य : 4.00 **

मौसम
अधि. 34
न्यून. 21

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी



घटस्थापना मुहूर्त
- शुभ समय सुबह 5:31 बजे से 9:26 बजे तक शुभ समय
- अभिजित मुहूर्त सुबह 11:00 बजे से 11:47 बजे तक *(मां चामुंडा दरबार के पुजारी गुरू पंडित रामजीवन दुबे के अनुसार)*

haribhoomi.com

प्रदेश के चार प्रमुख देवी मंदिरों में शारदीय नवरात्रि की क्या तैयारियां हैं, हर बार की तरह 'हरिभूमि' के पाठकों के लिए यह काम की जानकारी

1 मां शारदा देवी, मैहर

130 ट्रेनें रुकेंगी, सुबह 6 बजे से रात 10.30 बजे तक चलेगा रोपवे

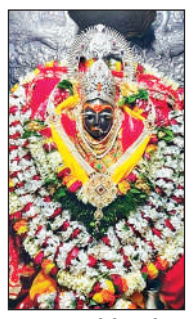

आठ एलईडी स्क्रीन पर होंगे लाइव दर्शन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सतना/मैहर

त्रिकूट पर्वत स्थित मां शारदा देवी धाम में रविवार से 10 दिवसीय शारदीय नवरात्रि मेले का शुभारंभ होगा। लाखों श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था पूरी कर ली है। कलेक्टर विदिशा मुखर्जी और पुलिस अधीक्षक अवधेश प्रताप सिंह के अनुसार, मेले में 650 पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। ▶▶शेष पेज 4 पर

2 मां पीतांबरा देवी, दतिया

पहले दिन 50 हजार से ज्यादा भक्तों के पहुंचने का अनुमान



साधकों और श्रद्धालुओं के लिए खुलेंगे 100 कमरे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दतिया

विश्व प्रसिद्ध तांत्रिक शक्तिपीठ मां पीतांबरा मंदिर में रविवार से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्रि पर्व की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। मंदिर के चारों मुख्य द्वार आकर्षक सजावट के साथ श्रद्धालुओं के लिए खोले जाएंगे। पहले दिन करीब 50 हजार से ज्यादा श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है। पुलिस अधीक्षक मयूर खंडेलवाल के अनुसार ▶▶शेष पेज 4 पर

3 मां बगलामुखी देवी, नलखेड़ा

सुबह 5 से रात 11 बजे तक होंगे दर्शन, सीसीटीवी से निगरानी



मां बगलामुखी मंदिर में वीआईपी दर्शन व्यवस्था खत्म

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नलखेड़ा

प्रसिद्ध मां बगलामुखी मंदिर में शारदीय नवरात्रि के दौरान देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। इसे देखते हुए प्रशासन और मंदिर समिति ने सुरक्षा व दर्शन के व्यापक इंतजाम किए हैं। मंदिर परिसर, मार्गों और पार्किंग स्थलों पर 300 से अधिक पुलिस जवान तैनात रहेंगे। थाना प्रभारी और ▶▶शेष पेज 4 पर

4 मां विजयासन देवी, सलकनपुर

नौ दिन में पांच लाख से ज्यादा भक्तों के पहुंचने का अनुमान



भारी व व्यावसायिक वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सीहोर

प्रसिद्ध देवीधाम सलकनपुर में रविवार से नौ दिवसीय शारदीय नवरात्रि महोत्सव शुरू होगा। मंदिर ट्रस्ट और जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। नौ दिनों में पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं के मां विजयासन के दर्शन करने पहुंचने का अनुमान है। पदयात्रियों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मेला अवधि में ▶▶शेष पेज 4 पर

दिन भर दिल्ली की सड़कों पर 38 हजार सुरक्षा कर्मी तैनात रहे, सीजेपी का कोई समर्थक जंतर मंतर नहीं पहुंच सका, 10 फीट ऊंचे लगाए बैरिकेड्स, कीलें भी बिछाईं, दूसरे इलाकों से करीब 7000 लोगों को हिरासत में लिया गया, इनमें विपक्ष के कई 'दिग्गज नेता'

विफल किया 'विरोध'

- भाजपा के मुताबिक दिल्ली को अराजक समूहों का बंधक होने से बचा लिया। दिल्ली वालों ने विकास व शांति का साथ दिया। लोकतंत्र की जीत हुई। भीड़तंत्र की हार हुई
- सीजेपी समेत सभी विपक्षी दलों का आरोप था कि पुलिस ने दिल्ली को बंधक बना लिया। लोकतंत्र को बंधक बना लिया। संविधान को बंधक बना लिया। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और आंदोलनों की जगह को बंधक बना लिया
- राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' में कहा कि कुछ भी हो अब चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जाना ही होगा
- विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन इस मुद्दे पर 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगा



- भाजपा ने बताया इसे फ्लॉप शो, ममता बेनर्जी बोली- अब इमरजेंसी से भी हालात बदतर
- विश्लेषक मानते हैं कि केंद्र सरकार ने भले ही यह विरोध रोक लिया हो पर देश में इसकी गूंज नहीं रोकी जा सकी
- दिल्ली मेट्रो बंदी और कस्टडी पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, सुनवाई आज
- सीजेपी ने आज सुबह 10 बजे जंतर मंतर पर प्रदर्शन का ऐलान किया

प्रदर्शनकारियों ने जमकर की नारेबाजी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का दिल्ली के जंतर मंतर पर प्रदर्शन दिल्ली पुलिस ने विफल कर दिया। करीब 38 हजार पुलिसकर्मियों की तैनाती ने दिल्ली को खाकी व पैरामिलिट्री फोर्स की वर्दी के रंग से रंग दिया। सीसीटीवी, बॉडी स्कैनर कैमरा, कई बसों का बेड़ा, वज्र वाहन, टीयर गैस गन, रास्तों पर बिछाई गईं कीलें, 37 जगहों पर कड़ी नाकेबंदी ने, भाजपा के मुताबिक दिल्ली को अराजक समूहों का बंधक होने से बचा लिया। जबकि, सीजेपी समेत सभी विपक्षी दलों का आरोप था कि पुलिस ने दिल्ली को बंधक बना लिया। लोकतंत्र ▶▶शेष पेज 4 पर

ममता ने मुंह पर लगाया बैंडेज, क्रांतिकारी गीत गाया



ममता बेनर्जी

पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी का विरोध का अलग अंदाज देखने को मिला। उन्होंने पहले मुंह पर बैंडेज लगाकर विरोध जताया और फिर पुलिस हिरासत में लिए जाने के दौरान बस में बंगाली क्रांतिकारी गीत गाया। ममता दक्षिण एवेन्यू स्थित एक बस स्टैंड पर धरने पर बैठी थीं। इसी दौरान दिल्ली पुलिस ने उन्हें तृणमूल कांग्रेस के नेता डेरेक ओ ब्रायन, डोला सेन और पार्टी के अन्य सदस्यों के साथ हिरासत में ले लिया। इसके बाद थाने में भी ममता ने अनशन शुरु कर दिया।

राष्ट्रपति पर राहुल का बयान 'नालायक नेता' की तरह



संबित पात्रा

भाजपा ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन को फ्लॉप शो बताते हुए विपक्ष पर निशाना साधा। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और सांसद संबित पात्रा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जंतर-मंतर पर दिखाई दे रही तस्वीर भारत की कहानी नहीं है। देश शांत है और सुशासन के साथ आगे बढ़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ अराजक तत्व राजधानी में अशांति फैलाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन लोकतंत्र ▶▶शेष पेज 4 पर

अभिजीत दीपके की दादी का निधन

सीजेपी नेता अभिजीत दीपके की दादी सावित्रीबाई शंकर दीपके का शनिवार को 85 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उन्होंने महाराष्ट्र ▶▶शेष पेज 4 पर



मुख्यमंत्री डॉ. यादव बोले- अराजकता फैला रहे राहुल

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को बिहार के गया प्रवास के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को आड़े हाथ लिया है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक रूप से जब जनता किसी दल को ▶▶शेष पेज 4 पर

घड़ाघड़ लिए हिरासत में



सीजेपी प्रमुख दीपके को विमान से उतारा

टांगकर ले गई पुलिस



पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल हिरासत में

केरल भवन से उठाया



केरल के पूर्व सीएम विजयन को हिरासत में लिया

माता-पिता से मिलने आए थे



गुरुग्राम में यूट्यूबर ध्रुव राठी को घर से उठाया

नेहा बोरा



प्रदर्शन करने पहुंची नेहा बोरा को घसीटा गया

सतर्क सुरक्षाकर्मी



सुरक्षाकर्मी बेहद सतर्क दिखे



प्रथम दिवसः मां शैलपुत्री



वन्दे वांछित लाभाय चंद्रार्धकृतशेखराम् ।
वृषारूढ़ां शूलधरां शैलपुत्री यशस्विनीम ॥

वैन की टक्कर से कांग्रेस जिला महामंत्री की मौत

नीमच। मालाखेड़ा-जावी मार्ग पर शुक्रवार रात सड़क हादसा हुआ।



नीमच से सरवानिया महाराज लौट रहे कांग्रेस जिला महामंत्री नेता अभिषेक मालू (40) की मारुति वैन की टक्कर से मौत हो गई।

10 हजार से अधिक बी 2 बी मीटिंग्स ने पर्यटन संभावना को दी वैश्विक पहचान

ट्रैवल मार्ट में 3,729 करोड़ का आया निवेश



34 देशों के 100 से अधिक और देश के 15 राज्यों के 180 दूर ट्रैवल ऑपरेटर और होटलियर सहित 600 से अधिक स्टेकहोल्डर्स हुए शामिल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मप्र ट्रैवल मार्ट में निजी क्षेत्र से लगभग 3,729 करोड़ के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। पर्यटन क्षेत्र के प्रस्ताव लक्जरी होटलों, वेलनेस रिसॉर्ट्स, गोल्फ कोर्स, वाटरफ्रंट रिट्रीट्स और वन्यजीव लॉज के विकास से जुड़े हैं। इन पूंजीगत निवेशों से न केवल प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्रों की आतिथ्य क्षमता में विश्वस्तरीय वृद्धि होगी, बल्कि राज्य के दूरदराज और अनछुए ▶▶शेष पेज 4 पर ▶▶पढ़ें पेज 09 भी

पिछले वर्ष की तुलना में 14% की वृद्धि

ट्रैवल मार्ट में व्यावसायिक नेटवर्किंग के दौरान 10,263 बी2बी बैठकों का ऐतिहासिक कीर्तिमान बना है। पिछले वर्ष की तुलना में 14 % की वृद्धि दर्ज की गई है। 2025 के पिछले संस्करण के दौरान लगभग 9,000 बैठकें हुई थीं।

दमकल वाहन बुलाए गए

स्क्रैप गोडाउन में लगी भीषण आग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ पीथमपुर



- आग लगने के कारणों का पता नहीं चला

औद्योगिक नगर पीथमपुर के सेक्टर-3 स्थित एक स्क्रैप यार्ड में शनिवार सुबह भीषण आग लग गई है। आग इतनी विकराल है कि धुएं का गुबार दूर-दूर ▶▶शेष पेज 4 पर

आज होगा मैच

इंदौर पहुंचीं भारत वेस्टइंडीज की टीमें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर



- कोच गौतम गंभीर ने देखी पिच

होलकर स्टेडियम में आज रविवार को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले अंतरराष्ट्रीय टी-20 मुकाबले को लेकर इंदौर में क्रिकेट का रंग चढ़ने लगा है। ▶▶शेष पेज 4 पर

विधायक थे सवार

वाहन से टकरा गई बाइक, एक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कुरावर



- हादसे में राघवेंद्र के सिर पर गंभीर चोट आई

छोटी महाकाल होटल के सामने हाईवे पर फॉर्च्यूनर और बाइक की टक्कर में पिता-पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसमें इलाज के दौरान पिता की ▶▶शेष पेज 4 पर

भाजपा कार्यकर्ता से थाने में मारपीट

थाना प्रभारी समेत सात पुलिसकर्मी लाइन अटैच



विधायक गोलू शुक्ला के समर्थकों ने थाने का घेराव किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

एयरोड्रम थाना क्षेत्र में कार पार्किंग को लेकर शुरू हुआ विवाद थाने तक पहुंच गया। मारपीट की शिकायत दर्ज कराने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ता जयदीप दुबे और उनके साथ आए भाजपा पदाधिकारी के साथ ▶▶शेष पेज 4 पर

लोगों ने चक्काजाम के बाद किया पथराव

दमोह में बस की टक्कर से दो छात्राओं की मौत



तीसरी छात्रा की हालत गंभीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

दमोह-जबलपुर स्टेट हाईवे पर नोहटा थाना क्षेत्र के अभाना गांव के पास एक यात्री बस की टक्कर से दो छात्राओं की जान चली गई। तीसरी छात्रा की हालत गंभीर बताई जा रही है। छात्राएं स्कूल जा रही थीं। ▶▶शेष पेज 4 पर



खंडेलवाल ने झाबुआ, आलीराजपुर एवं धार में की बैठकें

देश आजाद होने के बाद महात्मा गांधी ने कहा था कि कांग्रेस को समाप्त कर देना



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने शनिवार को झाबुआ, आलीराजपुर एवं धार ग्रामीण जिले में आयोजित जिला बैठकों को संबोधित किया। इस दौरान आलीराजपुर में सेवा संकल्प अभियान के तहत रंगोली कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा गरीबों, आदिवासियों, युवाओं, महिलाओं और किसानों के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। महात्मा गांधी ने देश के आजाद होने के बाद कहा था कि कांग्रेस पार्टी को अब समाप्त कर देना चाहिए। कांग्रेस पार्टी एक परिवार की पार्टी बनकर रह गई है। कांग्रेस पार्टी और उसके नेता सत्ता पाने के किसी भी हद तक जाने को तैयार हैं। कांग्रेस पार्टी की अपनी कोई विचारधारा नहीं है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष कई कार्यक्रमों में हुए शामिल

प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने शनिवार को झाबुआ में निर्माणाधीन भाजपा कार्यालय का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मेघनगर तिराहे पर पूर्व सांसद दिलीप सिंह भूरिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया। उन्होंने आलीराजपुर जिले के जोबट विधानसभा क्षेत्र के शासकीय डिग्री कॉलेज चौराहे पर क्रांतिकारी टंट्या मामा भील की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

'हमें आजादी चाहिए', महिलाओं ने निकाला पैदल मार्च

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

बेटियों के साथ छेड़छाड़ हो, दुष्कर्म हो या हत्या, सवाल उनकी आजादी पर ही क्यों उठते हैं? रात में बाहर निकलने से पहले लड़कियों को क्यों सोचना पड़े कि वे सुरक्षित घर लौट पाएंगी या नहीं? इन्हीं सवालों के साथ शनिवार को भोपाल में महिलाएं सड़क पर उतरीं। भारत भवन से वन विहार गेट तक निकले पैदल मार्च में महिलाओं और युवतियों ने साफ कहा कि उन्हें बंदिशें नहीं, सुरक्षित शहर चाहिए। प्रदर्शन के दौरान 'रानी बेटी के कपड़े नहीं, राजा बेटा सोच बदलो' जैसे नारे लगाए गए।

'व्हाय लॉइटर कैंपेन' के 'वुमन्स सॉलिडेरिटी मार्च' में महिलाओं ने सार्वजनिक जगहों पर सुरक्षा की कमी का मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि महिलाओं की आजादी पर पहरा लगाने के बजाय उन लोगों की सोच बदलने की जरूरत है, जो छेड़छाड़ करते हैं और अभद्र टिप्पणियां करते हैं। प्रदर्शनकारियों ने महिला पुलिस की पेट्रोलिंग बढ़ाने और शहर के संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग की।

- आरकेएमपी स्टेशन के पास एमपी नगर समेत कई इलाकों में होती है छेड़छाड़
- पेट्रोलिंग, स्ट्रीट लाइट दुरुस्त करने की मांग



रात में बाहर निकलने पर महिलाओं, युवतियों से होती है छेड़छाड़

प्रदर्शन में शामिल छात्रा विदुषी शर्मा ने कहा कि उनकी लड़ाई सभी पुरुषों से नहीं है। परेशानी उन लोगों से है, जो महिलाओं पर बंदिशें लगाने की सोच रखते हैं, छेड़छाड़ करते हैं और अभद्र टिप्पणियां करते हैं। उन्होंने आरकेएमपी स्टेशन, एमपी नगर, डीबी मॉल के आसपास और शहर में स्ट्रीट लाइट बढ़ाने के साथ पुलिस की मौजूदगी मजबूत करने की मांग की। मार्च में शामिल युवतियों ने कहा कि रात में बाहर निकलने पर असामाजिक तत्व छेड़छाड़ करते हैं।

पितृसत्तात्मक सोच के खिलाफ मार्च

प्रदर्शन में शामिल युवक तनिष ने कहा कि यह मार्च लड़कों के खिलाफ नहीं, बल्कि पितृसत्तात्मक सोच के खिलाफ है। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि महिलाओं की सुरक्षा के नाम पर उनकी आजादी सीमित करना समस्या का समाधान नहीं है। जरूरत ऐसी व्यवस्था की है, जिसमें महिलाएं दिन रात, बिना डर सार्वजनिक स्थानों पर आ-जा सकें।

सवाल वही, सुरक्षा के इंतजाम कितने मजबूत?

भोपाल में महिलाओं के इस मार्च ने एक बार फिर सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा और महिलाओं की स्वतंत्रता का सवाल सामने रखा। पुलिस से सुरक्षा की मांग की है।

भोपाल में 21 से 24 सितंबर के बीच सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच किया गया सर्वे

शहर में ध्वनि प्रदूषण को लेकर रिपोर्ट पेश 69 में से 47 चौराहों पर भयंकर शोर-शराबा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी में बढ़ रहे ध्वनि प्रदूषण को लेकर मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल में शुक्रवार को रिपोर्ट पेश की है। इस मामले में पर्यावरणविद राशिद नूर खान ने एनजीटी में पिटीशन लगाई है। बेंच ने अधिवक्ता हर्षवर्धन तिवारी ने पक्ष रखा। बेंच में प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार शहर में प्रदूषण को लेकर बेंच ने मॉनीटरिंग के आदेश जारी किए थे। यह आदेश 21 मई 2026 को जारी किए थे, जिसके जबाव में पीसीबी ने रिपोर्ट पेश की है।

आदेश के पालन में भोपाल में पहचाने गए 69 ट्रैफिक चौराहों पर 21 नवंबर से 24 नवंबर के दौरान, सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच एम्बिएंट नॉइज़ मॉनिटरिंग और एकॉस्टिक सर्वे किया गया। सर्वे में शहर के 47 चौराहों पर तय सीमा से अधिक तेज आवाज मिली, जबकि 22 चौराहों पर तय सीमा में शोर दर्ज किया गया है। मॉनिटरिंग अवधि बीएससीडीसीएल द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर चुनी गई थी, जिसमें ट्रैफिक पीए सिस्टम के चलने का समय सुबह 9 से शाम 7 बजे तक था। इस मामले में एनजीटी बेंच ने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, को एक व्यापक अध्ययन करने का निर्देश दिया था, जिसमें शहर में बढ़ रहे ध्वनि प्रदूषण के विभिन्न बिंदुओं को शामिल किया गया है।



सर्वेक्षण में इन बिंदुओं पर हुई जांच

शहर में किए गए ध्वनि प्रदूषण के सर्वे में विभिन्न बिंदुओं को शामिल किया गया। इनमें परिवेशी शोर की निगरानी, डेसिबल का आकलन, ध्वनि सर्वेक्षण और भोपाल में ट्रैफिक जंक्शनों और प्रभावित स्थानों की शोर मैपिंग करने को कहा गया था। जिन स्थानों पर पब्लिक अनाउंसमेंट (पीए) सिस्टम लगे हैं और शोर प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 का उल्लंघन करते हुए तय सीमा से अधिक चल रहे हैं। बोर्ड ने ऐसे 69 चौराहों पर सर्वे किया। ट्रिब्यूनल ने राज्य पीसीबी को ट्रैफिक पीए सिस्टम के संचालन को नियंत्रित करने वाले शमन तंत्र/एसओपी की जांच करने का भी निर्देश दिया है। जिसमें स्वीकार्य समय, ध्वनि की तीव्रता और डेसिबल सीमाएं, कृत्रिम सायरन/आपातकालीन ध्वनियों पर रोक, वास्तविक समय में निगरानी करने को कहा था।

पीसीबी ने शहर के विभिन्न स्थानों की जांच की

बेंच में प्रस्तुत रिपोर्ट में बताया गया है कि मप्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने शहर के 69 ऐसे स्थान जहां पब्लिक ट्रांसपोर्टेशन जारी है, उन स्थानों पर ध्वनि प्रदूषण की जांच की है। इनमें से 47 स्थानों पर तय सीमा से अधिक ध्वनि प्रदूषण मिला है। 22 चौराहों पर तय सीमा मिली। जिन स्थानों पर तय सीमा से अधिक डेसीवल पर ध्वनि प्रदूषण मिला है, वहां संबंधितों को नोटिस जारी किया गया है।

शहर में जगहों की पहचान कर किया गया सर्वेक्षण

बेंच द्वारा दिए गए निदेर्शों का पालन करते हुए पीसबी ने भोपाल स्मार्ट सिटी डेवलपमेंट कॉपोरेशन लिमिटेड और डिप्टी कमिश्नर ऑफ़ पुलिस (ट्रैफिक), भोपाल से मिली जानकारी के आधार पर 14 अगस्त को एक अंतरिम रिपोर्ट सौंपी थी। जानकारी के आधार पर, भोपाल में एम्बिएंट नॉइज़ मॉनिटरिंग और एकॉस्टिक सर्वे के लिए 69 ट्रैफिक चौराहों की पहचान की गई है। रिपोर्ट के आधार पर संबंधितों को नोटिस जारी किया गया है।

पत्रकार ने किया बाइक सवार लुटेरों का पीछा

ऑफिस से घर लौट रहे पत्रकार से बाइक सवार बदमाशों ने छीना मोबाइल, फरार

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भेल के गुरुद्वारे के सामने शनिवार दोपहर पत्रकार कृष्णा सिंह का बाइक सवार दो बदमाश मोबाइल छीनकर फरार हो गए। उन्होंने बाइक सवार बदमाशों का पीछा भी किया, लेकिन वह उन्हें चकमा देकर रफूचक्कर हो गए।



कृष्णा ने अज्ञात बाइक सवार बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज कर करने के लिए ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराई है। जानकारी के मुताबिक कोकता बायपास निवासी कृष्णा सिंह पत्रकार हैं। शनिवार दोपहर वह प्रेस से काम कर घर लौट रहे थे। वह भेल स्थित गुरुद्वारे के पास गाड़ी खड़ी कर मोबाइल पर बात कर रहे थे। तभी पीछे से दो बाइक सवार बदमाश आए। उन्होंने अपनी बाइक रोकी और बाइक के पीछे बैठे बदमाश में कृष्णा का मोबाइल छीन लिया। इससे पहले ही वह कुछ समझ पाते बाइक सवार बदमाश फरार हो गए।

महिला की बहादुरी आगे बदमाश पस्त, छीन नहीं पाया मंगलसूत्र

मंगलसूत्र छीनने वाला लुटेरा महिला की बहादुरी से आगे पस्त हो गया। महिला हैंडपंप पर पानी पीने के लिए रुकी थी, तभी एक बदमाश आया और महिला के गले से मंगलसूत्र छीनने लगा। महिला ने बहादुरी दिखाते हुए बदमाश को पकड़ कर शोर मचा दिया। शोर-शराबे की आवाज सुनकर आसपास मौजूद लोगों ने बदमाश को पकड़ लिया। गुनगा पुलिस के मुताबिक बरखेड़ा पठानी थाना गोविंदपुरा निवासी राजकुमारी पति मनोज मेहरा गृहणी है। शुक्रवार को वह ग्राम दिल्लौद में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मिलने जा रही थी। ग्राम रुसल्ली जोड़ के पास वह हैंडपंप पर पानी पीने के लिए रुक गई। तभी बाइक पर सवार एक बदमाश वहां आया और राजकुमारी के गले में लटका सोने का मंगलसूत्र छीनने लगा। लेकिन महिला ने शोर मचाया।

दो नाबालिग चोरों से चार बाइक बरामद

कमला नगर पुलिस ने वाहन चोर गिरोह का खुलासा कर दो नाबालिग लड़कों को हिरासत में लेकर चार बाइक जप्त की हैं। चारों ने टीटी नगर, रातीबड़ और सीहोर वाहन चोरी की थी। चोर गिरोह के दो अन्य आरोपी राजपाल हाड़ा और समीर फिलहाल फरार हैं। पुलिस के मुताबिक सुदामा नगर निवासी प्रियंका सोरेन ने 31 जुलाई को कमला नगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि उनकी बाइक घर के सामने से चोरी हो गई है। शिकायत पर पुलिस ने संदिग्ध हालत में घूम रहे दो नाबालिग लड़कों को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान दोनों की निशानदेही पर अलग-अलग मामलों में चोरी गई चार बरामद की।

कृष्ण-मृग स्थानांतरण अभियान का दूसरा चरण हुआ प्रारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शाजापुर- शुजालपुर क्षेत्र में कृष्ण-मृगों (ब्लैकबक) को पकड़ने और स्थानांतरित करने के अभियान का दूसरा चरण का शनिवार को प्रारंभ किया गया। अभियान के पहले दिन हन्नूखेड़ी में 97 कृष्णमृगों को सफलतापूर्वक पकड़ा गया। इन्हें अनुकूल वन क्षेत्र में स्थानांतरित करने के लिए कूनो राष्ट्रीय उद्यान रवाना किया गया। इस अभियान का उद्देश्य क्षेत्र में लंबे समय से फसलों को नुकसान पहुंचा रहे वन्य प्राणियों के कारण किसानों और ग्रामीणों को होने वाली परेशानियों को कम करना है। कृष्ण-मृगों को उनके अनुकूल वन क्षेत्रों में स्थानांतरित करने से मानव-वन्य प्राणी संघर्ष और फसल क्षति कम करने के साथ कृषि उत्पादकता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। दूसरे चरण में कुल 2 हजार कृष्ण-मृगों के स्थानांतरण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

बस की फिटनेस निरस्त और चालक का लाइसेंस निलंबित

कटनी में बस मालिक एवं वाहन चालक के विरुद्ध एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कटनी जिले में विजयराघवगढ़-बंजारी के पास शनिवार को हुई बस दुर्घटना में किशोरी की मृत्यु और 33 यात्रियों के घायल होने की घटना पर शासन ने सख्त एक्शन लिया है। कलेक्टर आशीष तिवारी ने बस मालिक शेख यासीन एवं वाहन चालक सत्यम पाण्डेय के विरूद्ध विजयराघवगढ़ पुलिस थाना में भारतीय न्याय संहिता की धारा 106(1), 125(a), भारतीय न्याय संहिता 281 एवं मोटरयान अधिनियम 1988 (संशोधन 2015,2019) की धारा 184 के तहत एफआईआर दर्ज करवाई है।

कलेक्टर कटनी के निर्देश पर एआरटीओ की ओर से बस का फिटनेस निरस्त कर दिया गया है। साथ ही बस चालक का लाइसेंस निलंबित कर दिया गया है। बस परिचालन का परमिट भी निलंबित किया गया है। एआरटीओ संतोष पाल ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त बस रजा बस सर्विस की है, जिसका बस क्रमांक एमपी-14-बीडी-0811 है।

कलेक्टर ने अस्पताल पहुंचकर जाना घायलों का हालचाल

घटना की जानकारी मिलने पर कटनी कलेक्टर आशीष तिवारी और पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा तत्काल विजयराघवगढ़ सिविल अस्पताल पहुंचे और घायलों के स्वास्थ्य एवं उपचार की जानकारी ली। कलेक्टर कटनी ने चिकित्सकों को सभी घायलों का बेहतर और समुचित उपचार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कटनी कलेक्टर तिवारी ने बस दुर्घटना में मृत छात्रा के परिजनों को 20 हजार रुपए की तात्कालिक सहायता राशि प्रदान की।

यात्रियों को राहतः दिल्ली रूट का रेल यातायात बहाल, समय पर रवाना हुई भोपाल एक्सप्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी भोपाल से भोपाल एक्सप्रेस से दिल्ली जाने वाले रेल यात्रियों के लिए शनिवार का दिन बड़ी राहत लेकर आया है। दिल्ली में प्रदर्शन और घेराव के चलते शुक्रवार को बाधित हुआ रेल यातायात अब पूरी तरह सामान्य हो चुका है। इसके चलते भोपाल रेल मंडल सहित पमरे जोन से गुजरने वाली और यहां से शुरू होने वाली सभी ट्रेनों का संचालन अपने निर्धारित समय पर बहाल कर दिया गया है। शनिवार को भोपाल एक्सप्रेस आरकेएमपी स्टेशन के एक नंबर प्लेटफार्म से निधारित समय पर रवाना हुई। उल्लेखनीय है कि इनमें शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस, महाकौशल एक्सप्रेस और एमपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस सहित अन्य ट्रेनें निरस्त किया गया था। शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस से जाने वाले कुछ यात्रियों से हरिभूमि टीम ने बात की। तो यात्री बोले दिनभर लगातार ट्रेन को लेकर अपडेट ले रहे थे। मन में शंका थी कि ट्रेन निरस्त ना हो जाए। ट्रेन की अपडेट जानकारी लेकर स्टेशन पहुंचे। जहां ट्रेन के प्लेटफार्म पर लगी देख चैन की सांस ली।

रेलवे की ओर से 9 अक्टूबर को निरस्त की गई भोपाल एक्सप्रेस के यात्रियों को लगातार रिफंड दिया जा रहा है। रेलवे की ओर से यात्रियों को 100 फीसदी रिफंड किया जा रहा है।



इन ट्रेनों को रेलवे ने किया था निरस्त

12155 शान-ए-भोपाल एक्सप्रेसः 9 अक्टूबर को निरस्त थी। 22181 जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेसः 9 अक्टूबर को निरस्त थी। 12189 महाकौशल एक्सप्रेसः 9 अक्टूबर को निरस्त थी। 12121 एमपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेसः 9 अक्टूबर को निरस्त थी। 22221 राजधानी एक्सप्रेसः 9 अक्टूबर को छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से निरस्त थी।

निर्धारित समय से चलाई ट्रेनें

शनिवार से चलने वाली सभी ट्रेनें अपने निधारित समय से चलाई गईं। रेलवे की ओर से 9 अक्टूबर तक के लिए कुछ ट्रेनें निरस्त की थी।

डॉ. मधुर वर्मा, सीपीआरओ पमरे जोन

क्षेत्रवासियों को मिलेगी बेहतर सड़क सुविधा

पुराना कबाड़खाना क्षेत्र में 15 लाख की लागत से बनेगी सीसी रोड

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शहर के पुराना कबाड़खाना क्षेत्र में विकास कार्यों को गति देते हुए 15 लाख रुपए की लागत से सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा। इस निर्माण कार्य का भूमि पूजन जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। सड़क निर्माण से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होने की उम्मीद है।

भूमिपूजन पर सांसद आलोक शर्मा, महापौर मालती राय, पार्षद राजू कुशवाहा, पूर्व पार्षद पंकज चौकसे अल्पसंख्यक मोर्चा के पूर्व जिला अध्यक्ष अब्दुल सलीम, पार्षद मनोज राठौर और महेश मालवीय, मंडल अध्यक्ष अजय राहुल पार्षद शैलेश साहू, जगमोहन राजपूत, दिनेश भोसले, गोपाल सिंहसहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में विकास कार्यों के महत्व पर जोर दिया। 15 लाख रुपए की लागत से बनने वाली सीसी रोड से स्थानीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। सड़क निर्माण होने से क्षेत्र की बुनियादी सुविधाओं में सुधार होगा और लोगों को आने-जाने में होने वाली परेशानियों से राहत मिलने की उम्मीद है। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र के विकास से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने की बात कही। भूमि पूजन के साथ ही क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय लोगों में उम्मीद जगी है।

सांसद आलोक शर्मा और महापौर मालती राय की मौजूदगी में हुआ भूमिपूजन





हरिभूमि
भोपाल भूमि फ्रंट पेज
भोपाल, रविवार 11 अक्टूबर 2026

9 दस वर्षों में 3,963 करोड़ का निवेश, 2027 ...



11 स्टेथोस्कोप छोड़ रैंप पर उतरीं शहर की डॉक्टर ...



3

भीषण आगजनी के बाद अतिक्रमण हटाने पहुंचा नगर निगम का अमला

न्यू मार्केट में हटाए अवैध कब्जे भट्टियां, फायर सिस्टम जांचे

निगम के अमले ने दुकानों के बाहर फैला सामान हटाया, मंदिर के सामने रेहड़ियां नहीं लगने दीं, चार ट्रक सामान जब्त किया



जब्त सामान ट्रक में रखता अमला।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

न्यू मार्केट में आग की भीषण घटना के बाद नगर निगम शनिवार को अतिक्रमण हटाने के लिए पूरे अमले के साथ मैदान में उतरा। दुकानों के बाहर फैला सामान हटाया गया, मंदिर के सामने रेहड़ियां नहीं लगने दी गईं और चार ट्रक सामान जब्त किया गया। जिन दुकानों में भट्ठियां जल रही थीं, वहां आग बुझाने के इंतजाम देखे।

8 अक्टूबर को बालाजी छोले-भटूरे की दुकान में लगी आग ने आसपास की पांच बड़ी दुकानों और 15 से ज्यादा रेहड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया था। इस घटना में करोड़ों रुपए के नुकसान की बात सामने आई। इसके बावजूद आग लगने वाली जगह से करीब 100 फीट की दूरी पर दो अन्य छोले-भटूरे की दुकानें और आसपास नमकीन की दुकानें संचालित हो रही हैं। यहां सुबह से रात तक भट्ठियां जलती हैं। ऐसे में दोबारा हादसे का खतरा बना हुआ है।

8 अक्टूबर को 6 दुकानों और 15 से ज्यादा रेहड़ियों को आग ने लिया था चपेट में



अग्निशमन उपकरणों की जांच करते अधिकारी।

सामने चेक करवाए फायर सिस्टम, बनाए चालान

शनिवार को टीम ने दो छोले-भटूरे और एक नमकीन की दुकान पर अग्निशमन उपकरणों की जांच की। अधिकारियों ने अपने सामने फायर सिस्टम चालू करवाकर देखा कि वे काम कर रहे हैं या सिर्फ दिखावे के लिए रखे गए हैं। जिन दुकानदारों के पास जरूरी अग्नि सुरक्षा इंतजाम नहीं मिले, उनके चालान काटे गए।



चालान बनाते निगम कर्मी।

भट्टी और गंदगी पर भी जुर्माना

कार्रवाई के दौरान हीरा नमकीन दुकान पर भट्टी जलाने और गंदगी को लेकर 10 हजार रुपए का स्पॉट चालान किया गया। नाइट एएचओ नितेश मिश्रा ने कार्रवाई की। वहीं, चाउमीन और फास्ट फूड दुकान पर दो हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया।



दुकानों पर भट्टी।

रात नौ बजे तक चला अभियान

शनिवार सुबह से शुरू हुई कार्रवाई रात नौ बजे तक जारी रही। इस दौरान उपायुक्त हीरेंद्र कुशवाह, अतिक्रमण अधिकारी नासिर खान और शैलेंद्र सिंह भदौरिया के साथ टीटी नगर थाने का पुलिस बल मौजूद रहा। निगम ने दुकानों के बाहर से अतिक्रमण हटाने के साथ मंदिर के सामने रेहड़ियां भी नहीं लगने दीं।

शासन ने मानी पटवारियों की मांग, अवर सचिव ने जारी किया आदेश

स्वामित्व योजना की रजिस्ट्री में सरकार नहीं देगी पटवारियों पर केस की परमिशन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पिछले 23 दिन से स्वमित्व योजना की रजिस्ट्री नहीं करने पर अड़े प्रदेश के पटवारियों के लिए अच्छी खबर है। शनिवार को अवर सचिव राजस्व राजेश कौल ने आदेश जारी कर निष्पादक की भूमिका निभाने वाले पटवारियों के खिलाफ कोर्ट में अभियोजना की अनुमति नहीं दी जाएगी। जिससे पटवारियों की मांग पूरी हो गई है, हालांकि प्रदेश के एक दर्जन जिलों में पटवारियों का सस्पेंशन और नोटिस की कार्रवाई को वापस लेने की मांग पर अब भी पटवारी अड़े हुए हैं। जिसको लेकर शुक्रवार से वह सामूहिक अवकाश पर हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से शुक्रवार शाम मुलाकात के बाद पटवारी संघ ने 12 अक्टूबर से योजना का काम दोबारा शुरू करने का ऐलान किया। संघ के प्रांतीय अध्यक्ष उपेंद्र सिंह बघेल का कहना है कि योजना में न्यायिक संरक्षण के आदेश जारी कर दिए गए हैं, वहीं, 17 सितंबर के बाद की गई कार्रवाइयों को शून्य करने पर भी सहमति बनी है।



50 लाख परिवारों की होगी रजिस्ट्री

सरकार इस योजना को प्राथमिकता दे रही है। इसके तहत करीब 50 लाख भूमि पंजीयन का लक्ष्य बताया गया है, हालांकि सरकार ने लोगों के नाम पहले ही खसरे में दर्ज कर चुकी है। सोमवार से प्रदेश भर में स्वामित्व योजना की रजिस्ट्रियां होने की उम्मीद जताई जा रही है।



खाद्य विभाग टीम को आरओ वाटर टैंक में मिली गंदगी

मैनिट के हॉस्टल में फूड पॉइजनिंग से एक दर्जन छात्र बीमार, बासे तेल में बनाया खाना

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मैनिट कैंपस स्थित हॉस्टल नंबर-10 में बीती रात शाम का खाना खाने के बाद छात्रों के फूड पाइजनिंग के बाद शनिवार को खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने जांच की।



जांच के दौरान मैस में बनाए जा रहे खाने को बासे तेल में बनाने की जानकारी मिली है। इधर आरओ वाटर टैंक में गंदगी मिलने के बाद टीम ने यहां से चना दाल, काबुली चना, चावल और तुअर दाल के सैंपल लिए हैं। संचालक को किचन में साफ-सफाई रखने की भी हिदायत दी गई है। मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी शिवराज पावक ने बताया कि सैंपल लेकर राज्य लेबोरेटरी में जांच के लिए भेजे हैं।

बिना लाइसेंस चल रही मैस

टीम ने जब मैस का निरीक्षण किया तो यहां फूड लाइसेंस नहीं मिला। कर्मचारियों के मेडिकल फिटनेस प्रमाण-पत्र, पेस्ट कंट्रोल और कर्मचारियों के प्रशिक्षण संबंधी दस्ताव उपलब्ध नहीं कराए गए। जांच में पता चला है कि यहां आने वाले खाद्य तेल का दो से तीन बार उपयोग किया जाता है। जिसको लेकर सुधार के निर्देश दिए गए हैं।



विरोध प्रदर्शन करते विद्यार्थी।

गर्ल्स हॉस्टल के दाल-चावल में मिली इल्लियां

पंचशील नगर स्थित अजा कन्या कॉलेज के हॉस्टल में मिलने वाले खाने को लेकर छात्राओं ने गंभीर आरोप लगाए हैं। छात्राओं का कहना है कि मैस के दाल-चावल में इल्लियां निकलती हैं, जबकि दाल में पानी अधिक रहने से उसमें स्वाद भी नहीं रहता। छात्राओं ने सहायक आयुक्त आदिवासी विकास प्रशांत आर्य को समस्याओं के बारे में बताया था, लेकिन समाधान नहीं हुआ।



पेज एक का शेष...

130 ट्रेनें रुकेंगी, ...

रेलवे स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी के 60 जवान सुरक्षा संभालेंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए रेलवे ने 15 जोड़ी ट्रेनों को मैहर स्टेशन पर पांच मिनट का अस्थायी ठहराव दिया है। इससे यहां रुकने वाली ट्रेनों की कुल संख्या 130 हो जाएगी। चिकित्सा सेवाएं तीन पालियों में 24 घंटे उपलब्ध रहेंगी। कटनी और सतना मार्ग पर अस्थायी बस स्टैंड बनाए गए हैं। श्रद्धालुओं के लिए रोपवे सुबह 6 से रात 10:30 बजे तक संचालित होगा। शहर में आठ बड़ी एलईडी स्क्रीन पर मां शारदा के लाइव दर्शन किए जा सकेंगे। सहायता के लिए हेल्पलाइन नंबर 07674-299047 जारी किया गया है।

पहले दिन 50 ...

सुरक्षा व्यवस्था के लिए करीब 190 पुलिस जवान तैनात रहेंगे। मंदिर प्रबंधन ने देशभर से आने वाले साधकों और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए लगभग 100 कमरे उपलब्ध कराए हैं। मंदिर व्यवस्थापक चंद्र मोहन मिश्रा ने बताया कि दर्शन व्यवस्था और साधकों की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है।

सुबह 5 से ...

एसडीओपी भी व्यवस्थाओं की निगरानी करेंगे। श्रद्धालुओं को पार्किंग से मंदिर तक पहुंचने और दर्शन करने में असुविधा न हो, इसके लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। मंदिर मार्ग और परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर समिति ने नवरात्रि में वीआईपी दर्शन व्यवस्था समाप्त कर सभी श्रद्धालुओं के लिए समान व्यवस्था लागू की है। भक्त गर्भगृह के बाहर से दर्शन करेंगे। मंदिर सुबह 5 से रात 11 बजे तक खुला रहेगा, जबकि हवन-अनुष्ठान रात 10 बजे तक होंगे।

नौ दिन में ...

भारी और व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर प्रतिबंध रहेगा। निजी वाहन और टैक्सियां निर्धारित पार्किंग स्थलों पर खड़ी कराई जाएंगी। मंदिर ट्रस्ट अध्यक्ष महेश उपाध्याय ने बताया कि 11 अक्टूबर को प्रतिपदा पर शुभ मुहूर्त में घट और ज्योति स्थापना के साथ महोत्सव शुरू होगा। 15 अक्टूबर को पंचमी पर मां विजयासन का विशेष शृंगार होगा। 18 अक्टूबर को अष्टमी पर मध्यरात्रि में निशा पूजन और महा-हवन किया जाएगा। 19 अक्टूबर को नवमी पर कन्या पूजन और विशाल भंडारा होगा। वहीं, 20 अक्टूबर को विजयादशमी पर विशेष आयोजन और पूर्णाहुति होगी।

विफल किया 'विरोध'...

को बंधक बना लिया। संविधान को बंधक बना लिया। दिल्ली में विरोध प्रदर्शन और आंदोलनों की जगह को बंधक बना लिया। इन आरोपों और प्रत्यारोपों के बीच दूसरे इलाकों से करीब 7000 लोगों को पुलिस ने हिरासत में लिया, इनमें विपक्ष के कई 'दिग्गज नेता' भी शामिल थे। हालांकि बाद में छोड़ दिया गया। सीजेपी के संस्थापक अभिजीत दीपके और साथ सौरव दास और आशुतोष रांका को विमान से उतरने से पहले ही एयरपोर्ट पर उन्हे हिरासत में ले लिया गया। जबकि अपने माता पिता से गुरुग्राम में मिलने आए ट्यूबर ध्रुव राठी को वहीं से हिरासत में ले लिया गया। सीजेपी ने सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर प्रदर्शन बुलाया था। समर्थकों ने यहां पहुंचने की कोशिश भी की, लेकिन कई जगह 3 से 5 लेयर की बैरिकडिंग की वजह से आगे नहीं बढ़ने दिया। इस दौरान पूर्व सीएम ममता बेनर्जी, अरविंद केजरीवाल को भी हिरासत में लिया गया। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और माकपा सांसद जॉन ब्रिटास को हिरासत में लिया गया। इसके अलावा पुलिस से झड़प की एक या दो घटनाएं सामने आईं। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग भी तोड़ी। आकाशवाणी भवन के पास पत्थर फेंके, जिससे 2 पुलिसकर्मी घायल हो गए। इसके अलावा प्रदर्शन में सुप्रीम कोर्ट के वकील भी शामिल हुए। प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने वकीलों को हिरासत में ले लिया। हालांकि, कुछ देर बाद उन्हें छोड़ दिया गया। वहीं कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चेन्नई में 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में कहा कि कुछ भी हो अब चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को जाना ही होगा। इधर विपक्षी दलों का इंडिया गठबंधन 12 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट का रुख करेगा। वहीं दिल्ली में मेट्रो स्टेशन बंद रखने और प्रदर्शन के दौरान विपक्षी नेताओं को हिरासत में लेने तक, दो मामले सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। एक याचिका में आरोप लगाया गया है कि अधिकारियों ने कोर्ट के आदेश के बावजूद मेट्रो स्टेशन बंद रखे। दूसरी याचिका में विपक्षी नेताओं को एहतियातन हिरासत में लेने की कार्रवाई को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच आज रविवार को दोनों मामलों पर सुनवाई करेगी। सीजेपी नेता अजिंक्य शिंदे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे तक लड़ाई जारी रहेगी।

अभिजीत दीपके की...

के हिंगोली जिले के पैतृक गांव संतुक पिंपरी में अंतिम सांस ली। दादी के निधन के समय अभिजीत दीपके दिल्ली में पुलिस हिरासत में हैं।

राष्ट्रपति पर राहुल...

की जीत हुई है। पात्रा ने कांग्रेस और आम आदमी पार्टी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि दोनों दलों के बीच प्रदर्शन का श्रेय लेने की होड़ है। उन्होंने राष्ट्रपति भवन में विपक्षी नेताओं की मुलाकात के बाद राहुल गांधी के बयान को गैर-जिम्मेदाराना बताया। पात्रा ने कहा कि बयान नालायक नेता की तरह है। पात्रा ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी के पास कथित वोट चोरी के कोई सबूत नहीं हैं। उन्होंने विपक्ष पर बिना चुनाव जीते सत्ता हासिल करने की कोशिश करने का आरोप भी लगाया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव...

5 साल के लिए जनादेश देती है, तो विपक्ष की जिम्मेदारी होती है कि वह अपनी भूमिका का निर्वहन करे, संगठन को मजबूत बनाए और यह आत्ममंथन करे कि जनता उससे दूर क्यों हो रही है। इसके बजाए राहुल गांधी और उनके साथी यदि अराजकता का माहौल बनाने का प्रयास करते हैं, जो उचित नहीं है। मैं इसकी निंदा करता हूं।

मप्र ट्रैवल मार्ट-...

अंचलों में आधुनिक अधोसंरचना का विस्तार होगा तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के हजारों नए अवसर सृजित होंगे। भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिनी 'मप्र ट्रैवल मार्ट 2026' (एमपीटीएम) के सप्तम संस्करण का शनिवार को समापन हो गया। तीन दिनी महाकुंभ में 34 देशों के 100 से अधिक एवं देश के 180 से अधिक टूर ऑपरेटर्स होटल व्यवसायियों, निवेशकों और नीति-निर्माताओं के साथ प्रदेश के 250 से अधिक ट्रैवल टूर ऑपरेटर, होटलियर और एग्जीबिटर्स शामिल हुए। इस दौरान 10 हजार से अधिक बी टू बी मीटिंग्स हुए। 15 राज्यों के ट्रैवल ऑपरेटर और होटलियर सहित 600 से अधिक स्टेकहोल्डर्स शामिल हुए। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का स्पष्ट दृष्टिकोण है कि राज्य की विपुल प्राकृतिक संपदा, समृद्ध ऐतिहासिक विरासत, पावन आध्यात्मिक केंद्रों, सघन वन्यजीव अभयारण्यों और अनूठी जनजातीय संस्कृति को केवल दर्शनीय स्थलों तक सीमित न रखकर इसे स्थानीय आजीविका, रोजगार सृजन और राज्य के समग्र आर्थिक सशक्तिकरण का मुख्य आधार बनाया जाए।

स्क्रैप गोडाउन में ...

तक देखा जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं और आग पर काबू पाने की कोशिश देर तक जारी रही। स्थिति की संवेदनशीलता को देखते हुए पीथमपुर क्षेत्र के तीनों थाना प्रभारी भारी पुलिस बल के साथ मौके पर तैनात हैं। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के अन्य औद्योगिक क्षेत्रों से भी अतिरिक्त दमकल वाहन बुलाए गए हैं। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, पुलिस और प्रशासन राहत कार्य में जुटा हुआ है। सेक्टर तीन की अल्पा इंड्स्टीज जोकि स्क्रेप गोडाउन बताया जा रहा है। आग वहां से लगी और फैलते हुए आस-पास की कंपनियों को चपटे में ले लिया। प्राथमिक जानकारी में अभिनेतक किसी के हताहत होने की जानकारी नहीं है। दमकल की चार गाड़ियां लगातार आग पर काबू पाने के प्रयास कर रही हैं। मौके पर पीथमपुर थाना प्रभारी सुनील शर्मा सहित पुलिस बल मौजूद है। सुरक्षा के दृष्टि से सड़क को सील लिया गया है।

इंदौर पहुंचीं भारत...

स्टेडियम के बाहर दुकानों पर टीम इंडिया की जर्सी, टी-शर्ट और कैप सज गई हैं। क्रिकेट प्रेमी खरीदारी के लिए पहुंच रहे हैं, वहीं शनिवार को दोनों टीमों के खिलाड़ी चार्टर्ड फ्लाइट से इंदौर पहुंचे। एयरपोर्ट से खिलाड़ियों को कड़ी सुरक्षा के बीच चार्टर्ड बसों से होटल ले जाया गया। भारतीय टीम रेडिसन और वेस्टइंडीज की टीम मैरियट होटल में ठहरी है। मैच से पहले खिलाड़ियों की सुरक्षा, अभ्यास और मैदान की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। दोनों टीमों के अभ्यास के लिए दो पिच तैयार की गई हैं। कोच गौतम गंभीर होलकर स्टेडियम पहुंचे और उन्होंने पिच देखी। वेस्टइंडीज टीम की तरफ से अभी तक कोई पिच देखने नहीं पहुंचा है।

वाहन से टकराई ...

मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, फॉर्च्यूनर कार जिसमें विधायक अमर सिंह यादव सवार थे, की भिड़ंत बाइक से हो गई। बाइक पर भोपाल रोड स्थित एस एस न्यूमार्केट रिजेंसी कॉलोनी निवासी व पीलूखेड़ी स्थित एचपीसीएल कंपनी के कर्मचारी राघवेंद्र विश्वकर्मा 42 अपने 11 वर्षीय पुत्र लक्ष्य के साथ जा रहे थे। हादसे में राघवेंद्र के सिर पर गंभीर चोट आई। प्राथमिक उपचार हेतु दोनों को तत्काल लाइफ केयर हॉस्पिटल ले जाया गया, जहाँ से हालत नाजुक देखते हुए उन्हें भोपाल के बंसल हॉस्पिटल रेफर किया गया। इलाज के दौरान राघवेंद्र ने दम तोड़ दिया, वहीं घायल बेटे का उपचार जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाना प्रभारी समेत ...

पुलिसकर्मियों पर अभद्रता और मारपीट करने के आरोप लगे हैं। मामला सामने आने के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने थाना प्रभारी विजेंद्र सिंह कुशवाह, सब इंस्पेक्टर संजय विश्नोई सहित सात पुलिसकर्मियों को लाइन अटैच कर दिया। दुबे घर के सामने कार पार्क कर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार बाइक सवार दो युवकों ने उनकी कार को टक्कर मार दी। इसके बाद भाजपा विधायक गोलू शुक्ला के समर्थक बड़ी संख्या में थाने पहुंचे और घेराव कर कार्रवाई की मांग की।

दमोह में बस ...

हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने बसों पर पथराव करते हुए चक्काजाम कर दिया। हादसा सुबह करीब साढ़े दस बजे हुआ। मृत छात्राओं की पहचान 14 वर्षीय दसोदा पटेल और आरुषि ठाकुर के रूप में हुई है। दोनों आठवीं कक्षा की छात्रा थीं। इस घटना में नित्या सेन नाम की तीसरी छात्रा भी शामिल थी। दमोह नायब तहसीलदार रघुनंदन चतुर्वेदी ने जिला अस्पताल पहुंचकर परिजनों से जानकारी ली है। आरुषि के अलावा उसका भाई था जबकि दसोदा अकेली संतान थी।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं. मोहम्मद नईम, पुत्र श्री मोहम्मद रशीद, निवासी 79, बाग मुंशी हुसैन खान, नियर न्यू सेफिया स्कूल, शाहजहानाबाद, हुजूर, भोपाल (म.प्र.) 462001, एतद्वारा सूचित करता हूँ कि मेरी पुत्री लाइबा नईम, कक्षा 10वीं, कार्मेल कॉन्वेंट स्कूल, भोपाल के स्कूल रिकॉर्ड में मेरा नाम गलती से "मुहम्मद नईम" (Muhammed Naeem) तथा मेरी पत्नी का नाम "तरन्नुम" (Tarannum) दर्ज हो गया है। मेरा सही नाम "मोहम्मद नईम" (Mohammad Naeem) तथा मेरी पत्नी का सही नाम "तरन्नुम जमाल" (Tarannum Jamal) है, जो आधार कार्ड एवं अन्य पहचान दस्तावेजों के अनुसार है। अतः अब से बोर्ड परीक्षा की छडउ, अंकसूची एवं प्रमाण-पत्र में निम्नानुसार नाम माने जाएँ: छात्रा का नाम: लाइबा नईम (Laibah Naeem) पिता का नाम: मोहम्मद नईम (Mohammad Naeem) माता का नाम: तरन्नुम जमाल (Tarannum Jamal) "मोहम्मद नईम" एवं "मुहम्मद नईम" तथा "तरन्नुम" एवं "तरन्नुम जमाल" एक ही व्यक्ति हैं। इस संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो यह सूचना प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर उपरोक्त पते पर संपर्क करें।

CHANGE OF NAME

I Mrs Vandana pal w/o mr. Prahlad singh unit 71 INF DOU permanent address vill&post amaha , teh. Lahar,district bhind, Madhya Pradesh pin 477447 That I have changed my name from **Vandana** to **Vandana pal** doe to my name has been erroneously and wrongly mentioned in my husband army service record this is True and correct. That my both name Vandana pal to Vandana pertain to one and same person.

न्यायालय पुलिस उपायुक्त / विशेष कार्यापालिक मजिस्ट्रेट जोन -1 नगरीयपुलिस भोपाल

क्र/पु.उपा. भो/जोन-1/पी-7-59/26 दि: 23.09.26

उदघोषणा

इस न्यायालय में थाना टीटीनगर में जप्तशुदा वाहन कुल नग 179 धारा 25 पुलिस एक्ट मे जप्त कर राजसात की प्रकिया प्रचलन में है सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि भोपाल के थाना टीटीनगर जोन -1 में शासन हित मे पुलिस रेगुलेशन की धारा 26,27 में पुलिस एक्ट 1961 की धारा 25 पुलिस एक्ट के अंतर्गत पुलिस एक्ट के अधिकारों का उपयोग करत हुये थाना टीटीनगर जिला भोपाल जोन-1 का प्रतिवेदन अपराध क्र. 01/26 का दिनांक को प्राप्त हुआ है जिसमें चार पहिया एवं दो पहिया वाहनो को राजसात किया जाना है। उक्त वाहन 25 पुलिस एक्ट में दिनांक 15/7/26 को विधिवत नियमानुसार जप्त किये गये है। जिसे इस न्यायालय द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए वाहनो को राजसात करने की प्रकिया प्रचलन में है उक्त संपत्ति के राजसात करने व जप्त करने के संबंध में यदि किसी संस्था / व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति है तो सूचना प्रकाशन 21 दिवस की अवधि के भीतर कार्यालय विशेष न्यायालय जोन-1 पुलिस उपायुक्त भोपाल में प्रस्तुत कर सकते है। उक्त अवधि के पश्चात दावा आपत्ति स्वीकार / कोई विचार नही किया जा सकता । सभी वाहनो को राजसात कर नीलामी करने की कार्यवाही कर शासन हित में विक्रय किया जावेगा ।
मेरे हस्ताक्षर एवं कार्यालय की सील से आज दिनांक 23/09/26 को जारी

जी - 19754/26 स्वच्छता ही सेवा

पुलिस उपायुक्त / विशेष कार्यापालिक
मजिस्ट्रेट जोन -1 नगरीयपुलिस भोपाल

कार्यालय अधीक्षक सबजेल रहली जिला सागर

:: विज्ञप्ति ::

क्र 10/ स्था/26/ रहली दिनांक 5/10/2026

श्री राज आहिरवार प्रहरी जिला जेल दमोह के बिरूद्ध कार्यालय अधीक्षक केन्द्रीय जेल सागर के आदेश क्रमॉक 32/स्था/26 दिनाँक 21.01.2026 के द्वारा बिभागीय जॉच संस्थित की गई ।

उपरोक्त कर्मचारी के बिरूद्ध संस्थित बिभागीय जाँच मे

(1) श्री हेमंत आहिरवार निवासी ग्राम बडतूमा तहसील सागर जिला सागर

(2) श्री कनिष्ठ राणा पिता कृष्णा राणा ग्राम वारटोला पोस्ट पदुरपडा थाना मना मुन्डा जिला बौद्ध उडीसा

अभियोजन साक्षी होने से नीचे दर्शित कार्यालयीन पत्रो के माध्यम से बिभागीय जाँच मे कथन अभिलिखित कराने हेतु लिखा गया किन्तु अभियोजन साक्षी निर्धारित दिनॉक को उपस्थित नही हुये।

(1) कार्यालय अधीक्षक सबजेल रहली पत्र क्रमॉक 277-282 / स्था/26 दिनाँक 20.03.2026
(2) कार्यालय अधीक्षक सबजेल रहली पत्र क्रमॉक 397-398/ स्था/26 दिनाँक 18.04.2026
(3) कार्यालय अधीक्षक सबजेल रहली पत्र क्रमॉक 506-507 / स्था/26 दिनाँक 12.05.2026
(4) कार्यालय अधीक्षक सबजेल रहली पत्र क्रमॉक 647-648/स्था/ 26 दिनाँक 21.06.2026
(5) कार्यालय अधीक्षक सबजेल रहली पत्र क्रमॉक 727-728/स्था/26 दिनाँक 10.07.2026
(6) कार्यालय अधीक्षक सबजेल रहली पत्र क्रमॉक 925-926 / स्था/ 26 दिनाँक 06.08.2026
(7) कार्यालय अधीक्षक सबजेल रहली पत्र क्रमॉक 1020-1021/स्था/26 दिनाँक 31.08.2026

अतः अभियोजन साक्षी (1) श्री हेमंत आहिरवार निवासी ग्राम बडतूमा तहसील सागर जिला सागर (2) श्री कनिष्ठ राणा पिता कृष्णा राणा ग्राम वारटोला पोस्ट पदुरपडा थाना मना मुन्डा जिला बौद्ध उडीसा अभियोजन साक्षी होने से आगामी बिभागीय जाँच की निर्धारित तिथि दिनाँक 16.10.2026 को कार्यालय सबजेल रहली जिला सागर पर निर्धारित समय प्रातः 11:00 बजे कार्यालय पर उपस्थित होवे।

गणेश सिंह
सहायक जेल अधीक्षक
सब जेल रहली

G-19796/26 " स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता "

कार्यालय परियोजना संचालक
बीना पी. एम. यू. जल संसाधन विभाग सागर (म.प्र.)
Email ID pdbinapmu@gmail.com

पत्र क्र. 2057/ बण्डा / बीना पी.एम.यू./2026-27 सागर दिनांक 29/09/2026

::- अतिमहत्तवपूर्ण सार्वजनिक सूचना ::

बण्डा वृहद सिंचाई परियोजना (उल्दन बांध)

सभी को सूचित किया जाता है कि बंडा वृहद सिंचाई परियोजना अंतर्गत उल्दन बाँध निर्माण कार्य पूर्ण किया जा चुका है एवं सिंचाई सुविधा अतिशीघ्र उपलब्ध करने का लक्ष्य है, जिस हेतु परियोजना का निर्माण कार्य में पाईप लाईन बिछाने का कार्य आगामी दिनांक 15.10.2026 से प्रारंभ किया जाना है।

अतः ग्राम तहसील बण्डा, बांदरी, सागर एवं शाहगढ जिला सागर तथा तहसील बक्स्वाहा जिला छतरपुर में पाईप लाईन बिछाने के दौरान आने वाले भूमि स्वामियो को सूचित किया जाता है कि पाईप लाईन क्षेत्र को छोडकर आगामी रबि सीजन (गेहूँ, चने) की फसल में बोनी (पाईप लाईन क्षेत्र को छोडकर) की जाना सुनिश्चित करें। ताकि पाईप लाईन बिछाने के दौरान किसी भी कृषक की फसल को नुकसान न हो तथा पाईप लाईन बिछाने का कार्य सुचारू रूप से शीघ्रातिशीघ्र किया जा सके। ताकि कमाण्ड क्षेत्र में कृषको को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध कराया जा सके।

तहसील बुक्सवाहा जिला छतरपुर: भड़िया, चौरारी, गुगवारा, जमुनिया, खटोरा कलां, लिधुरा, महुता, निवार, साधारा, बुक्सवाहा, जमुझिरी, किशनपुरा, सलाया, सौराई, वीरगढ़ (वी), आलमपुर ईमल, आलमपुर तांगिया, आलमपुर टोंगिया, बागरोधा, बामहुरी, बेबसा, बेलवाड़ा, बेरकेरी, भड़िया, बिजावली, बुधिश्याम, देवड़ी, देवपुर, धानौड़ा, धरमपुरा, घोगरी, गोगरा, गोड़ा (वीरा), गुगवारा, जैतुपुरा, खमरिया, खानपुरा, खत्रिया, खिरिया खुर्द, खिरियाबुजुर्ग, किशनपुरा, मड़ियाघाटी, मगरी, मजुवान्वदन, मंदपुर, मांकी, मजुगुनवागट, नैनागीर, नंदपुन, निवानिया, पौरई, सागरी, सुजरा, सुनवाहा

(अनिरूद्ध आनंद)
परियोजना प्रबंधक
(बण्डा वृहद सिंचाई परियोजना)
बीना पी.एम.यू. जल संसाधन विभाग
सागर (म.प्र.)

जी 19768/26 स्वच्छता ही सेवा



आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (धन भेजने, लोन संबंधित, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित अथवा अनुबंध) से पहले अच्छी तरह जाँच पड़ताल कर लें। किसी भी उत्पाद या सेवायें के संबंध में किये किसी विज्ञापन दाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि की जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक संपादक और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाये किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।
- व्यावस्थापक

हरिभूमि
रनिंग क्लासीफाइड
उठावना, शोक संदेश,
जन्मदिन, आमसूचना
आम/कोर्ट नोटिस

हरिभूमि भोपाल बाजार
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
मो. 9407279644

प्लाट मात्र 3,55,000 हजार में आसान किश्तों पर
साईट:- 220 फिट रिंग रोड न्यू बायपास से लगी हुई डायवर्सन एवं NOC एप्रूव्ड आफिस इंडिया प्रोपर्टी करोंद भोपाल
मो. 7772079910

प्लॉट मात्र 16 लाख में
फाईनेंस सुविधा उपलब्ध है
T&C
साईड 220 फीट न्यू जेल रोड, संमीप
मो. 8962979924
9755905247

Medical Help Line
विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें : मो.9407279644

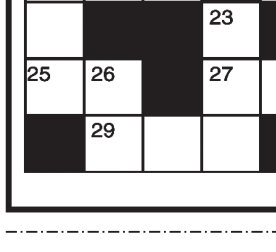

नये दागों का आना तुरन्त बंद
सफेद दाग
चर्म रोग, पित्ते की पथरी, गुर्दे की पथरी
44 वर्षो का होम्योपैथिक चिकित्सा सेवा का अनुभव
Timing 10:30 am to 8:00 pm
Dr. Safi's HOMEOPATHIC CLINIC
कृपया फोन पर अपॉइंटमेंट लें।
M. 9425006131, 8871714432
सौलत मंज़िल पुरानी कज़ियात के सामने मोती मस्जिद भोपाल

शब्द पहेली - 6374

बाएँ से दाए
1. असह्य, नागवार-5
4. कली-3
6. पराया, पंख-2
7. समुद्र-3
8. पिता की बहन-2
10. चौकसी, सुरक्षा-3
11. कृष्ण प्रेमी एक मुस्लिम कवि -4
14. छल, धोखा-3
16. पक्षी, उड़ने वाला-4
17. उम्मीद-2
18. दौरा, पहरेदारी-2
19. धारण करना-4
21. आफत, मुसीबत-3
22. विदिर्ण-2,2
24. प्रकाशित-3
25. बल, जान-2
27. रसदार-3
28. जगत, दुनिया-2
29. नग, मूल्यवान पत्थर-3
30. तृप्त होना-5

ऊपर से नीचे
1. जबरन उठा ले जाना-5
2. महोदय (अंग्रेजी-2)
3. नीलिमा-4
4. कुंती पुत्र, राधेय-3
5. वश, अधीन-2
7. संपूर्ण, पूर्ण-2
9. शिकार-3
12. असली, शुद्ध-3
13. हठ करना, रोना -4
15. हारा हुआ, पराजित-3
16. मशवरा, सलाह-4
17. विश्राम-3
18. अभिमान-3
20. भयभीत होना-2,3
21. संभवतः-3
22. टर्पेंटाइन, गंधा बिरोजा-4
23. तरना, स्वीमिंग-3
24. इसे मकड़ी बुनती है-2
26. जी, चित-2
28. संपत्ति-2

शब्द पहेली - 6373 का हल

■	अ	ह	म	क	■	जा	य	दा	द	■
ल	■	क	म	र	■	न	म	न	■	अ
ब	स	■	ता	त	■	का	ज	■	हा	र
कु	ली	न	■	ल	ह	र	■	रा	ज	मा
श	ब	न	म	■	म	■	आ	स	मा	न
■	■	■	सा	फ	स	फा	ई	■	■	■
अ	च	र	ज	■	फ	■	ना	ला	य	क
ब	म	न	■	ह	र	म	■	ल	की	र
ता	न	■	स	जा	■	हा	र	■	न	त
र	■	क	र	म	■	व	ज	न	■	ब
■	ग	फ	ल	त	■	त	क	दी	र	■

सूडोकु नवताल - 6384

मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6383 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

राशिफल

मेष मन प्रसन्न रहेगा। परिवार में सुख-शान्ति रहेगी। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। भवन के रख-रखाव एवं साज-सज्जा के कार्यों पर खर्च बढ़ेगे।

वृष आत्मविश्वास में कमी रहेगी। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय हो सकती है।

मिथुन मन प्रसन्न तो रहेगा, परन्तु फिर भी आत्मसंयत रहें। रहन-सहन भी अव्यवस्थित रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वाथ्य का ध्यान रखें।

कर्क पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाग-दौड़ बढ़ेगी। कारोबार के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा। यात्रा के योग बन रहे हैं।

सिंह व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। व्यवधान आ सकते हैं। आय में कमी आ सकती है।

कन्या अपनी भावनाओं को वश में रखें। नौकरी के लिए साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। परिश्रम अधिक रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी।

वृश्चिक व्यर्थ के क्रोध से बचें। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। घर-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं।

धनु मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। संयत रहें। व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। शैक्षिक कार्यों के सुखद-परिणाम मिलेंगे। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर आत्मसंयत रहें। माता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी और आय के साधन भी बनेंगे। खर्च भी बढ़ेंगे। रुचि बढ़ेगी।

कुंभ मन शान्त तो रहेगा। फिर भी धैयशीलता बनाये रखने का प्रयास करें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धार्मिक संगीत के प्रति रुझान बढ़ सकता है।

मीन मन अशान्त तो हो सकता है। वाणी में मधुरता भी रहेगी। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

एक पन्ने की वित्तीय योजना से बिखरे पैसे को दें सही दिशा

▶▶ कमाई आते ही तय करें किस हिस्से से खर्च, सुरक्षा, कर्ज और निवेश ▶▶ छोटी लेकिन स्पष्ट योजना लंबे समय में बना सकती है बड़ा कोष
▶▶ बीमा, आपातकालीन निधि, कर्ज और निवेश का तय करें क्रम ▶▶ हर महीने आय आते ही पैसा अपने लक्ष्य के अनुसार ही करें आवंटित

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

कमाई अच्छी होने के बावजूद कई लोगों की आर्थिक स्थिति इसलिए मजबूत नहीं हो पाती, क्योंकि उनका पैसा अलग-अलग जगह बिखरा रहता है। किसी बैंक खाते में कुछ रकम, कहीं बीमा पॉलिसी, क्रेडिट कार्ड का बकाया, किसी म्यूचुअल फंड में छोटी-सी राशि और थोड़ी बचत घर में... लेकिन यह स्पष्ट नहीं होता कि कुल संपत्ति कितनी है और किस लक्ष्य के लिए कितना पैसा जमा किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में जरूरत निवेश के नए विकल्प तलाशने की नहीं, बल्कि पहले से मौजूद पैसों को व्यवस्थित करने की होती है। इसके लिए जरूरी नहीं कि कोई जटिल वित्तीय योजना बनाई जाए। एक पन्ने पर आय, खर्च, कर्ज, सुरक्षा और निवेश की पूरी तस्वीर लिखना भी काफी मददगार हो सकता है। इस योजना का मकसद यह तय करना है कि कमाई खाते में आते ही पैसा कहां और कितना जाएगा, ताकि खर्च के बाद जो बचे उसी से निवेश करने की आदत न बने।

पहला कदम : आर्थिक सुरक्षा मजबूत करें

निवेश शुरू करने से पहले वित्तीय सुरक्षा की नींव मजबूत करना जरूरी है। यदि परिवार में आपकी आय पर दूसरे सदस्य निर्भर हैं तो पर्याप्त स्वास्थ्य बीमा और जरूरत के अनुसार टर्म जीवन बीमा पर ध्यान देना चाहिए। बीमा का उद्देश्य निवेश से कमाई करना नहीं, बल्कि अचानक आने वाले बड़े आर्थिक संकट से परिवार को बचाना है। इसी तरह कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी घरेलू खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि के रूप में अलग रखना उपयोगी है। इसे ऐसे साधन में रखा जाना चाहिए, जहां जरूरत पड़ने पर रकम आसानी से उपलब्ध हो। इस पैसे को शेयर बाजार में लगाकर ज्यादा रिटर्न कमाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

दूसरा कदम : महंगे कर्ज से पहले छुटकारा

अगर क्रेडिट कार्ड, व्यक्तिगत ऋण या किसी तत्काल ऋण पर बहुत ज्यादा ब्याज दिया जा रहा है तो निवेश बढ़ाने से पहले ऐसे कर्ज को खत्म करना प्राथमिकता होनी चाहिए। मसलन, क्रेडिट कार्ड का बकाया लंबे समय तक छोड़ने पर ब्याज तेजी से बढ़ सकता है। ऐसे कर्ज के रहते बाजार में निवेश करके ज्यादा रिटर्न कमाने की उम्मीद करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं। सामने बकाया रकम, ब्याज दर और हर महीने की किस्त लिखें। ज्यादा ब्याज वाले असुरक्षित कर्ज को पहले चुकाने की कोशिश करें।



हर महीने नहीं, समय समय पर करें समीक्षा

वित्तीय योजना का मतलब रोज शेयर बाजार देखना या बार-बार निवेश बदलना नहीं है। बाजार में उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। लंबी अवधि के निवेशक के लिए अनुशासन और निरंतरता ज्यादा महत्वपूर्ण है। हां, आय बढ़ने, नौकरी बदलने, शादी, बच्चे होने, घर खरीदने या बड़े कर्ज जैसी परिस्थितियों में योजना की समीक्षा जरूर करनी चाहिए।

तीसरा कदम : लक्ष्यों के हिसाब से करें निवेश

सारी बचत को एक ही जगह लगाना सही रणनीति नहीं है। पहले यह तय करें कि पैसा कब चाहिए। पांच साल से कम अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बहुत ज्यादा जोखिम वाले निवेश से बचना बेहतर है। वाहन खरीदना, घर की मरम्मत, बच्चों की निकट अवधि की फीस या अन्य जरूरी खर्च इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए सुरक्षित बचत विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। वहीं 10 साल या उससे अधिक अवधि वाले लक्ष्यों के लिए बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति, बच्चों की उच्च शिक्षा या लंबे समय में संपत्ति बनाने जैसे लक्ष्यों के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड या व्यापक बाजार सूचकांक आधारित फंड विकल्प हो सकते हैं। हालांकि निवेश का चुनाव व्यक्ति की जोखिम क्षमता, उम्र, आय और लक्ष्य के अनुसार होना चाहिए।

चौथा कदम : निवेश को अपने आप चलने दें

वित्तीय योजना तभी सफल होती है जब उसे नियमित रूप से लागू किया जाए। इसके लिए एसआईपी जैसी स्वचालित व्यवस्था उपयोगी हो सकती है। वेतन या आय खाते में आते ही निर्धारित रकम निवेश के लिए अलग हो जाए तो महीने के अंत में बची रकम निवेश करने की जरूरत नहीं पड़ती। मान लीजिए किसी व्यक्ति की मासिक आय 60 हजार रुपये है। वह जरूरी खर्च और सुरक्षा की रकम तय करने के बाद 10 हजार रुपये लंबे समय के लक्ष्य के लिए निवेश करना चाहता है। यदि हर महीने एक निश्चित तारीख को यह रकम स्वतः निवेश हो जाए तो बाजार की रोजाना की खबरों या मूड के आधार पर निवेश रोकने की संभावना कम होगी।

5वां कदम : लिखें पूरी तस्वीर

- मासिक आय : कितनी रकम हाथ में आती है।
- जरूरी खर्च : घर चलाने में कितना खर्च होता है।
- कर्ज : कितना बकाया है और ब्याज।
- आपातकालीन निधि : कितनी रकम अलग रखी।
- बीमा : स्वास्थ्य और जीवन बीमा कितना है।
- निवेश : हर महीने कितनी रकम और किस लक्ष्य के लिए निवेश होगी।
- लक्ष्य : अगले 3, 5, 10 और 20 साल में किन जरूरतों के लिए पैसा चाहिए।
- एक पन्ने से व्यक्ति को हर माह यह समझने में आसानी होगी कि उसकी आय कहां जा रही है व भविष्य के लिए कितना पैसा तैयार हो रहा है।

पुराने खातों और निवेश की भी करें सफाई

कई लोगों के पास जरूरत से ज्यादा बैंक खाते, क्रेडिट कार्ड और छोटे-छोटे निवेश होते हैं। समय-समय पर इनकी समीक्षा करनी चाहिए। जिन खातों या कार्ड का उपयोग नहीं हो रहा है, उनकी जरूरत और शुल्क की जांच करें। अलग-अलग निवेशों की सूची बनाकर देखें कि कहीं एक ही तरह के कई उत्पाद तो नहीं हैं। साथ ही बैंक खाते, बीमा, म्यूचुअल फंड, शेयर और अन्य वित्तीय निवेशों में नॉमिनी की जानकारी अपडेट रखें। परिवार में किसी अनहोनी की स्थिति में यह छोटी-सी सावधानी बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

पैसा बचाना ही पर्याप्त नहीं, उसे सही दिशा देना जरूरी

एक अच्छी वित्तीय योजना वह नहीं जिसमें सबसे ज्यादा निवेश उत्पाद हों, बल्कि वह है जिसमें हर रुपये की भूमिका स्पष्ट हो। पहले सुरक्षा, फिर महंगे कर्ज से मुक्ति और उसके बाद लक्ष्य आधारित निवेश—यह सरल क्रम आर्थिक अव्यवस्था को व्यवस्थित करने में मदद कर सकता है। योजना एक बार बनाकर भूलने के बजाय साल में कम से कम एक बार उसकी समीक्षा करें। धीरे-धीरे आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम बढ़ाते रहें। यही अनुशासन लंबे समय में छोटी बचत को बड़ा वित्तीय सहारा बना सकता है।

30 की उम्र में निवेश शुरू कर रहे हैं तो पहले साल ऐसे बनाएं मजबूत आधार

- पहले आपातकालीन निधि और महंगे कर्ज से निपटें
- लक्ष्य के हिसाब से बचत और निवेश करना शुरू करें
- लंबी अवधि के लिए एसआईपी और सूचकांक फंड बेहतर विकल्प

जानकारी
बिजनेस डेस्क

अगर आपकी उम्र 30 साल है और आपने अभी तक निवेश शुरू नहीं किया है तो घबराने की जरूरत नहीं है। इस उम्र में आपके पास लंबी अवधि का फायदा उठाने के लिए पर्याप्त समय है। हालांकि निवेश की शुरुआत किसी खास शेयर या म्यूचुअल फंड को चुनने से नहीं, बल्कि अपनी आर्थिक स्थिति समझने से होनी चाहिए। पहले साल का लक्ष्य ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं, बल्कि ऐसी वित्तीय व्यवस्था तैयार करना होना चाहिए जिसे आने वाले वर्षों में आसानी से जारी रखा जा सके। निवेश शुरू करने से पहले तीन सवालों के जवाब तलाशें-पैसा किस लक्ष्य के लिए चाहिए, कब चाहिए और बाजार में गिरावट आने पर आप कितना जोखिम उठा सकते हैं। इसके आधार पर ही निवेश की दिशा तय होगी।

सबसे पहले बनाएं आपातकालीन निधि

यदि आपके पास बचत नहीं है और क्रेडिट कार्ड या व्यक्तिगत ऋण जैसा महंगा कर्ज चल रहा है तो पहले साल का पूरा ध्यान निवेश बढ़ाने के बजाय वित्तीय आधार मजबूत करने पर होना चाहिए। कम से कम तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम आपातकालीन निधि में रखना उपयोगी है। नौकरी जाने, बीमारी, अचानक बड़े खर्च या किसी अन्य आपात स्थिति में यही रकम काम आएगी। इसे ऐसे विकल्प में रखना चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से निकाला जा सके। आपातकालीन निधि बनने के बाद ही लंबी अवधि के निवेश को धीरे-धीरे बढ़ाना चाहिए।



महंगे कर्ज को निवेश से पहले खत्म करें

क्रेडिट कार्ड का बकाया या ज्यादा ब्याज वाला व्यक्तिगत ऋण आपकी आर्थिक प्रगति को धीमा कर सकता है। इसलिए सभी कर्ज की सूची बनाएं और ब्याज दर देखें। ज्यादा ब्याज वाले कर्ज को पहले चुकाना बेहतर है। कर्ज खत्म होने के बाद उसकी मासिक किस्त के बराबर रकम को निवेश में लगाया जा सकता है। इस तरह कर्ज चुकाने की आदत सीधे निवेश की आदत में बदल सकती है।

हर लक्ष्य की तय करें समय सीमा

निवेश का तरीका इस बात पर निर्भर करता है कि पैसा कब चाहिए। तीन साल के भीतर जरूरत पड़ने वाली रकम को शेयर बाजार जैसे उतार-चढ़ाव वाले साधनों में लगाने से बचना चाहिए। कार खरीदना, शादी, घर की शुरुआती रकम या निकट अवधि की शिक्षा जैसे लक्ष्य इसके उदाहरण हैं। ऐसे लक्ष्यों के लिए बैंक सावधि जमा, आवर्ती जमा या अन्य अपेक्षाकृत सुरक्षित विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। दूसरी ओर, यदि लक्ष्य 10, 15 या 20 साल दूर है तो बाजार आधारित निवेश पर विचार किया जा सकता है। सेवानिवृत्ति या बच्चे की उच्च शिक्षा जैसे लंबे लक्ष्यों में महंगाई को ध्यान में रखना जरूरी है।

शुरुआती निवेशक के लिए सूचकांक फंड सरल विकल्प

लंबी अवधि के निवेश की शुरुआत करने वाले निवेशक के लिए व्यापक बाजार सूचकांक पर आधारित म्यूचुअल फंड एक सरल विकल्प हो सकता है। ऐसे फंड किसी प्रमुख सूचकांक की कंपनियों में निवेश करते हैं। इससे एक ही कंपनी पर निर्भरता कम होती है और निवेशक को अलग-अलग शेयर चुनने की जरूरत नहीं पड़ती। हालांकि इक्विटी आधारित निवेश में बाजार जोखिम रहता है। इसलिए इसका इस्तेमाल उन्हीं लक्ष्यों के लिए करना चाहिए जिनकी समय सीमा लंबी हो।

उदाहरण से समझें

मान लीजिए रोहन की उम्र 30 साल है और उसे हर महीने कर कटौती के बाद 80 हजार रुपये मिलते हैं। उसके पास पहले से आपातकालीन निधि है। वह दो साल बाद कार खरीदना चाहता है और साथ ही सेवानिवृत्ति के लिए भी निवेश शुरू करना चाहता है। ऐसी स्थिति में वह अपनी क्षमता के अनुसार, उदाहरण के तौर पर, हर महीने 15 हजार रुपये कार के लक्ष्य के लिए सुरक्षित बचत में और 15 हजार रुपये लंबी अवधि के लिए इक्विटी आधारित म्यूचुअल फंड की एसआईपी में लगा सकता है। इस तरह दोनों लक्ष्यों का पैसा अलग रहेगा। कार के लिए रखा पैसा बाजार की गिरावट से प्रभावित नहीं होगा और सेवानिवृत्ति के लिए किया गया निवेश लंबे समय तक बढ़ने का अवसर पाएगा।

जोखिम क्षमता भी समझें

सिर्फ यह देखकर निवेश न करें कि कोई फंड या शेयर पिछले साल कितना बढ़ा। पहले यह समझें कि बाजार में 20-30 प्रतिशत गिरावट आने पर आपकी प्रतिक्रिया क्या होगी। मान लीजिए आपने 10 हजार रुपये निवेश किए और कुछ समय बाद उसकी कीमत घटकर 8 हजार रुपये रह गई। यदि इससे आप घबरा कर निवेश बेच देंगे तो इक्विटी निवेश आपके लिए कठिन हो सकता है। लेकिन अगर आप उतार-चढ़ाव को स्वीकार कर लंबे समय तक निवेश बनाए रख सकते हैं तो आपकी जोखिम क्षमता ज्यादा हो सकती है। यानी निवेश का चुनाव केवल रिटर्न देखकर नहीं, बल्कि लक्ष्य और जोखिम क्षमता देखकर करें।

बचत को हर माह की आदत बनाएं

● सबसे कम कमाई वाले महीने को आधार बनाएं ● वेतन आते ही बचत अलग खाते में डालें
● पहले तैयार करें अपने लिए आपातकालीन कोष ● लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार

योजना
बिजनेस डेस्क

कई लोगों की कमाई हर महीने एक जैसी नहीं होती। कभी बोनस मिल जाता है तो कभी अतिरिक्त आमदनी हो जाती है। ऐसे अच्छे महीने में बचत भी बढ़ जाती है, लेकिन अचानक आया बड़ा खर्च या कम आय वाला महीना पूरी बचत खत्म कर देता है। नतीजा यह होता है कि कई साल कमाने के बाद भी व्यक्ति के पास आपात स्थिति के लिए पर्याप्त रकम नहीं होती। समस्या हमेशा कम कमाई नहीं होती, बल्कि नियमित बचत के लिए तय व्यवस्था का अभाव भी इसका बड़ा कारण है। वित्तीय मजबूती के लिए बचत को महीने के अंत में बची रकम पर निर्भर करने के बजाय इसे कमाई का पहला काम बनाना जरूरी है। यानी पैसा आते ही बचत की रकम अलग और उसके बाद खर्च। यही छोटी आदत लंबे समय में मजबूत आर्थिक सुरक्षा तैयार कर सकती है।

पहले समझें, बचत क्यों नहीं हो रही

बचत शुरू करने से पहले यह पता लगाना जरूरी है कि पैसा बच क्यों नहीं रहा। कुछ लोगों की आय हर महीने बदलती है। स्वतंत्र काम करने वाले, कमीशन पर काम करने वाले या कारोबार से जुड़े लोगों के लिए एक महीने की आय दूसरे महीने से काफी अलग हो सकती है। दूसरी समस्या यह है कि बचत का इरादा तो होता है, लेकिन हर महीने कोई न कोई खर्च उसे पीछे धकेल देता है। कई लोग सोचते हैं कि महीने के अंत में जो रकम बचेगी, उसे बचा लेंगे। व्यवहार में अक्सर महीने के अंत तक बहुत कम रकम बचती है। इसलिए बचत के लिए इच्छा नहीं, व्यवस्था बनाना जरूरी है।

3 माह की आय से तय करें अपना बजट

सबसे पहले पिछले तीन महीनों की कुल आय देखें और उसका औसत निकालें। लेकिन यदि आय में काफी उतार-चढ़ाव रहता है तो औसत आय के बजाय सबसे कम आय वाले महीने को अपना बजट आधार बनाना ज्यादा सुरक्षित हो सकता है। उदाहरण के लिए किसी व्यक्ति को तीन महीनों में 40 हजार, 48 हजार और 35 हजार रुपये मिले। औसत आय करीब 41 हजार रुपये बैठती है, लेकिन बजट 35 हजार रुपये की सबसे कम आय को आधार मानकर बनाया जा सकता है। इससे कम आय वाले महीने में भी जरूरी खर्च पूरे करने में परेशानी नहीं होगी। अब इसमें से किराया, राशन, बिजली-पानी, आने-जाने और अन्य जरूरी खर्च अलग करें।



वेतन आते ही पहले बचत करें

नियमित वेतन पाने वालों के लिए सबसे आसान तरीका है—पहले खुद को भुगतान करें। मान लीजिए आपकी मासिक आय 40 हजार रुपये है और आप हर महीने 5 हजार रुपये बचाना चाहते हैं। वेतन खाते में आते ही 5 हजार रुपये दूसरे खाते में स्वतः स्थानांतरित करने की व्यवस्था कर दें। इसके बाद बचे पैसे से महीने का खर्च चलाएं। इसका फायदा यह है कि बचत की रकम खर्च करने वाले खाते में पड़ी ही नहीं रहेगी। बचत को इच्छाशक्ति के भरोसे रखने के बजाय स्वचालित व्यवस्था का हिस्सा बनाया जा सकता है।

आय तय नहीं तो प्रतिशत के हिसाब से बचाएं

यदि कमाई हर महीने अलग है तो निश्चित रकम बचाने के बजाय आय का एक तय प्रतिशत अलग करना बेहतर हो सकता है। उदाहरण के लिए हर भुगतान का 15 से 20 प्रतिशत बचत खाते में डालने का नियम बनाया जा सकता है। मान लीजिए किसी स्वतंत्र पेशेवर की मासिक आय 25 हजार से 60 हजार रुपये के बीच रहती है। वह हर भुगतान का 18 प्रतिशत बचत के लिए अलग करता है। इस तरह कम आय वाले महीने में बचत की रकम कम होगी और ज्यादा कमाई होने पर बचत अपने आप बढ़ जाएगी।

बचत के लिए अलग खाता रखें

बचत और रोजमर्रा के खर्च का पैसा एक ही खाते में रखने से अनजाने में बचत खर्च होने की संभावना रहती है। इसलिए बचत के लिए अलग बैंक खाता रखना उपयोगी हो सकता है। संभव हो तो इसे रोजमर्रा के खाते से अलग बैंक में रखें। बोनस, कर वापसी या अचानक मिली अतिरिक्त रकम का एक हिस्सा सीधे इसी खाते में डाल सकते हैं।

पहले आपातकालीन कोष, बाद में ज्यादा रिटर्न

बचत का पहला उद्देश्य हर बार ज्यादा रिटर्न कमाना नहीं होना चाहिए। पहले ऐसा आपातकालीन कोष तैयार करें जिससे अचानक आने वाले खर्च के समय निवेश या कर्ज पर निर्भरता कम हो। नियमित वेतन वालों के लिए तीन से छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर आपातकालीन निधि एक अच्छा आधार हो सकती है। वहीं जिनकी आय में ज्यादा उतार-चढ़ाव रहता है, वे छह से नौ महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम रखने पर विचार कर सकते हैं। यह रकम ऐसे विकल्प में रखी जानी चाहिए जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से उपलब्ध हो। आपातकालीन निधि का पहला उद्देश्य सुरक्षा और तरलता है, अधिकतम रिटर्न नहीं।

योजना बनाकर भूल जाना भी ठीक नहीं

बचत की योजना बनाकर उसे भूल जाना भी सही नहीं है। महीने में केवल 15 मिनट निकालकर देखें कि आय कितनी रही, जरूरी खर्च कितना हुआ और तय बचत लक्ष्य पूरा हुआ या नहीं। यदि किराया बढ़ गया, परिवार में नया खर्च जुड़ गया या आय में बदलाव हुआ है तो बचत लक्ष्य में भी बदलाव किया जा सकता है। महत्वपूर्ण यह है कि बचत पूरी तरह बंद न हो।

इन पांच गलतियों से बचें

- महीने के अंत में बचतः तब तक पैसा खत्म हो सकता है।
- एक ही खाते में बचत और खर्चः बचत अनजाने में खर्च हो सकती है।
- सिर्फ अच्छे महीने में बचतः इससे नियमित आदत नहीं बनती।
- बिना बजट तय किए रकम निर्धारित करनाः लक्ष्य आपकी वास्तविक आय से मेल खाना चाहिए।
- योजना की समीक्षा न करनाः आय और खर्च बदलने के साथ बजट भी बदलना चाहिए।

निवेश से पहले बचत की मजबूत नींव जरूरी

शेयर, म्यूचुअल फंड या किसी अन्य निवेश में पैसा लगाने से पहले नियमित बचत की आदत और आपातकालीन निधि तैयार करना जरूरी है। कम रकम से शुरुआत करना कोई समस्या नहीं है। महीने में 500 रुपये भी नियमित रूप से बचाना उस महीने हजारों रुपये बचाकर अगले महीने फिर शून्य पर पहुंचने से बेहतर है।

अलर्ट 3 से 10 साल की अवधि में निवेश करने का बेहतीन विकल्प, लक्ष्य के हिसाब से तय होगी मासिक किस्त, तैयार होगा फंड

बच्चे के नाम हर महीने बचत, तैयार होगा एक लाख का फंड एसबीआई की 'हर घर लखपति' आरडी में 6.7% सालाना ब्याज

समझदारी
बिजनेस डेस्क

बच्चे की पढ़ाई, उच्च शिक्षा या भविष्य की किसी बड़ी जरूरत के लिए समय रहते बचत शुरू करना समझदारी है। ऐसे में अगर आप बाजार के उतार-चढ़ाव से अलग रहकर हर महीने एक निश्चित रकम जमा करना चाहते हैं, तो भारतीय स्टेट बैंक यानी एसबीआई की 'हर घर लखपति' योजना एक विकल्प हो सकती है। यह कोई अलग निवेश उत्पाद नहीं, बल्कि रिकरिंग डिपॉजिट यानी आरडी का एक रूप है। इसमें निवेशक हर महीने एक तय रकम जमा करता है और तय अवधि पूरी होने पर जमा रकम के साथ ब्याज मिलता है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार इस योजना में फिलहाल 6.7% सालाना ब्याज मिल रहा है। निवेश की अवधि 3 साल से 10 साल तक रखी जा सकती है। यानी अभिभावक बच्चे की उम्र और भविष्य के लक्ष्य के हिसाब से अवधि चुन सकते हैं।

क्या है 'हर घर लखपति' योजना?

नाम से लग सकता है कि यह कोई अलग सरकारी योजना है, लेकिन वास्तव में यह एसबीआई की आरडी आधारित सुविधा है। इसका उद्देश्य नियमित बचत के जरिए एक तय लक्ष्य राशि तैयार करना है। इसे सामान्य आरडी की तरह समझ सकते हैं, जिसमें हर महीने एक निश्चित राशि जमा करनी होती है। मसलन, अगर अभिभावक बच्चे के लिए हर महीने थोड़ी रकम अलग रखते हैं तो कुछ वर्षों में यह रकम ब्याज के साथ एक बड़े फंड में बदल सकती है।

3 से 10 साल तक निवेश

इस योजना में 3 साल से 10 साल तक की अवधि चुनी जा सकती है। अवधि का चुनाव बच्चे की जरूरत के हिसाब से करना महत्वपूर्ण है। यदि बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए पांच साल बाद रकम चाहिए तो पांच साल की अवधि वाला लक्ष्य बनाया जा सकता है। अगर जरूरत 10 साल बाद है तो लंबी अवधि का विकल्प चुना जा सकता है। हालांकि निवेश की अवधि तय करते समय यह भी देखना चाहिए कि बीच में पैसों की जरूरत पड़ सकती है या नहीं। समय से पहले आरडी बंद करने पर बैंक के नियम लागू हो सकते हैं।



बच्चे के नाम पर खाता कैसे खुलेगा?

इस योजना में कोई व्यक्ति सिंगल या जॉइंट अकाउंट खोल सकता है। 10 साल से अधिक उम्र के बच्चे के नाम पर भी खाता खोला जा सकता है, लेकिन इसके लिए बच्चे का ठीक से हस्ताक्षर करने में सक्षम होना जरूरी है। यदि बच्चा हस्ताक्षर करने में सक्षम नहीं है तो उसके नाम पर खाता माता-पिता या अभिभावक के साथ खोला जा सकता है। यानी बच्चे की उम्र और उसकी हस्ताक्षर करने की क्षमता के आधार पर खाते का संचालन तय होगा।

1 लाख रुपये का लक्ष्य कैसे पूरा होगा?

अगर आपका लक्ष्य बच्चे के लिए 5 साल में 1 लाख रुपये का फंड तैयार करना है तो उपलब्ध गणना के अनुसार हर महीने करीब 1,420 रुपये जमा करने होंगे। इसी तरह यदि आप 10 साल में 1 लाख रुपये का लक्ष्य रखते हैं तो मासिक जमा करीब 610 रुपये होगी। इससे यह समझना आसान है कि लंबी अवधि चुनने पर मासिक बचत का बोझ कम हो सकता है। हालांकि इन आंकड़ों को उदाहरण के रूप में देखना चाहिए। वास्तविक मासिक किस्त बैंक की लागू ब्याज दर, आरडी की शर्तों और गणना पद्धति के अनुसार बदल सकती है।

लक्ष्य बढ़ाएं तो किस्त भी बढ़ेगी

इस योजना में लक्ष्य केवल 1 लाख रुपये तक सीमित नहीं है। निवेशक अपनी जरूरत के अनुसार 2 लाख, 3 लाख, 4 लाख रुपये या उससे अधिक का लक्ष्य भी निर्धारित कर सकता है। लक्ष्य राशि बढ़ने के साथ मासिक किस्त भी बढ़ेगी। मसलन, जिस परिवार को बच्चे की उच्च शिक्षा के लिए 4 लाख रुपये का फंड बनाना है, वह छोटी अवधि के बजाय लंबी अवधि चुनकर मासिक निवेश का बोझ कम रखने की कोशिश कर सकता है।

छोटी बचत से बड़ा लक्ष्य

इस योजना का सबसे बड़ा फायदा अनुशासित बचत है। अक्सर परिवार एकमुश्त रकम बचाने की योजना तो बनाते हैं, लेकिन नियमित रूप से पैसा अलग नहीं रख पाते। आरडी में हर महीने तय रकम जमा करने की व्यवस्था होने के कारण बचत की आदत बन सकती है। मान लीजिए परिवार हर महीने करीब 600 रुपये अलग रखता है। यह रकम रोजाना के खर्च में बहुत बड़ी नहीं लगती, लेकिन लंबे समय तक लगातार जमा होने पर ब्याज के साथ एक निश्चित फंड तैयार कर सकती है।

सिर्फ ब्याज देखकर फैसला न करें

हालांकि 6.7% ब्याज आकर्षक लग सकता है, लेकिन निवेश का फैसला केवल ब्याज दर देखकर नहीं करना चाहिए। अभिभावकों को यह भी देखना चाहिए कि बच्चे का लक्ष्य कितने साल बाद है, कितनी रकम की जरूरत होगी और महंगाई के कारण भविष्य में उस लक्ष्य की लागत कितनी बढ़ सकती है। मसलन, आज उच्च शिक्षा पर 5 लाख रुपये खर्च हो रहे हैं तो 8-10 साल बाद यही खर्च काफी अधिक हो सकता है। इसलिए लंबे समय के लक्ष्य के लिए केवल आरडी पर निर्भर रहने के बजाय अन्य निवेश विकल्पों से भी इसकी तुलना करनी चाहिए।

टैक्स और समय से पहले निकासी के नियम भी समझें

आरडी में मिलने वाला ब्याज कर नियमों के दायरे में आ सकता है। इसलिए बड़ी रकम जमा करने से पहले अपनी कर स्थिति के अनुसार जानकारी लेना जरूरी है। इसी तरह अगर बीच में पैसे की जरूरत पड़ती है तो समय से पहले आरडी बंद करने या आंशिक निकासी से जुड़े बैंक के नियम लागू हो सकते हैं। निवेश शुरू करने से पहले एसबीआई की मौजूदा ब्याज दर, आरडी की शर्तें, नाबालिग के खाते के नियम और समय से पहले खाता बंद करने के प्रावधान जरूर जांच लें।

ऐसे समझें योजना

- योजनाः एसबीआई 'हर घर लखपति'
- प्रकारः रिकरिंग डिपॉजिट (आरडी)
- ब्याज दर 6.7% सालाना
- अवधि 3 से 10 साल
- 5 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 1,420 रुपये मासिक
- 10 साल में 1 लाख का उदाहरण करीब 610 रुपये मासिक
- लक्ष्य 1 लाख से अधिक भी
- खाता सिंगल या जॉइंट
- बच्चे के नाम खाता 10 साल से अधिक उम्र में, शर्तों के अनुसार
- कम उम्र/हस्ताक्षर में असमर्थ बच्चा माता-पिता/अभिभावक के साथ
- ब्याज दर और बैंक के नियम समय के साथ बदल सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अपने राजनीतिक शासन के 25 वर्ष पूरे कर लिए हैं। उनके काल में अनेक उपलब्धियां दर्ज हुई हैं। मोदी की पहल पर कई योजनाएं शुरू की गईं। स्वच्छ भारत मिशन से करोड़ों शौचालय बने। गांव खुले में शौच से मुक्त घोषित हुए। जन धन योजना से करोड़ों बैंक खाते खुले। गरीबों को सीधा पैसा मिला। उज्ज्वला योजना से गैस कनेक्शन दिए। गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। कांग्रेस समेत अन्य विपक्षी दलों के लगातार निशाने पर रहने के बावजूद वे दृढ़ रहे हैं। साथ ही देश के विकास में अपनी नीतियों, विकास योजनाओं और उन पर अमल कराने में सफल माने जा सकते हैं। इसमें कोई दोराय नहीं कि उनके शासनकाल में भारत की अंतरराष्ट्रीय छवि में सुधार हुआ है। मोदी ने आर्थिक मोर्चे पर देश को बहुत गति दी है। वर्तमान में देश में दूर-दूर तक कोई नेता नहीं, जो नरेंद्र मोदी का मुकाबला कर सके। कह सकते हैं कि मोदी राज में देश ने अपना खोया गौरव हासिल करने की दिशा में एक मजबूत कदम जरूर बढ़ाया है। *इन्हीं मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

विपरीत परिस्थितियों में भी बड़े लक्ष्य तय



विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ स्तंभकार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। कोई विरोधी भले नकारे, लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।

किसी राजनेता या मनुष्य की पहचान यही है कि कठिन, विकट और विपरीत परिस्थितियों में भी बिना दबाव में आए और डरे या सहमे बिना आत्मविश्वास के साथ व्यापक और बड़े लक्ष्य निर्धारित करे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सत्ता के जीवन का मूल्यांकन करें तो आपको दिख जाएगा उन पर यह सिद्धांत सटीक बैठता है। कोई भी व्यक्ति पूर्ण नहीं होता या संभव ही नहीं कि निर्धारित बड़े सभी लक्ष्य उस रूप में हासिल भी हो जाए। सरकार के प्रमुख होने के नाते जो लक्ष्य निर्धारित होते हैं, उनमें केवल मंत्रिमंडल ही नहीं, नौकरशाह, केंद्र से लेकर राज्य और नीचे स्तर तक सारे सरकारी कर्मचारी, मशीनरी और देश के लोगों का भी भरपूर भागीदारी और सहयोग चाहिए होता है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जब इतिहास में सर्वाधिक निंदा, आलोचना, विरोध और पूरा राजनीतिक जीवन समाप्त करने के शक्तिशाली हमलों और षड्यंत्रों से जूझते हुए राष्ट्रीय क्षितिज पर आए तो अपने भाषणों से उन्होंने देश में अपेक्षाएं बढ़ाईं। श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स में अपने पहले भाषण में उन्होंने कहा कि मैं यह नहीं कहता कि हमको बदला हुआ कानून, बदली हुई पूरी व्यवस्था मिले, तभी मैं विकास करूंगा बल्कि जो ढांचा है, उसी में मैं भारत को विश्व की प्रमुख शक्ति बनाऊंगा। स्वाभाविक ही देश ने उन पर विश्वास किया और उसके अनुरूप उन्हें 2014 में चुनावी सफलता मिली। प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यक्रमों की सफलताओं के बड़े अंश का दायित्व उस पूरे संघ विचार परिवार को भी जाता है, जिसके वे स्वयंसेवक और प्रचारक रहे। दरअसल, भाजपा अन्य पार्टियों से इस मायने में भिन्न है क्योंकि पूरे संघ संगठन परिवार के लोगों के अंदर यह भाव रहता है कि यह पार्टी या तो हमारी विचारधारा और लक्ष्य का प्रतिनिधित्व करती है या कम से कम उसके सबसे निकट है। इसलिए जो कुछ उनके अपने अनुकूल लगता है, उसमें चरित्र के अनुरूप संगठन लग जाते हैं। कोई विरोधी भले नकारे लेकिन मोदी की सफलताएं भी अद्भुत हैं। इनमें यहां व्यापक रूप से जाना संभव नहीं है।



जातीय अस्तित्व का कारक हो सकता है नुकसानदायक

मोदी को देश ने भारत के पहले हिंदू नेता के रूप में सिर पर बिठाया और ऐतिहासिक लोकप्रियता दी। इसे और आगे ले जाने का दायित्व उनके नेतृत्व में समूची सरकार और भाजपा का था और है। दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में जातीय पहचान और जातीय अस्तित्व का कारक फिर डरावने रूप में खड़ा हुआ है। अगर तुरंत सचेत होकर इससे साहसपूर्वक राजनीतिक जोखिम उठाकर बाहर निकालने और देश को निकालने के लिए व्यवहार और नीतियां नहीं हुई तो यह फिर से बहुत बड़ी समस्या बन सकती है। दूसरे, जब देश को 2047 तक दुनिया की बड़ी शक्तियों के समक्ष हर दृष्टि से खड़ा करने का लक्ष्य है, तब सरकार और संसद से लेकर पार्टी के अंदर उसी तरह के प्रतिबद्ध, योग्य, समझ रखने वाले और इसके लिए ही जान लगा देने वाले लोगों की संख्या होनी चाहिए। ऐसा न हो कि पार्टी के ज्यादातर नेता स्वयं को सुरक्षित करने में लगे रहें और केवल औपचारिक रूप से कार्यक्रमों में भागीदारी हो। मोदी जी और उनके निकटतम साथी गृह मंत्री अमित शाह ने जो किया वह अद्भुत है। लेकिन क्या उनके बाद की दृष्टि से भी भाजपा में ऐसी टीम खड़ी हो रही है, जो इतनी व्यापक सोच, प्रतिबद्धता और निष्ठा से केवल देश को केंद्र में रखकर राजनीति और सत्ता संचालन करें? उनके जिम्मे ये दो महत्वपूर्ण आवश्यक दायित्व हैं जिसे उन्हें अपने सेवानिवृत होने के पहले हर हाल में पूरा करना चाहिए।

लोगों के व्यवहार में आया बदलाव

कुछ उदाहरण ले सकते हैं। सरकारी नीतियों में समाज सुधार जैसे कार्यक्रम यानी स्वच्छता अभियान, उज्ज्वला योजना ,बेटी पढ़ाओ बेटी बचाओ, लोग सौर ऊर्जा अपनाएं और बिजली बेचें ,खेत की मेड़ों पर वृक्ष लगाएं, फुहारे वाले यानी स्प्रिंकल सिंचाई का उपयोग करें, मोबाइल का धन लेने और भुगतान में उपयोग करें,लखपति दीदी, सरकारी जमीन और आवास घर की महिलाओं के नाम रजिस्ट्री करवाने आदि-आदि। समाज के निचले स्तर पर इनके प्रभावों का अध्ययन करने वाले निष्पक्ष लोग देख रहे हैं कि क्या हुआ। यह नहीं कहा जा सकता, जैसे लक्ष्य थे, जिस प्रकार अभियान आरंभ हुआ, वैसे ही सब कुछ हो गया। लेकिन लोगों के अंदर स्वच्छता, स्वच्छ ईंधन, सिंचाई में पानी बचाने आदि का विचार पैदा हुआ। यह भी सच है कि अनेक राज्यों में सरकारी महकमों ने लोगों के बीच जाकर जन जागरूकता फैलाने और अभियान के स्तर पर इन कार्यक्रम को सफलता तक ले जाने की ईमानदार भूमिका नहीं निभाई। अगर हमारे स्वभाव में ही गंदगी है तो फिर कोई प्रधानमंत्री पूरी तरह दूर नहीं कर सकता। बावजूद यह मानना पड़ेगा कि 2014 से लेकर 2026 तक लोगों की मानसिकता, व्यवहार और इन कार्यक्रमों की परिणतियों से बहुत बड़ा अंतर आया है।

पंचायतों की भूमिका शर्मनाक

विरोधियों में नरेंद्र मोदी और भाजपा आदि को लेकर अजीब किस्म की वितृष्णा और घृणा है। वे हर कार्यक्रम का मजाक उड़ाते हैं और स्वाभाविक ही उनका जो देश के नागरिक और नेता के नाते जैसा सहयोग मिलना चाहिए, वह नहीं मिलता है। सारे विषय सामाजिक - आर्थिक क्रांति के हैं और इसमें सबकी भागीदारी चाहिए जो नहीं हो पाई है। राहुल गांधी से लेकर अनेक नेता स्वच्छता अभियान का मजाक उड़ाते हैं, लेकिन क्या उनका दायित्व नहीं था, इसमें सहभागिता करके इसे सफलता तक ले जाने के लिए परिश्रम करें? स्वच्छता अभियान तो गांधी जी के जन्म दिवस पर आरंभ हुआ और उनके डेढ़ सौ वीं जन्म शती वर्ष को ध्यान में रखते हुए। इसी तरह प्राथमिक से लेकर मध्य विद्यालयों का कलेवर बदलने के अनेक कार्यक्रम नरेंद्र मोदी सरकार ने दिए और इसी में स्मार्ट क्लास एक था। यह सफेद झूठ है कि इस दिशा में कुछ नहीं हुआ। अगर आप धरातल पर जाएंगे तो बहुत कुछ हुआ लेकिन फिर सरकारी महकमों और पंचायतों की भूमिका कई स्तरों पर शर्मनाक रही है। जब ग्राम पंचायत के प्रधान वहां के वार्ड मेंबर ही चोरी करने लगेंगे और उनका उद्देश्य कार्यक्रम की सफलता से ज्यादा धन कमाना होगा तो कठिनाई आएगी। जहां लोग जागरूक थे, वहां परिवर्तन आए हैं।

नई शिक्षा नीति से परिवर्तन

शिक्षा सुधार की दृष्टि से नई शिक्षा नीति स्वतंत्रता के बाद ऐसा पहला प्रयास है जिसमें छात्रों के बचपन से लेकर युवावस्था तक उनकी वास्तविक प्रतिभा के साथ आगे बढ़ने, अनुभवों, उनके जीवन दिशा निर्धारित होने तथा भारत की विविधताओं से एक-दूसरे से परिचित होने के कार्यक्रम हैं। जहां लागू हो रहे हैं, वहां धीरे-धीरे परिवर्तन आ रहा है। लेकिन जिन विरोधी सरकारों को केवल विरोध करना है और इसे भगवाकरण बताना है, वहां आप क्या कर सकते हैं। विदेश नीति और आतंकवाद विरोधी नीतियों तक का जब देश में विरोध होगा और एकजुटता नहीं दिखेगी, किसी भी प्रधानमंत्री के लिए शत प्रतिशत सफलता तक ले जाना कठिन होगा। इसके बावजूद मोदी सरकार ने पाकिस्तान के संदर्भ में सीमा पार आतंकवाद पर घर में घुसकर मारने का जो साहस दिखाया, उसे दुनिया स्वीकार रही है। जम्मू कश्मीर पहले से मौलिक तौर पर ज्यादा सुरक्षित हुआ है, किंतु अभी इसकी पूर्ण सुरक्षा और पाकिस्तान की हरकतों पर संपूर्ण नियंत्रण होना शेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार को केंद्र बनाएं तो कुछ क्षेत्र ऐसे हैं जो वाकई चिंताजनक हैं और उन पर गहराई से फोकस कर काम करने की आवश्यकता है।

विपक्ष के हर कटाक्ष से और मजबूत हुए मोदी



चुनौती

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

भारत जैसे देश में एक से बढ़कर एक नेता आए। देश की सत्ता परिवर्तन करने में कई नेताओं ने इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया और उसी कड़ी में हाल ही के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल हुए। लगातार ढाई दशक से देश की राजनीति की मुख्यधारा से जुड़े हुए हैं। कई बार विभिन्न तरीके के उतार-चढ़ाव आए लेकिन मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री रहते हुए अपने वर्चस्व को बनाए रखा। राजनीति में कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और सिलसिला अभी भी जारी है। भारतीय राजनीति में नरेंद्र मोदी का उदय और उनका लंबे समय तक सत्ता के केंद्र में बने रहना समकालीन लोकतंत्र की एक महत्त्वपूर्ण राजनीतिक घटना है। विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री बनने तक का उनका राजनीतिक सफर इस बात का उदाहरण है कि किसी नेता की लोकप्रियता, संगठनात्मक ताकत, चुनावी रणनीति और जनता से संवाद की शैली किस तरह राजनीति की दिशा को प्रभावित कर सकती है। हालांकि, यह सवाल कि क्या विपक्ष में कोई नेता उनका मुकाबला कर सकता है, केवल लोकप्रियता के आधार पर नहीं, बल्कि चुनावी परिणामों, नेतृत्व, संगठन और वैकल्पिक नीतियों के आधार पर भी समझा जाना चाहिए । नरेंद्र मोदी ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री का पद संभाला और दिसंबर 2012 तक इस पद पर बने रहे। इस दौरान गुजरात की राजनीति में उनका नेतृत्व भारतीय जनता पार्टी की चुनावी रणनीति का प्रमुख हिस्सा बन गया। विकास, प्रशासन, निवेश और मजबूत नेतृत्व की छवि को उन्होंने अपने राजनीतिक संदेश का केंद्रीय आधार बनाया। उनके समर्थकों ने इस मॉडल को गुजरात के विकास से जोड़ा, जबकि आलोचकों ने सामाजिक, आर्थिक और प्रशासनिक मुद्दों पर सवाल भी उठाए। वर्ष 2014 में भाजपा ने नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री पद का प्रमुख चेहरा बनाकर लोकसभा चुनाव लड़ा। पार्टी ने स्पष्ट बहुमत हासिल किया और मोदी प्रधानमंत्री बने। वर्ष 2019 में भाजपा ने एक बार फिर अपना बहुमत बढ़ाया। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 240 सीटों पर सिमट गई और अपने दम पर बहुमत से दूर रही लेकिन एनडीए ने बहुमत प्राप्त किया और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बने। यह तथ्य उनके राजनीतिक प्रभाव के साथ-साथ गठबंधन की राजनीति के महत्त्व को भी रेखांकित करता है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना, उसकी नीतियों की समीक्षा करना और जनता के सामने वैकल्पिक दृष्टिकोण रखना है। मोदी सरकार को भी महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, सामाजिक सद्भाव, केंद्रीय संस्थाओं की भूमिका और लोकतांत्रिक जवाबदेही जैसे मुद्दों पर विपक्ष की आलोचना का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर, मोदी और भाजपा ने कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, डिजिटल सेवाओं, राष्ट्रीय सुरक्षा, अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की भूमिका और प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण जैसे विषयों को अपनी उपलब्धियों के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रधानमंत्री की सार्वजनिक सभाएं, रेडियो कार्यक्रम, डिजिटल माध्यमों पर सक्रियता और व्यापक चुनावी प्रचार उनकी राजनीतिक शैली के प्रमुख हिस्से रहे हैं। मोदी की राजनीति की एक उल्लेखनीय विशेषता यह है कि वे राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों को स्थानीय चुनावी विमर्श से जोड़ने का प्रयास करते हैं। इससे समर्थकों तक एक स्पष्ट संदेश पहुंचता है। हालांकि, किसी भी नेता की छवि केवल उसके अपने प्रचार से निर्धारित नहीं होती; जनता का अनुभव, स्थानीय उम्मीदवारों का प्रदर्शन और सरकार के कामकाज का मूल्यांकन भी चुनावी फैसलों को प्रभावित करता है। कांग्रेस ने स्वतंत्रता के बाद लंबे समय तक भारतीय राजनीति में केंद्रीय भूमिका निभाई। बाद के दशकों में भाजपा के विस्तार, क्षेत्रीय दलों के उभार और बदलते सामाजिक-राजनीतिक समीकरणों ने कांग्रेस की स्थिति को चुनौती दी। वर्ष 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में कांग्रेस को अपेक्षाकृत कमजोर प्रदर्शन का सामना करना पड़ा। इससे राष्ट्रीय स्तर पर विपक्षी नेतृत्व को लेकर सवाल उठे। लेकिन वर्ष 2024 के चुनाव ने यह भी दिखाया कि कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर सकते हैं। कांग्रेस ने 2019 की 52 सीटों के मुकाबले 2024 में 99 सीटें हासिल कीं। विपक्षी दलों के गठबंधन ने भी कई राज्यों में भाजपा के सामने प्रभावी चुनौती प्रस्तुत की। इसलिए यह कहना कि कांग्रेस या पूरा विपक्ष मुकाबले की स्थिति में नहीं है, चुनावी तथ्यों की पूरी तस्वीर प्रस्तुत नहीं करता। राजनीतिक मुकाबला केवल किसी एक नेता की लोकप्रियता से तय नहीं होता। संगठन की मजबूती, उम्मीदवारों का चयन, क्षेत्रीय नेतृत्व, सामाजिक समीकरण, गठबंधन, स्थानीय मुद्दे और मतदाताओं की अपेक्षाएं भी इसमें महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। तमाम चुनौतियों के बाद भी मोदी ने अपनी लोकप्रियता में अब तक कोई कमी नहीं आने दी। विपक्ष द्वारा बनाए गए 'इंडिया' गठबंधन ने एक बार को तो मोदी को बड़ी टक्कर देने की हुंकार भी भर ली थी, लेकिन बावजूद इसके किला नहीं भेद पाए। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

विपक्ष की लगातार आलोचना, चुनावी चुनौतियों, बेरोजगारी, महंगाई और विभिन्न नीतिगत मुद्दों पर उठते सवालों के बावजूद मोदी भारतीय राजनीति के सबसे प्रभावशाली चेहरों में शामिल रहे हैं। ऐसे नेता शताब्दियों में एक बार पैदा होते हैं।

संवैधानिक अधिकार की प्रतीक्षा में भोजपुरी



विचार

सुधाकर सिंह

सांसद-लोकसभा बक्सर



शिवेन्द्र राणा

परियोजना सहयोगी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र

हिन्दी दिवस बीता। भाषा के सम्मान के बड़े दावों में भोजपुरी भाषी समाज आज स्वतंत्रता के सात दशकों बाद भी प्रश्नवाचक मुद्रा में खड़ा है। जिसे आज भी भी संविधान से न्याय की दरकार है. किन्तु वर्तमान का कटु यथार्थ यही है कि आज सात दशकों से भी अधिक समय पूर्व भारत की स्वतंत्रता एवं संवैधानिक व्यवस्था लागू होने के बाद भी भोजपुरी एवं भोजपुरी भाषी समाज राजनैतिक वादों और संसदीय मजबूरी के बियावन में भटक रहा है।

भाषाई अस्मिता की लड़ाई के इतिहास में भोजपुरी का संघर्ष करीब पांच दशक से भी अधिक पुराना है। सर्वप्रथम कॉमरेड भोगेंद्र झा द्वारा 1969 में प्राइवेट मेंबर बिल लेकर आने से अब तक संसद में इसके लिए 18 निजी बिल आ चुके हैं। इसके अलावा कई बार ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से भी और शून्यकाल के दौरान भी इस मुद्दे को सदन में उठाया जा चुका है लेकिन कभी बोली -भाषा के भेद का तर्क पर, तो कभी नियमों की अस्पष्टता का हवाले से बात आश्वासन तक ही सीमित रही और नतीजा अनिश्चित ही रहा। वर्ष 2003 के 92वें संशोधन के पश्चात आठवीं अनुसूची में सम्मिलित होने का मार्ग क्षेत्रीय भाषाओं के लिए आज तो बन्द है।

अब संवैधानिक तर्कों एवं राजनैतिक विमर्श पर भोजपुरी के दावे का आधार भी देख लें। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार लगभग 20 करोड़ भारत में और दुनिया के दूसरे 15 देशों से अधिक देशों यथा, फिजी, नेपाल, मॉरीशस, गुयाना, सूरीनाम आदि में 4 करोड़ भोजपुरी भाषियों की संख्या का अनुमान है तथा उपरोक्त विश्व के करीब आठ अन्य देशों में भोजपुरी एक सम्मानित भाषा का दर्जा रखती है तथा वहां के शिक्षण संस्थानों एवं मिडिया जगत में भी इस भाषा का भरपूर इस्तेमाल होता है। ज्ञातव्य है कि 2016 में मॉरीशस की पहल पर यूनेस्को द्वारा भोजपुरी संस्कृति के 'गीत-गवनई' को सांस्कृतिक विरासत का दर्जा दिया गया। यानि तात्पर्य यह है कि आज भारत सरकार जिस भाषा को अपने मूल देश में सम्मान नहीं दे पा रही वो पहले से विश्व के कई देशों में पहले से सम्मानित है और जो काम भोजपुरी उत्पत्ति के मूल राष्ट्र भारत को करना चाहिए था उसे किसी दूसरे देश ने किया। शचीन्द्रनाथ सन्याल 'बंदी जीवन' की भूमिका में लिखा है,' "किसी समाज को पहचानने के लिए उस समाज के साहित्य से परिचित होने की परम आवश्यकता होती है, क्योंकि समाज के प्राणों की चेतना उस समाज के साहित्य में भी प्रतिबिम्बित हुआ करती है। इसी अनुरूप यदि वास्तविक भोजपुरी समाज का सही निरुपण देखना हो तो विमलानंद सरस्वती की बउधायन, सर्वहारा के कवि जगदीश ओझा की जुलुम भइले राम, विवेकी राय की 'के कहल चुनरी रंगा ल', हृदयेश जी की भोजपुरी सतसई, रामनाथ पाण्डेय की बिंदिया, रहनिदार बेटी, रामप्रसाद राय की थरूहट के बउआ और बहुरिया जैसे भोजपुरी साहित्य का सानिध्य लीजिये, आप भोजपुरी के अंतर्मन को समझ पाएंगे।

आठवीं अनुसूची में क्षेत्रीय भाषाओं को शामिल करने के पीछे संवैधानिक मान्यता मुख्यः दो उद्देश्यों पर आधारित है, पहला इन भाषाओं के सदस्यों को राजभाषा आयोग में प्रतिनिधित्व मिले और दूसरा इन भाषाओं के रूप, शैली एवं भावों का प्रयोग हिन्दी को समृद्ध बनाने में किया जाये। अर्थात क्षेत्रीय भाषा आठवीं अनुसूची की सुविधा के बदले एक अधिकार प्राप्त होता है और एक कर्तव्य पूर्ति करनी होती है। इसमें पहले अधिकार की माँग भोजपुरी कर रही है जिसके लायक उसे वर्तमान तक समझा नहीं गया और दूसरे, कर्तव्य का पालन वह दशकों से करती आ रही है। यानि भोजपुरी ने राजभाषा के सम्मान में अधिकार के बिना निरंतर दायित्व को पूर्ण किया है। हिन्दी साहित्य का सम्पूर्ण आधुनिक पूर्व का साहित्य तो पूर्व की भाषाओं - बोलियों के साहित्य, शब्द कोष और लेखन संस्कृति ओर आधारित है जिसमें भोजपुरी की प्रमुख भूमिका है।

भाषायी एकता के नाम पर एक बुद्धिजीवी वर्ग भोजपुरी के संवैधानिक अधिकार का विरोधी भी है ताकि हिंदी के एकाधिकार को भोजपुरी चुनौती ना दे सके लेकिन ये कितनी विषमतापूर्ण बात है कि भाषाई एकता स्थापित करने के जूनून में देशज संस्कृतियों का दमन का प्रयास हो और भोजपुरी जैसी प्राचीन भाषा को संवैधानिक संरक्षण से वंचित कर दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से वे यही कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त यह विडंबना है कि एक तरफ तो हम हर नये जनगणना आंकड़ों के साथ प्राचीन भाषाओं की विलुप्ति का रोना रोते हैं और उनके संरक्षण के लिए उद्घघोषणा और योजना निर्माण की संवेदना व्यक्त करते हैं। वही भोजपुरी जैसी समृद्ध भाषा को उसके अधिकार से वंचित करके उसके क्षरण को मूक आमंत्रण दे रहे हैं।

भोजपुरी के संवैधानिक अधिकार के विरोधियों को ये भी जानना होगा कि राष्ट्रीय एकता का मजबूत लोकतान्त्रिक ढांचा भाषा, क्षेत्रवाद, जाति, पंथ जैसे क्षुद्र मुद्दों के त्याग पर खड़ा होता है और राजभाषा को समर्थवान बनाने के लिए सबसे ज्यादा त्याग हिन्दी के पक्ष में भोजपुरी ने किया है। सर्वविदित है कि भोजपुरी-अवधी के उन्नयन की समाधि पर ही हिन्दी का भव्य महल खड़ा किया गया है। हिन्दी के महानतम, मूर्धन्य साहित्यकारों भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, जयशंकर प्रसाद से लेकर आचार्य रामचंद्र शुक्ल, महावीर प्रसाद द्विवेदी तक की समृद्ध परंपरा इन्हीं भाषा द्वय तथा इन्हीं क्षेत्रों के भूमिपुत्र थे लेकिन इन युगल भाषाओं के प्रतिनिधि क्षेत्रों की मूल सांस्कृतिक, सामाजिक एवं राजनीतिक चेतना ने ही अपने सरस्वती के वरद पुत्रों को राष्ट्रीय एकता के सन्दर्भ में राष्ट्रभाषा हिन्दी की समृद्ध परंपरा के कर्मठ उन्नायक बनने के लिए प्रेरित किया। यह कहने का तात्पर्य है कि राष्ट्रीय एकता के लिए सभी को अपने निजी दृष्टिकोण को उदारता के सांचे में ढालने के लिए तत्पर होना चाहिए। साथ ही यह भी आवश्यक है कि देश के हर भाषा एवं स्थानीय संस्कृति का संरक्षण, परिवर्धन होता रहे, इसे राष्ट्रीय दायित्व के रूप में स्वीकारना होगा।

वरन इसके दूसरे पक्षानुसार जिस तरह भाषाई अस्मिता का संघर्ष राष्ट्रीय एकता के लिए बाधा पैदा करता है, वैसे ही यह प्रादेशिक समाज में भी अंतर्विरोध पैदा करता है। इस विरोध का निशाना अकसर राजभाषा हिंदी बनती रही है। दक्षिण के राज्यों तमिलनाडु, केरल, आंध्र के भाषायी आंदोलन इसके प्रमाण हैं। हिंदी की अधिकारिता के नाम पर भोजपुरिया समाज की भावनाओं की अवहेलना उन्हें ऐसे ही उग्र आंदोलन के लिया उकसा सकता है। सवाल है कि क्या सरकार इनकी सुध तभी लेगी जब दक्षिण भारत की तरह पूर्वांचल और बिहार में अपनी भाषा के सम्मान के लिए दंगे- फसाद पर उतार आएंगे। ऐसे में, देश को भोजपुरी भाषियों के संवैधानिक आस्था और संयम की भी प्रशंसा करनी चाहिए जिन्होंने अपने वाचिक विधायी अधिकार के हेतु हिंसा और भयादोहन का सहारा नहीं लिया। किन्तु कटु यथार्थ है कि भोजपुरी हिंदी के सर्वांगीण प्रसार के समक्ष अपनी जीवंत संवेदना के प्रतिरोध से आज तक स्वतंत्र अस्तित्व कायम किये हुए है, जो अब खतरे में दिख रहा है। जिन्होंने ये प्रश्न किया है कि भोजपुरी का क्या शैक्षाणिक उपयोग है उनसे पहले ये प्रश्न किया जाना चाहिए कि डोगरी, नेपाली आदि भाषाएँ जो संवैधानिक सूची में दर्ज हैं, उनका क्या उपयोग है या यूजीसी के पाठ्यक्रम में शामिल बाकी सैकड़ो विषयों की किसी व्यक्ति के जीवन में क्या उपयोगिता है? उन्हें ये भी जानना चाहिए कि उपयोगिता तय करना या बढ़ाना सरकार और सत्ता तंत्र का काम हैं, क्योंकि जब समाज की मातृ भाषा रोजगार और व्यापार की भी भाषा बनेगी तो उसकी राष्ट्रीय उपयोगिता स्वतः सिद्ध होगी। अतः अपनी कार्यात्मक काहिलियत छुपाने के लिए सत्ता तंत्र प्रायोजित बुद्धिजीवियों द्वारा ऐसे ओछे तर्क नहीं दिये जाने चाहिए। आज काशी हिंदू विश्वविद्यालय, शकुंतला मिश्रा पुनर्वास विवि, वीर कुंअर सिंह वि.वि., इंदिरा गांधी राष्ट्रीयमुक्त वि.वि., नालंदा ओपन यूनिवर्सिटी, दिल्ली विश्वविद्यालय, मगध विश्वविद्यालय, जेपी विश्वविद्यालय, छपरा जैसे देश के लगभग दर्जन भर से अधिक विश्वविद्यालयों में भोजपुरी से जुड़े पाठ्यक्रम चल रहे हैं लेकिन इस भाषा से सम्बंधित और आधारित रोजगार और व्यवसाय के भविष्य पर भी सत्ता तंत्र मौन रहे हैं और यदि सवाल भाषा बोलने वालों की संख्या पैमाना हैं तो आठवीं अनुसूची में शामिल मैथिली, सिंधी, डोगरी और नेपाली,कोंकणी जैसी लगभग दस भाषाओं के बोलने वालों से भोजपुरी भाषियों की संख्या कही अधिक है तो फिर भोजपुरी को संवैधानिक अधिकार से वंचित करने के पीछे क्या तर्क शेष रहता है?

देश ने अपना खोया गौरव हासिल किया



उपलब्धि

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ पत्रकार

साल अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब शायद ही किसी ने सोचा था कि वे एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे वजहें भी थीं। मोदी का गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य को चार मुख्यमंत्रियों को देखना पड़ा था। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं थे और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पर्दे के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित हो चुके थे।

इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का वे लोहा मनवा चुके थे। लेकिन मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत बन चुके हैं। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा। किसी शख्सियत के जरिए शुरू पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और सर्वस्वीकार्यता कम ही मिलती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिल जाता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं हो रही थीं, जैसे आज मोदी के कई कदमों की कटु आलोचना उनके वैचारिक विरोधी करते हैं। वैसे भी भारतीय समाज पदधारियों का शुरू में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, समाज उसका कुछ अपवादों को छोड़ प्रशंसक हो जाता है। बीजेपी की ही राजनीति का उदाहरण लें सकते हैं। एक दौर में बीजेपी विरोधियों की नजर में अटल उदार थे और आडवाणी कट्टर। लिहाजा वे आलोचनाओं के केंद्र में थे। लेकिन जैसे ही अटल युग की समाप्ति हुई, आडवाणी उन्हीं विरोधियों की नजर में आदर के पात्र होते गए और मोदी के कटु आलोचकों की संख्या बढ़ती गई। कुछ इसी अंदाज में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में आने वाले दिनों में कोई अन्य नेता उभरा तो हो सकता है कि मोदी बीजेपी विरोधियों की नजर में ही प्रशंसा का पात्र बन जाएं और बीजेपी का दूसरा नेता आडवाणी और मोदी की तरह आलोचनाओं के केंद्र में आ जाए। मोदी की सबसे बड़ी चुनौती खुद की स्वीकार्यता बढ़ाना रही, इसमें वे कामयाब रहे। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा समय तक सत्ता को खुद के इर्द-गिर्द केंद्रीकृत करने में भी सफल रहे हैं। आज भारत की केंद्रीय सत्ता ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी उन्हीं के इर्द-गिर्द केंद्रित है। यह मोदी का दुर्भाग्य रहा कि उनके सत्ता संभालने के महज छह महीने बाद ही राज्य को गोधरा कांड की वजह से भयानक सांप्रदायिक दंगों का सामना करना पड़ा। देश के वामपंथी सोच से प्रभावित स्वयंसेवी संगठनों ने उनके खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा खोल दिया। एक तरह से मोदी को राजनीतिक घृणा का पात्र बनाने की कोशिश की गई। गुजरात दंगों के साथ ही इशरत जहां मुठभेड़ कांड को लेकर उनके खिलाफ सीबीआई जांच हुई। लेकिन मोदी गजब जीवट के धनी

राहुल पर भड़के नितिन नवीन- वे अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे

विदेशी ताकतों के साथ देश को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे, उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे,जनता जवाब देगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

हम देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देशविरोधी ताकतों से सख्ती से निपटेंगे। आप समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने पर उतारू

कांग्रेस आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रही

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने दिल्ली के प्रदर्शन पर कहा कि राहुल गांधी जो कर रहे हैं, भारत का युवा उन्हें देख रहा है। वे देश के संवैधानिक ढांचे को चुनौती दे रहे हैं और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसका जवाब जनता देगी। जिन विदेशी ताकतों के दम पर आप राजनीति कर रहे हैं और भारत को अस्थिर करने की कोशिश कर रहे हैं, उनके मंसूबे कभी कामयाब नहीं होंगे।

भारत सरकार कड़ाई से निपटेगी और आपके मंसूबों को रोकेगी। हम देश के प्रति प्रतिबद्ध हैं। विकसित भारत के सपने को आगे बढ़ाएंगे और देशविरोधी ताकतों से सख्ती से निपटेंगे। आप समर्थित सीजेपी देश में अशांति फैलाने की कोशिश कर रही है।



राहुल देश के संवैधानिक ढांचे को चुनौती दे रहे

विकसित भारत बनाएंगे

नवीन ने एलन मस्क के भारत में स्टारलिंक को लाइसेंस मिलने में देरी को लेकर दिए गए बयान पर राहुल के समर्थन को लेकर निशाना साधा है। मस्क ने उद्योगपति मुकेश अंबानी का जिक्र करते हुए भारत में एकाधिकार को लेकर सवाल उठाए थे। राहुल ने कहा था कि भारत में आपका स्वागत है एलन, दूसरे व्यक्ति के बारे में जानेंगे तो और हैरानी होगी। राहुल के इस रुख पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता देश के आंतरिक मामलों में विदेशी ताकतों को शामिल कर रहे हैं।

रविशंकर ने बोला विपक्ष पर हमला

राहुल इमरजेंसी की बात न कहें, आपकी दादी की बात जगजाहिर हो चुकी



भाजपा ने विपक्ष पर हमला बोला है। भाजपा प्रवक्ता रविशंकर प्रसाद ने कहा कि क्या घुसपैठियों को वोटर बनाना चाहिए? हम प्रदर्शन के नहीं, बल्कि अराजकता के खिलाफ हैं। रविशंकर ने राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि वे इमरजेंसी की बात न करें, क्योंकि उनकी दादी के बारे में पूरी दुनिया जानती है।

देश संसद से चलेगा, सड़कों से नहीं

उन्होंने कहा कि दो बातें साफ हो गई हैं। पहली, भारतीय लोकतंत्र ने अराजकता फैलाने की कोशिशों को नाकाम कर दिया है। दूसरी, देश संसद से चलेगा, सड़कों से नहीं। कल के नतीजे देख लीजिए।

भारत में लोकतंत्र नहीं बचा: प्रियंका



पुलिस द्वारा रोके जाने पर प्रियंका गांधी संविधान की प्रति हाथ में लेकर सड़क पर बैठ गईं और विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने बाद में उन्हें हिरासत में लेकर छत्रसाल स्टेडियम पुलिस स्टेशन पहुंचाया। प्रियंका ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, भारत में अब लोकतंत्र नहीं बचा है। उन्होंने विपक्षी सांसदों के साथ बदसलूकी और बल प्रयोग करने का आरोप लगाया।

24 घंटे में सीजेपी नेताओं की रिहाई नहीं हुई तो करूंगा अनशन: वांगचुक



सीजेपी के प्रदर्शन से जुड़े नेताओं की गिरफ्तारी को लेकर लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक ने केंद्र और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भारत को अघोषित आपातकाल की स्थिति में बताते हुए कहा कि अगर हिरासत में लिए गए नेताओं को कल तक रिहा नहीं किया गया, तो वे अनशन या पदयात्रा शुरू करने पर विचार करने के लिए मजबूर होंगे।

आयोग के समर्थन में 124 पूर्व अधिकारी

जीतते हैं तो व्यवस्था ईमानदार हारने पर धांधली के आरोप क्यों?



सीईसी के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के बीच देश के 124 पूर्व अधिकारियों ने एसआईआर का पुरजोर समर्थन किया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा, भारतीय विदेश सेवा और संबद्ध सेवाओं के 124 पूर्व अधिकारियों ने देश के नागरिकों के नाम खुला पत्र जारी कर ये बात कही है। अधिकारियों ने खुले पत्र में चुनाव आयोग और एसआईआर का समर्थन करते हुए कहा है कि विश्वसनीय सुबूतों के बिना चुनाव में धांधली के आरोप लगाए जाने पर सवाल उठाए हैं। अधिकारियों ने कहा कि भारत की चुनावी व्यवस्था बूथ कैप्चरिंग, मतपेटियों में फर्जी वोट डालने और चुनावी हिंसा के दौर से काफी आगे बढ़ चुकी है। जब आप चुनाव जीतते हैं तो व्यवस्था ईमानदार और हारने पर धांधली वाली हो जाती है।

जो भारत के नहीं उन्हीं का नाम कट रहा: मांझी



केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी जंतर-मंतर के प्रदर्शन को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी पर हमला किया है। मांझी ने कहा कि सीजेपी के लोग अभी नए-नए आए हैं। वे फील्ड तलाश रहे हैं। मांझी ने कहा कि जहां तक चुनाव आयोग का सवाल है तो वह अपना काम कर रहा है। निर्णय सीईसी का होता है। जो भारत के नागरिक नहीं हैं उसी का नाम कट रहा है।

विपक्ष ने कहा

जनता के विरोध की आवाज दबा नहीं सकते: राउत



शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि यह जनता का विरोध है और वे जनता की आवाज को दबा नहीं सकते। इस देश में क्या हो रहा है? अगर कोई विरोध करने के लिए देश की राजधानी पहुंचना चाहता है, तो क्या यहां ब्रिटिश शासन लागू है? क्या रॉलेट एक्ट लागू कर दिया गया है?

हम देश की युवा ऊर्जा के साथ: अखिलेश



सपा प्रमुख और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री, अखिलेश यादव ने एक्स पर लिखा, किसी के रोके नहीं रुकेगा, अब दिल्ली में देश जुटेगा! हम देश की युवा ऊर्जा के साथ हैं। भाजपा सरकार अगर समझ रही है कि वो ताकत के बल पर जनता को रोक लेगी तो ये उसकी और भी बड़ी भूल साबित होगी। अगर सरकार ने आंदोलनकारियों को रोका तो देश में हर जगह जंतर-मंतर बन जाएगा।

दिल्ली में जैसे युद्ध के हालात हों: थरूर



सीजेपी प्रोटेस्ट के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने एक्स पर लिखा कि पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों की तैनाती ऐसे की गई है, जैसे युद्ध के हालात हों। उन्होंने कहा कि मैं रात 2 बजे के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौटा और मैंने दिल्ली में जो हालात देखे हैं, वैसे हालात पहले कभी नहीं देखे।

लोगों को अधिकार मांगने से रोक नहीं सकते: खरगे



कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रदर्शन और पुलिस कार्रवाई पर कहा है कि सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार 'डरे हुए' हैं। जो लोग डरते हैं वो आज नहीं तो कल मरते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और आरएसएस की कायरता सामने आ गई है। हिरासत, जेल, लाठीचार्ज और पैलेट गन भी लोगों को अधिकार मांगने से नहीं रोक सकते।

खबर संक्षेप

गुजरात पुलिस में पूर्व अग्निवीरों की सीधी एंट्री



अहमदाबाद। राज्य सरकार ने गुजरात में पुलिस विभाग में भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों को बड़ी राहत दी है। गृह विभाग द्वारा जारी संशोधित नियमों के अनुसार अब पुलिस विभाग के निर्दिष्ट वर्दीधारी पदों पर सीधी भर्ती की प्रक्रिया में पूर्व अग्निवीरों को लिखित परीक्षा से भी छूट मिलेगी। इस तरह सरकार ने अब फिजिकल और लिखित परीक्षाओं में छूट दी है।

मिड-डे मील में मिली छिपकली, 15 बच्चे बीमार



भागलपुर। बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज में एक सरकारी स्कूल में मिड-डे मील के खाने में छिपकली मिलने का मामला सामने आया है। घटना कटहरा पंचायत के प्राथमिक विद्यालय आजाद नगर पनसल्ला की है। खाना खाने के बाद करीब 15 बच्चों की तबीयत अचानक बिगड़ गई। सभी बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया है।

मन्नार की खाड़ी में बना डिप्रेशन, 21 राज्यों में अलर्ट



नई दिल्ली। मानसून की विदाई के बाद भी देश के कई हिस्सों में मौसम का मिजाज बिगड़ सकता है। रविवार को दिल्ली से लेकर उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश तक बारिश और तेज हवाओं की संभावना जताई है। मौसम विभाग के मुताबिक कई राज्यों में गरज-चमक के साथ बारिश हो सकती है। विभाग ने कुछ इलाकों में आंधी का भी अनुमान जताया है।

उत्तरकाशी और यमुनोत्री में भूकंप के झटके

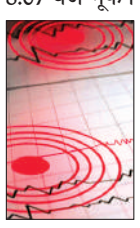

उत्तरकाशी। यहां जनपद मुख्यालय और यमुनोत्री घाटी में 8.07 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। इससे लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। यमुनोत्री घाटी के खरसाली गांव में भी लोगों ने भूकंप के तेज झटके महसूस किए। उत्तरकाशी केंद्र से करीब दो किलोमीटर दूर भूकंप का केंद्र रहा। रिक्टर स्केल पर 4.2 तीव्रता रही।

पीएम ने महिला और बाल विकास पर राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की

महिलाओं और बच्चों की देखभाल, सुरक्षा और सशक्तिकरण पर दिया जोर, 'चिंतन शिविर' लगाकर समग्र विकास पर ध्यान दें

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की।



एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की। विभागीय शिखर सम्मेलनों की श्रृंखला का हिस्सा रहे इस सम्मेलन में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। इसमें पोषण और बचपन की देखभाल, बच्चों की सुरक्षा, महिलाओं की सुरक्षा और सशक्तिकरण तथा बेहतर तालमेल के माध्यम से सेवाओं की पहुंच को मज़बूत करने जैसे विषयों पर गहन चर्चा की गई।

प्रधानमंत्री ने गहन चर्चा की सराहना की और केंद्र तथा राज्यों के बीच मिलकर फ़ैसले लेने के महत्व पर बल दिया। उन्होंने सुझाव देते हुए कहा कि राज्य जिला स्तर और नगर पालिका व महानगर पालिका स्तर पर इसी तरह के 'चिंतन शिविर' आयोजित करके इस मॉडल को आगे बढ़ा सकते हैं। उन्होंने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए भी विशेष 'चिंतन शिविर' आयोजित करने का सुझाव दिया, ताकि वे अनुभव, विचार और व्यावहारिक समाधान एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली के सुषमा स्वराज भवन में महिला और बाल विकास पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय विभागीय शिखर सम्मेलन के समापन सत्र की अध्यक्षता की।

खास बातें

- विवि आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और अध्ययन कर सकते हैं
- महिला सुरक्षा पर विभागों को ऐहतियाती उपायों पर बल दिया

आंगनवाड़ियों को सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनाने का आह्वान



बच्चों को हर हाल में प्रोत्साहित करें

प्रधानमंत्री ने 'जन भागीदारी' पर ज़ोर देते हुए कहा कि आंगनवाड़ी केंद्र को अलग-थलग संस्थान के रूप में काम नहीं करना चाहिए, इसे सामुदायिक भागीदारी का केंद्र बनना चाहिए। परिवारों को भी विशेष अवसरों पर बच्चों के लिए पौष्टिक भोजन, खिलौने और स्थानीय स्तर पर उपयोगी चीज़ें देकर प्रोत्साहित करें।

विवि आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ जुड़ें

प्रधानमंत्री ने विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों से आंगनवाड़ी केंद्रों के साथ और अधिक जुड़ने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय आस-पास के आंगनवाड़ी केंद्रों को गोद ले सकते हैं और सामाजिक प्रभाव से जुड़े अध्ययन कर सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इससे छात्रों को योगदान देने का मौका मिलेगा और सेवा वितरण को बेहतर बनाने के लिए उपयोगी जानकारी भी मिलेगी।

युवा ही 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे

प्रधानमंत्री ने महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और सशक्तिकरण के बारे में बच्चों के लिए उम्र के हिसाब से उपयुक्त मॉड्यूल तैयार करने का सुझाव दिया। मोदी ने अलग-अलग विभागों के प्रयासों को मिलाकर रोकथाम के उपायों पर भी ज़ोर दिया। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि मंत्रालय और राज्यों से जुड़ी ज़िम्मेदारियां सौंपी गई हैं। आज आंगनवाड़ी केंद्रों में पल-बढ़ रहे बच्चे ही आगे चलकर युवा और नागरिक बनेंगे जो 'विकसित भारत' का निर्माण करेंगे।

'स्वच्छता अभियान' को सक्रिय बनाएं

प्रधानमंत्री ने साफ़-सफ़ाई, स्वास्थ्य और पोषण के बीच गहरे संबंध का उल्लेख करते हुए देशभर के महिला एवं बाल विकास विभागों से 'स्वच्छता अभियान' की सक्रिय रूप से ज़िम्मेदारी लेने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि अच्छा स्वास्थ्य और पोषण साफ-सफाई से ही शुरू होता है और आंगनवाड़ी केंद्र तथा आसपास स्वच्छता जरूरी है।

'वोकल फ़ॉर लोकल' को बढ़ावा दें

प्रधानमंत्री ने कहा कि महिला सशक्तिकरण के लिए 'वोकल फॉर लोकल' यानी स्थानीय के लिए मुखर और 'एक ज़िला एक उत्पाद' जैसे राष्ट्रीय आंदोलनों को बढ़ावा दें। महिलाओं के समूह और सामुदायिक संस्थाएं स्थानीय उत्पादों, आजीविका और आर्थिक सशक्तिकरण को मज़बूत करने में महत्वपूर्ण भागीदार बन सकती हैं।

मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर की 13 हजार करोड़ की परियोजना की देंगे सौगात

पीएम मोदी का तमिलनाडु दौरा आज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को चेन्नई के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान पीएम 13,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजना लॉन्च करेंगे। इसमें नया मेट्रो कॉरिडोर, हाईवे में सुधार और पोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर जैसे अहम काम शामिल हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को बताया कि पीएम मोदी पूरी हो चुकी सुविधाओं का उद्घाटन करेंगे, परियोजनाओं को देश को समर्पित करेंगे और नए कामों की आधारशिला रखेंगे। इसमें मेट्रो रेल, हाईवे, रेलवे, पोर्ट, पेट्रोलियम और शिक्षा से जुड़े काम शामिल हैं।



कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे

कामराजार पोर्ट पर, पीएम मोदी कोल बर्थ-ती का उद्घाटन करेंगे और ड्रेजिंग का काम शुरू करेंगे। वह मनाली रिफाइनरी में सीपीसीएल के 1,620 करोड़ रुपए के लुब्रिकेंट बेस स्टॉक परियोजना की आधारशिला रखेंगे, जिसकी सालाना क्षमता 270,000 टन होगी।

पोरुर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे

प्रमुख परियोजना में चेन्नई मेट्रो के फेज दो का 4,900 करोड़ का पूनामल्ली-वडापलानी रूट शामिल है। 3.7 किमी लंबे डबल-डेकर स्ट्रक्चर और ड्राइवरलेस ऑपरेशन के लिए डिजाइन किए गए सिग्नलिंग सिस्टम वाले इस कॉरिडोर से पश्चिमी उपनगरों और शहर के केंद्र के बीच कनेक्टिविटी बेहतर होने की उम्मीद है। पीएम मोदी सुबह 11.30 बजे पोरुर बाइपास से पूनामल्ली बाइपास तक और वापस मेट्रो की सवारी करेंगे। वे जलकंडेश्वर मंदिर जाएंगे और आईआईटी मद्रास में ब्रेन सेंटर का दौरा करेंगे।

नीट फर्जीवाड़े में बड़ी कार्रवाई

बायोमीट्रिक टेंडर लेने वाले को ईओयू ने बिहार से धर-दबोचा

एजेंसी ⏭ पटना

नीट पुनर्परीक्षा 2026 में मूल परीक्षार्थियों की जगह फर्जी अभ्यर्थियों को बैठाने के मामले में आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने प्रमोद कुमार को गिरफ्तार किया है। उसे 9 अक्टूबर को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्रमोद पर लखीसराय में नीट परीक्षा के बायोमीट्रिक सत्यापन का टेंडर लेने और कथित तौर पर फर्जी परीक्षार्थियों को प्रवेश का आरोप है।



सत्यापन की प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका

इस मामले में परीक्षा केंद्र पर पहचान सत्यापन की प्रक्रिया में गड़बड़ी की आशंका है। जांच एजेंसी अब यह पता लगा रही है कि मामले में किन लोगों की क्या भूमिका थी और फर्जी अभ्यर्थियों को परीक्षा में शामिल कराने की व्यवस्था कैसे की गई? 21 जून को लखीसराय के केंद्रीय विद्यालय, खगौर परीक्षा केंद्र पर पुनर्परीक्षा के में मूल अभ्यर्थियों की जगह स्कॉलर के शामिल होने की कोशिश का मामला आया था।

राहुल ने चेन्नई में विद्यार्थियों संग किया 'छात्रों की गूंज'

केंद्र सरकार पर हिंदी भाषा थोपने का लगाया आरोप

एजेंसी ⏭ चेन्नई

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में विद्यार्थियों के साथ संवाद किया। 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम में उन्होंने तमिल संस्कृति, भाषा, इतिहास, लोकतंत्र और शिक्षा जैसे मुद्दों पर बात की। राहुल ने कहा कि वे जब भी तमिलनाडु आते हैं, कुछ नया सीखकर लौटते हैं। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की समस्याओं को सुनना और उनके विचारों को समझना है। उन्होंने सवाल पूछने, अपनी भाषा और इतिहास को समझने तथा बिना सोचे-समझे किसी बात को स्वीकार नहीं करने पर जोर दिया।

विद्यार्थियों की समस्याओं को सुना, शाह को भी घेरा



अन्य भाषाओं पर हमले किए जा रहे

राहुल ने आरोप लगाया कि तमिल संस्कृति, भाषा और इतिहास पर हमले हो रहे हैं। सरकार के लिए तमिल संस्कृति और इतिहास को दूसरे दर्जे पर रखा जा रहा है। राहुल ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जिक्र करते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने तमिलनाडु में हिंदी थोपने की बात कही है। समाज की भाषा, संस्कृति और इतिहास उसकी पहचान का आधार हैं।

लोकतंत्र में मिला सवाल पूछने का अधिकार

राहुल ने कहा कि लोकतंत्र लोगों को सवाल पूछने का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में नागरिक अपने वोट के जरिए तय करते हैं कि सत्ता किसके हाथ में रहेगी? आज लोगों के वोट, संस्कृति और सवाल पूछने की जिज्ञासा पर हमला हो रहा है।

राहुल और विजय ने की सियासी चर्चा

शनिवार को चेन्नई में राहुल और तमिलनाडु के सीएम सी. जोसेफ विजय ने कुछ अच्छा समय बिताया। चेन्नई के बाहरी इलाके नीलांकरई में अपने घर के बाहर विजय मुस्कराते हुए राहुल का स्वागत करने के लिए मौजूद थे। राहुल एक मीटिंग के लिए वहां पहुंचे थे जो एक घंटे तक चली। दोनों ने राजनीतिक चर्चा की।



समुद्री निगरानी और सुरक्षा क्षमता होगी मजबूत

अत्याधुनिक गश्ती पोत 'श्रेयस' लॉन्च समुद्री लूट और घुसपैठ करेगा नाकाम

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारतीय नौसेना की समुद्री निगरानी और सुरक्षा क्षमता को मजबूती देने की दिशा में कोलकाता स्थित गार्डनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (जीआरएसई) ने शनिवार को अगली पीढ़ी के अपतटीय गश्ती पोत 'श्रेयस' का जलावतरण किया। यह भारतीय नौसेना के लिए जीआरएसई द्वारा निर्मित चार पोतों की शृंखला का तीसरा युद्धपोत है।

- अगली पीढ़ी का अपतटीय गश्ती पोत (एनजीओपीवी)
- 'संघमित्रा' और 'श्रुति' के बाद यह तीसरा गश्ती पोत
- पांच महीने से कम समय में तीन गश्ती पोत जलावतरण
- गार्डनरीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने निर्माण किया
- अभी पोत समुद्र में विभिन्न परीक्षण के दौर से गुजरेगा
- परीक्षण प्रक्रिया पूरी होने के बाद नौसेना को सौंपा जाएगा
- पोत में अत्याधुनिक सेंसर और अन्य उपकरण लगाए गए
- गश्ती पोत 113 मीटर लंबा और 14.6 मीटर चौड़ा
- वजन 3000 टन और अधिकतम गति 23 नाट समुद्री मील

समुद्री डकैती विरोधी, घुसपैठ और संदिग्ध जहाज रोकेगा

खोज एवं बचाव, मानवीय सहायता में कारगर



भारतीय नौसेना के उप प्रमुख वाइस एडमिरल अजय कोचर और उनकी पत्नी रेयमान कोचर ने पारंपरिक रूप से युद्धपोत का जलावतरण व इसका नामकरण किया

खबर संक्षेप

रियासी में 4 संदिग्ध दिखे, तलाश जारी

रियासी। रियासी जिले के रड्डु पुल क्षेत्र में तीन से चार संदिग्धों को



देखे जाने की सूचना के बाद पुलिस ने तलाशी अभियान चलाया। शुक्रवार रात शुरू हुआ अभियान शनिवार को भी जारी रहा। इस दौरान रड्डु पुल के साथ लगते धरान और ठाकरा कोट क्षेत्र के जंगलों को भी खंगाला गया, लेकिन कोई संदिग्ध हाथ नहीं लगा।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा, 9 की मौत

इंफाल। मणिपुर के नागा-बहुल कामजोंग जिले के कुकी-बहुल



चसाड गांव में एक महिला को शुक्रवार रात गर्दन के पास गोली मार कर हत्या कर दी। इसके बाद कुकी और नागा हथियारबंद गुटों के बीच गोलीबारी शुरू हो गई जिसमें 9 लोगों की मौत हो गई। इस दौरान 10 घरों में आग भी लगा दी गई।

भारतीय मूल के युवक को 20 साल की जेल

पेरिस। फ्रांस की राजधानी पेरिस की एक अदालत ने शुक्रवार को 29



वर्षीय भारतीय रोहन राणे को 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। उस पर कम उम्र की लड़कियों को यौन गतिविधियों के लिए मजबूर करने वाले पुरुष समर्थक समूह का नेतृत्व करने का आरोप था। आरोपी का मुकदमा सोमवार को अदालत में शुरू हुआ था।

पेंसिल्वेनिया में फायरिंग 9 लोगों की मौत

एरी। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य के एरी शहर में शुक्रवार को

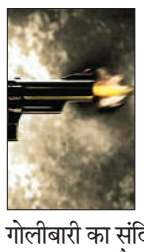

हुई गोलीबारी में नौ लोगों की मौत हो गई। राज्य के गवर्नर जोश शापिरो ने शनिवार को यह जानकारी दी। गोलीबारी का संदिग्ध हमलावर भी मृत पाया गया है। एरी के पुलिस प्रमुख रिक लोराह ने कहा कि एरी शहर ने पहली बार इतने लोगों की मौत और इतनी तबाही देखी।

यूएन में भारत की पाक को दो टूक

परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेंगे, आतंकियों को मारेंगे

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

भारत ने संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में पाकिस्तान को कड़ा संदेश देते हुए कहा कि भारत परमाणु धमकी के आगे नहीं झुकेगा। संयुक्त राष्ट्र महासभा की निरस्त्रीकरण और अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी प्रथम समिति की बैठक में भारत ने पाकिस्तान के जम्मू-कश्मीर का मुद्दा उठाने के बाद जवाब दिया।



अनमोल सिंह बेदी

जिनेवा में निरस्त्रीकरण मामलों के वरिष्ठ सलाहकार अनमोल शेर सिंह बेदी ने कहा कि जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति के पक्ष में रहा है।

उसकी सैन्य क्षमताएं रक्षात्मक हैं और देश की सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से तय की गई हैं। ये किसी दूसरे देश के खिलाफ नहीं हैं। बेदी ने कहा कि परमाणु हथियारों को सामान्य राजनीतिक हथकंडे की तरह इस्तेमाल करना खतरनाक है। उन्होंने कहा कि परमाणु हथियारों की धमकी देकर आतंकवाद जैसी गतिविधियों पर जवाबी कार्रवाई को सीमित करने की कोशिश से तनाव कम नहीं होता, बल्कि उसके बढ़ने का खतरा पैदा होता है। भारत ने यह भी कहा कि क्षेत्र में संकट पैदा होने का एक बार-बार दोहराया जाने वाला तरीका रहा है।

पाक निर्दोष नागरिकों की हत्याएं कर रहा

यूएन की चौथी समिति में उपनिवेशवाद से जुड़े मुद्दे पर पाकिस्तान के प्रतिनिधि के बयान के जवाब में महिमा कुमारी ने कहा कि पाक यूएन के मंच का इस्तेमाल जम्मू-कश्मीर को लेकर झूठ और गलत जानकारी फैलाने के लिए कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले कुछ महीनों में पाकिस्तानी सशस्त्र बलों और उनके सहयोगियों ने अपने बुनियादी अधिकारों, आजादी और जरूरी सुविधाओं की मांग कर रहे दर्जनों निर्दोष नागरिकों की हत्या की है। पाकिस्तान में सैन्य तानाशाही, चुनावों में धांधली, लोकप्रिय निर्वाचित नेताओं को जेल में डालने, धार्मिक कट्टरपंथ और सरकारी नीति के तौर पर आतंकवाद को बढ़ावा देने का रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र के मंच पर उपदेश देने से बचने की सलाह दी।



यूएन प्रभावी व्यवस्था बनाए



प्रिया सरोज ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र की छठी समिति में एजेंडा आइटम 75 पर भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य दिया। यह मुद्दा यूएन के अधिकारियों और मिशन पर तैनात विशेषज्ञों की आपराधिक जवाबदेही से जुड़ा था। उन्होंने कहा कि भारत कर्मचारियों के आपराधिक आचरण और कदाचार के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाता है। उन्होंने जवाबदेही तय करने के लिए यूएन और सदस्य देशों के बीच मजबूत सहयोग तथा प्रभावी व्यवस्था बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया।

यूक्रेन को सहायता देने वाले अमेरिका ने रूस से मिलाया हाथ

मॉस्को से डीजल खरीदने की डील, यूएस सीनेटर बोले- यह शर्मनाक, कानून विरोधी

रूस पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून के सह-लेखक और अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने इस फैसले को शर्मनाक बताते हुए कहा कि इससे यूक्रेन के खिलाफ रूस की जंग को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल सकती है

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन को हथियारों की मदद करने और रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत-चीन सहित अन्य कई देशों पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा करने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से डीजल खरीदने के समझौते को लेकर अपने ही घर में आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। रूस पर प्रतिबंध लगाने से जुड़े कानून के सह-लेखक और अमेरिकी सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल ने इस फैसले को शर्मनाक बताते हुए कहा कि इससे यूक्रेन के खिलाफ रूस की जंग को अप्रत्यक्ष रूप से मदद मिल सकती है। ब्लूमेंथल ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में ट्रंप से रूस के साथ हुए समझौते को तुरंत रद्द करने की मांग की। उन्होंने उन अमेरिकी तेल कंपनियों को भी चेतावनी दी, जो रूस के साथ इस समझौते के तहत कारोबार करने पर विचार कर रही हैं।

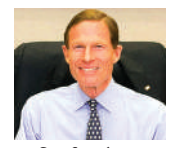

रिचर्ड ब्लूमेंथल

ब्लूमेंथल ने अपने बयान में ईरान में ट्रंप की सैन्य नीति की भी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस के साथ डीजल समझौता ईरान में युद्ध के कारण पैदा हुई समस्याओं को कम करने का प्रयास है, लेकिन इससे चीन और रूस की अर्थव्यवस्थाओं को फायदा हो सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस समझौते से यूक्रेन में और लोगों की जान जाने का खतरा बढ़ सकता है। हालांकि, इस फैसले पर ब्लूमेंथल ने सवाल उठाए। उनका कहना है कि रूस पर प्रतिबंधों में ढील देने से यूक्रेन के खिलाफ युद्ध को लेकर अमेरिका की नीति कमजोर पड़ सकती है।

- यूएस ईंधन की कीमतों को नियंत्रित करना चाहता
- रूस से 48 लाख टन डीजल खरीदेगा अमेरिका
- रूस तुरंत 3 लाख टन डीजल की आपूर्ति करेगा



व्लादिमीर पुतिन और डोनाल्ड ट्रंप फाइल फोटो

ट्रंप-पुतिन बातचीत के बाद हुआ समझौता

ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर कहा कि उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ फोन पर बातचीत में यह डील की। इसका उद्देश्य बढ़ती ईंधन कीमतों को नियंत्रित करने के लिए अमेरिकी और वैश्विक बाजारों में डीजल की उपलब्धता बढ़ाना बताया गया। ट्रंप ने घोषणा की कि रूस तुरंत 3 लाख टन से अधिक डीजल की आपूर्ति करेगा, जिसके बाद नवंबर में अतिरिक्त 5 लाख टन और उसके तुरंत बाद 10 लाख टन डीजल की आपूर्ति होगी। उन्होंने लिखा कि रूस उसके बाद कम समय में अतिरिक्त 30 लाख टन डीजल की आपूर्ति करेगा।

नया फैसला कानून के विपरीत

रिचर्ड ब्लूमेंथल ने दिवंगत रिपब्लिकन सीनेटर लिंडसे ग्राहम के साथ मिलकर रूस और ईरान पर प्रतिबंध लगाने से संबंधित कानून तैयार किया था। इस कानून को अमेरिकी कांग्रेस के दोनों सदनों में भारी बहुमत से मंजूरी मिली थी। इस कानून के तहत राष्ट्रपति को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों पर 100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार दिया गया था। ब्लूमेंथल ने नए फैसले को इसी कानून की भावना के विपरीत बताया। यह अमेरिका की राष्ट्रीय छवि को नुकसान पहुंचाएगा।

यूक्रेन युद्ध खत्म कराने के लिए मियामी में बातचीत

अमेरिका, यूक्रेन और यूरोपीय देशों के वार्ताकारों ने शुक्रवार को मियामी में छह घंटे तक बातचीत की। इसका मकसद यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए एक साझा प्रस्ताव तैयार करना है। आने वाले कुछ हफ्तों में इस प्रस्ताव पर सहमति बनाने की कोशिश है और इसे रूस के सामने रखा जा सकता है। बातचीत में अमेरिका की ओर से ट्रंप के दूत स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर शामिल हुए। उनके साथ यूक्रेन, यूरोपीय देशों और नाटो के प्रतिनिधियों ने भी हिस्सा लिया। बैठक में युद्ध के बाद यूक्रेन की सुरक्षा के लिए अमेरिका और यूरोप की गारंटी, उसकी अर्थव्यवस्था को दोबारा खड़ा करने की योजना और यूरोपीय संघ में शामिल होने की राह पर चर्चा हुई। इसके अलावा, क्षेत्रीय विवाद और यूरोप-रूस के बीच भविष्य की सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दे भी उठे।

रूसी हवाई हमले में 11 की मौत: *यूक्रेन के जापोरिज्जिया इलाके में रूसी हमलों में कम से कम 11 लोग मारे गए हैं। क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख मिखाइलो सेमिकिन ने शनिवार को बताया कि जापोरिज्जिया में रिहायशी इमारतों पर रूसी हवाई बम गिरने से 11 लोगों की मौत हो गई।*

सारा पैसा युद्ध में इस्तेमाल होगा



यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने ट्रंप के इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा कि यह सारा पैसा लोगों के खिलाफ, यूक्रेन के खिलाफ युद्ध में जाता है। मेरा मानना है कि हमारी टीम का इस्तेमाल सिर्फ ध्यान भटकाने के लिए किया जा रहा है। यह निश्चित रूप से उचित नहीं है।

'तरंग शक्ति' में सारंग टीम ने दिखाए करतब



प्रतिभागियों से मिलते (इनसेट में) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

भविष्य के रक्षा संबंधों का आधार आपसी भरोसा

जयपुर। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को वायुसेना केंद्र में 'अभ्यास तरंग शक्ति 2026' के दूसरे संस्करण के प्रतिभागियों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि अलग-अलग देश, अलग-अलग विमान, अलग-अलग अनुभव, लेकिन एक ही आसमान। यही 'तरंग शक्ति' का संदेश है। भारतीय वायु सेना (आईएएफ) द्वारा 26 सितंबर से 12 अक्टूबर 2026 के दौरान आयोजित इस बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास में सात मित्र देशों (एफएफसी) - ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, फ्रांस, जर्मनी, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात और संयुक्त राज्य अमेरिका की वायु सेनाओं के साथ-साथ 32 प्रेक्षक देश भी शामिल हुए। उन्होंने कहा कि भविष्य के रक्षा संबंधों का आधार आपसी भरोसा ही होगा।

उद्देश्य यूरोपीय देशों के साथ संबंधों को मजबूत बनाना

12 से 15 अक्टूबर तक साइप्रस और ग्रीस के दौरे पर रहेंगे रक्षा सचिव

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर जारी सैन्य संघर्षों के बीच रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह 12 से 15 अक्टूबर तक साइप्रस और ग्रीस की यात्रा करेंगे। इस दौरान दोनों देशों में होने वाली उनकी चर्चाओं में समुद्री सुरक्षा और रक्षा औद्योगिक सहयोग जैसे मुद्दे मुख्य रूप से शामिल किए जाएंगे। रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि 12 से 13 अक्टूबर तक रक्षा सचिव साइप्रस में रहेंगे। जहां वह अपने समकक्ष के अलावा साइप्रस के राजनीतिक नेतृत्व से भी मुलाकात करेंगे। यात्रा



के दूसरे पड़ाव के रूप में सिंह ग्रीस पहुंचेंगे। वहां उनकी ग्रीस के वरिष्ठ सैन्य और रक्षा क्षेत्र से जुड़े अधिकारियों के साथ बातचीत होगी। यूरोप के इन दोनों देशों की रक्षा सचिव की यह यात्रा एक प्रकार से भारत की यूरोपीय संघ के देशों के साथ अपने संबंधों को और अधिक मजबूत बनाने को लेकर प्रदर्शित की जा रही प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

हेमकुंड साहिब के कपाट बंद

3.84 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका, शब्द कीर्तन हुआ

एजेंसी ▶▶ चमोली

सिखों के पवित्र तीर्थ हेमकुंड साहिब के कपाट शनिवार को साल की अंतिम अरदास के साथ शीतकाल के लिए बंद कर दिए गए। इस वर्ष धाम में रिकॉर्ड 3,84,573 से अधिक श्रद्धालुओं ने मत्था टेका।

कपाट बंद होने के ऐतिहासिक पल का साक्षी बनने के लिए करीब चार हजार श्रद्धालु मौजूद रहे। पाकिस्तान से आए 40 सदस्यीय सिख श्रद्धालुओं के जत्थे ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। बर्फबारी के बाद सफेद चादर



में लिपटे धाम तक श्रद्धालु बर्फीले रास्तों से पहुंचे और अंतिम अरदास में शामिल हुए। सुबह दस बजे सुखमनी साहिब के पाठ के साथ कपाट बंद करने की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद शब्द कीर्तन हुआ। दोपहर 12:30 बजे अंतिम अरदास और एक बजे हुक्मनामा लिया गया।

फ्लाईदुबई घटना में जांच के बाद यूएई के अटॉर्नी-जनरल का दावा

प्राइवेट कोच से बॉक्सिंग की ट्रेनिंग ली थी

9/11 हमले से प्रेरित था को-पायलट निशाने पर था 'तेल अवीव' एयरपोर्ट

एजेंसी ▶▶ अबू धाबी

यूएई के अटॉर्नी-जनरल डॉ. हमद सैफ अल शम्सी ने कहा कि 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 से जुड़ी घटना की जांच से पता चला है कि विमान के ओमानी को-पायलट ने कथित तौर पर विमान पर कब्जा करने और उसे तेल अवीव के बेन गुरियन एयरपोर्ट के पैसेंजर टर्मिनल से टकराकर ज्यादा से ज्यादा लोगों की जान लेने के मकसद से एक आतंकवादी हमले की योजना बनाई थी। यह जानकारी यूएई की सरकारी समाचार एजेंसी डब्लूएएम के अनुसार है।



डॉ. हमद सैफ अल शम्सी

एनआईए करेगी स्मित पर हुए हमले की जांच

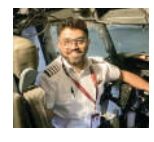

नई दिल्ली। 30 सितंबर को फ्लाईदुबई की फ्लाइट एफजेड1073 के कॉकपिट में भारतीय कैप्टन स्मित मच्छर पर हुए जानलेवा हमले की जांच अब नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) करेगी। अधिकारियों ने शनिवार को बताया केंद्र सरकार के निर्देश पर एनआईए ने एंटी-हाइजाकिंग एक्ट, 2016 की धारा 3 और गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) की सख्त धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। सरकार के अनुसार, यात्री विमान को हाईजैक या क्रैश कराने की कोशिश के चलते एनआईए से जांच कराना आवश्यक हो गया था। हालांकि, एफआईआर में हमले के सटीक मकसद या किसी अन्य साजिशकर्ता का जिक्र नहीं है।

2017 में पढ़ाई के दौरान कट्टरपंथी विचारधारा से जुड़ा

यूएई के अटॉर्नी-जनरल ने कहा कि 29 वर्षीय संदिग्ध ने 30 सितंबर, 2026 को दुबई से तेल अवीव जाने वाली फ्लाइट के दौरान इस कथित साजिश को अंजाम देना शुरू किया था। जांच में संदिग्ध की विचारधारा और पेशेवर बैकग्राउंड का पता लगाया गया और पाया गया कि उसके कथित तौर पर कट्टरपंथी बनने के संकेत सबसे पहले 2017 में मिले थे, जब वह ऑस्ट्रेलिया में पढ़ाई कर रहा था। उस दौरान, वह चरमपंथी साहित्य और आतंकवादी संगठनों व आत्मघाती हमलों का महिमामंडन करने वाले ऑनलाइन कंटेंट से प्रभावित हुआ था।

हिंसा और आतंकवाद के विचारों को अपनाया: अटॉर्नी-जनरल ने कहा कि बाद में संदिग्ध ने हिंसा और आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले विचारों को अपना लिया और 11 सितंबर, 2001 को अमेरिका में हुए हमलों से प्रेरणा ली।

संदिग्ध ने जुर्म कबूल किया

अटॉर्नी-जनरल ने कहा कि संदिग्ध ने अपने वकील की मौजूदगी में और कानूनी तौर पर जरूरी सुरक्षा उपायों के साथ अपना जुर्म विस्तार से कबूल किया है। उसने अपने मकसद और योजना बनाने व उसे अंजाम देने के चरणों के बारे में बताया और माना कि उसने यह सब अकेले ही किया था। हालांकि, जांचकर्ता उसके दावे की पुष्टि कर रहे हैं और इसमें किसी साथी या अन्य लोगों की मिलीभगत की संभावना की भी जांच कर रहे हैं।

2020 दिल्ली दंगा

पूर्व आप पार्षद ताहिर एक और केस में दोषी करार, 12 सह-आरोपी बरी



कोर्ट से बाहर निकलता ताहिर हुसैन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वर्ष 2020 के उत्तर-पूर्वी दिल्ली दंगों से जुड़े दयालपुर थाना क्षेत्र के एक मामले में दिल्ली की एक अदालत ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को दंगे के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराया है। हालांकि, अदालत ने इस मामले में सह-आरोपियों अन्य 12 लोगों को सभी आरोपों से बरी कर दिया है।

शरजील इमाम को करना पड़ा सरेंडर

दिल्ली दंगों की साजिश के मामले में आरोपी शरजील इमाम को शादी में शामिल होने के लिए मिली अंतरिम जमानत के दौरान मीडिया से संपर्क करना भारी पड़ा। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने शनिवार, 10 अक्टूबर को माना कि शरजील ने जमानत की शर्त का प्रथम दृष्टया उल्लंघन किया है। इसके बावजूद कोर्ट ने उनकी जमानत रद्द नहीं की, क्योंकि वह सरेंडर करने के लिए पहले ही निकल चुके थे। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर बाजपेयी ने दिल्ली पुलिस की उस याचिका पर सुनवाई करते हुए यह आदेश दिया, जिसमें शरजील की अंतरिम जमानत रद्द करने की मांग की गई थी।



अगली सुनवाई 16 नवंबर को

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश प्रवीण सिंह ने ताहिर हुसैन को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 147 (दंगे के लिए सजा) और धारा 109 (उकसाने) के तहत दोषी करार दिया है, जबकि अन्य आरोपों से उन्हें बरी कर दिया गया। अदालत ने ताहिर हुसैन की सजा की अवधि पर दलीलें सुनने के लिए आगामी 16 नवंबर की तारीख तय की है। मामले का विस्तृत आदेश आना अभी बाकी है।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व में लघु फिल्म 'ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' की गई रिलीज

वन और वन्य जीव केवल प्राकृतिक संपदा ही नहीं, अमूल्य विरासत भी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने वन्य प्राणी सप्ताह के समापन अवसर पर वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, मोहली में वन और वन्य प्राणी संरक्षण के लिये वन कर्मियों के समर्पण को प्रदर्शित करती लघु फिल्म 'ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' को रिलीज किया।

बांधवगढ़ के घने वन, बाघों की स्वच्छंद गतिविधियां और अनूठा प्राकृतिक सौंदर्य पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, लेकिन प्रकृति की इस संपदा को सुरक्षित रखने के लिए जो वनकर्मी कठिन परिस्थितियों में दिन-रात काम करते हैं, उनकी कहानियां अक्सर अनकही रह जाती हैं। इन्हीं पहलुओं को लघु फिल्म 'ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' में दर्शाया गया है। समारोह में फिल्म का एक अंश भी प्रदर्शित किया गया।

फिल्म में है बाघों की दुनिया के लिए वनकर्मियों के समर्पण की कहानी



समाज की भागीदारी और जागरुकता आवश्यक : सीएम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फिल्म की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास वन्य जीव संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा कि वन और वन्य जीव केवल प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य विरासत हैं। इनके संरक्षण के लिए समाज की भागीदारी और जागरूकता आवश्यक है। नियमित गश्त, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा, वन्य जीवों के स्वास्थ्य की देखभाल और मानव-वन्य जीव संघर्ष की आशंकाओं पर नजर रखना भी इसकी अहम जिम्मेदारियां हैं।

वन्य जीव संरक्षण में जुटे वन अमले की भूमिका

फिल्म वनों के इसी पक्ष से दर्शकों को परिचित कराएगी, जिसे सामान्य पर्यटक अक्सर नहीं देख पाते। लगभग 13 मिनट 13 सेकंड की यह फिल्म बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के प्राकृतिक सौंदर्य, गौरवशाली इतिहास, समृद्ध जैव विविधता और बाघों के जीवन के साथ वन्य जीव संरक्षण में जुटे वन अमले की भूमिका को दर्शाती है। बांधवगढ़ जैसे बाघ बहुल क्षेत्र में संरक्षण केवल वन्य जीवों की निगरानी तक सीमित नहीं है।

संरक्षण के प्रति जागरुकता बढ़ाने का प्रयास

'ए डे इन द लैंड ऑफ टाइगर्स' का निर्माण 'उड़न गिलहरी' कंपनी ने किया है। फिल्म निर्माण में ओजैर और अमन का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। फिल्म से बांधवगढ़ की खूबसूरती के साथ उन वनकर्मियों और मैदानी कार्यकर्ताओं के समर्पण को भी पहचान मिलेगी, जो कठिन परिस्थितियों में इस प्राकृतिक धरोहर की रक्षा कर रहे हैं।

228 अधिकारी-कर्मचारी संभाल रहे वन सुरक्षा की जिम्मेदारी

उमरिया जिला स्थित बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में वन एवं वन्य जीवों के संरक्षण और प्रबंधन के लिए 228 अधिकारी-कर्मचारी दिन-रात तैनात हैं। इनमें क्षेत्र संचालक, उप संचालक, 5 सहायक वन संरक्षक, एक वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी, 10 वन क्षेत्रपाल, 11 उप वन क्षेत्रपाल, 31 वनपाल और 155 वनरक्षक सहित हाथी, महावत दल एवं वाहन चालक शामिल हैं। इनके साथ 101 स्थाईकर्मी, 37 टीपीएफ जवान और 583 ईडीसी श्रमिक भी वन सुरक्षा एवं संरक्षण कार्यों में योगदान दे रहे हैं। दुर्गम वन क्षेत्रों में गश्त, वन्यजीवों की निगरानी और आपात परिस्थितियों में त्वरित कार्रवाई कर यह अमला बांधवगढ़ की प्राकृतिक विरासत को सुरक्षित रखने में जुटा है। संरक्षण व्यवस्था के सुचारु संचालन में क्षेत्र संचालक कार्यालय की टीम भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यहां 32 कर्मचारी प्रशासनिक, वित्तीय, अभिलेखीय और तकनीकी कार्यों के माध्यम से मैदानी अमले को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराते हैं।

कॉलेज प्राध्यापकों एवं पुलिस अधिकारियों के लिए प्रशिक्षक कार्यक्रम का शुभारंभ

युवाओं को कानून, सुरक्षा और जिम्मेदार नागरिकता का पाठ पढ़ाएगी मप्र पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

युवाओं को कानूनों, मौलिक अधिकारों, नागरिक कर्तव्यों, साइबर सुरक्षा, सड़क सुरक्षा तथा सामाजिक सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मप्र पुलिस की सामुदायिक पुलिसिंग शाखा एवं मप्र शासन के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा संयुक्त रूप से 'जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद' पहल प्रारंभ की जा रही है। इसके तहत कॉलेजों एवं विवि में विद्यार्थियों के लिए कार्यशालाओं, संवाद सत्रों के माध्यम से कानून एवं सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी जाएगी।

उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त प्रयासों की रूपरेखा प्रस्तुत

उच्च शिक्षा विभाग के आयुक्त प्रबल सिपाहा ने बताया कि युवाओं को कानून, सुरक्षा एवं नागरिक जिम्मेदारियों की व्यवस्थित जानकारी देने के उद्देश्य से आठ क्रेडिट कोर्स तैयार किए गए हैं। नवीन आपराधिक कानूनों तथा इस पहल के प्रभावी क्रियान्वयन में पुलिस एवं प्राध्यापकों की भूमिका पर विचार रखे।

अजाक्स-सपाक्स पर केस दर्ज कराएगा कर्मचारी परिसंघ

भोपाल। पदोन्नतियों के साथ खिलवाड़ करके कर्मचारी-अधिकारी के मौलिक अधिकारों का हनन करने वाले अजाक्स और सपाक्स संगठनों की मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से शिकायत कर शासकीय कर्मचारी परिसंघ मामला दर्ज कराएंगा। शासकीय कर्मचारी परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पाण्डेय, महासचिव राकेश प्रधान, प्रदेशाध्यक्ष ध्रुव सिंह सिकरवार ने बताया कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों के हितैषी बनने वाले अजाक्स-सपाक्स संगठन पदोन्नतियों को रुकवा कर कोर्ट के कानूनी दांव-पेंचों में उलझाकर उनके मौलिक अधिकारों का हनन कर रहे है। जैसे ही कर्मचारियों और अधिकारियों की पदोन्नति का नंबर आता है। इन दोनों संगठनों के पदाधिकारी हाई कोर्ट जाकर कोर्ट केस का सहारा लेकर कानूनी दांव-पेच में पदोन्नतियों पर रोक लगवा देते है। अजाक्स-सपाक्स कर्मचारियों की पदोन्तियों को कोर्ट के माध्यम से रुकवा कर उनके मौलिक अधिकारों का हनन कर रहे हैं। इन दोनों संगठनों की अनीतिपूर्ण गतिविधियों के कारण ही प्रदेश में हजारों कर्मचारी अधिकारी बिना पदोन्नति ही सेवानिवृत हो गए। कर्मचारी परिसंघ उच्च न्यायालय में इनके विरुद्ध याचिका दर्ज करवा कर मानता रद्द करने की मांग करेंगे।

कर्मचारी हितैषी मुख्यमंत्री ने दी पदोन्नति की सौगातः पाण्डेय

सुशील पाण्डेय ने बताया कि कर्मचारी हितैषी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने वर्ष 2026 में सभी जाति वर्ग धर्म एवं अनारक्षित वर्ग के कर्मचारियों पदोन्नतियां प्रदान की गई है। किसी वर्ग को कोई भी शिकायत नहीं रही है। लेकिन आजाक्स-सपाक्स संगठन अपनी नेतागिरी चमकाने के लिए हाई कोर्ट पहुंच गए हैं। अब समय आ गया है कि कर्मचारियों को मूर्ख बनाकर किसी भी संगठन के पदाधिकारी अपनी नेतागिरी नहीं कर पाएंगे। शासकीय कर्मचारी परिसंघ के आरक्षित एवं अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी सामूहिक रूप से हाई कोर्ट जबलपुर में अक्टूबर में जनहित याचिका लगाएंगे। साथ ही मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर दोनों संगठनों की मान्यता समाप्त करने की मांग की जाएगी।

34 देशों के 100 विदेशी टूर ऑपरेटर्स ने दिखाई गहरी रुचि, 7 नए देशों का हुआ विस्तार

दस वर्षों में 3,963 करोड़ का निवेश, 2027 तक 15 नए फाइव-स्टार होटल्स का विजन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र में तीन दिन तक चले मप्र ट्रैवल मार्ट-2026 में 34 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 100 प्रमुख विदेशी टूर ऑपरेटर्स (एफटीओज) सक्रिय रूप से शामिल हुए। पिछले वर्ष जहां 27 देशों के 90 विदेशी प्रतिनिधि शामिल हुए थे, वहीं इस बार 7 नए देशों का विस्तार हुआ। अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया,और स्पेन सहित विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों ने प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता और स्मारकों का गहन अध्ययन किया, जिससे आने वाले पर्यटन सत्रों में विदेशी पर्यटकों की आमद में भारी बढ़ोतरी तय है।



मिंटो हॉल में ट्रेवल मार्ट में एक्जीबिशन में चर्चा करते निवेशक।

टूर ऑपरेटर हिस्सेदारी से अंतर-प्रादेशिक नेटवर्क सुदृढ़

राष्ट्रीय स्तर पर पर्यटकों के प्रवाह को गति देने के लिए देश के 15 राज्यों से 180 घरेलू टूर ऑपरेटर्स (डीटीओज) ने मार्ट में हिस्सा लिया। वर्ष 2025 के 150 घरेलू टूर ऑपरेटरों की तुलना में इस बार 20 प्रतिशत की ठोस वृद्धि देखी गई। देश के विभिन्न हिस्सों से आए इन प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश के प्रमुख व उभरते पर्यटन केंद्रों को अपने यात्रा कार्यक्रमों में शामिल करने के लिए स्थानीय भागीदारों से अनुबंध किए, जिससे राज्य के लिए एक मजबूत अंतर-प्रादेशिक पर्यटन नेटवर्क स्थापित हुआ।

एक्जीबिशन में 177 स्टॉल्स की आधुनिक आतिथ्य और पारंपरिक हस्तशिल्प की दुनिया

ट्रैवल मार्ट में ट्रैवल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र से जुड़े 177 भव्य स्टॉल्स लगाए गए। इन स्टॉल्स के माध्यम से प्रतिष्ठित होटलों, रिसॉर्ट्स, ट्रैवल एजेंसियों, साहसिक खेल अकादमियों, शिल्पकारों और उभरते हुए ग्रामीण होम स्टे को एक साझा व्यावसायिक मंच मिला। खरीदारों और सेवा प्रदाताओं के बीच संवाद का माध्यम बने पर्यटन उद्योग के संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को एक ही स्थान पर जीवंत कर दिया।

सीहोर के रामगढ़ में एआरएम फूड्स का 848.40 करोड़ का वृहद निवेश का एमओयू

निवेश संवर्धन के क्षेत्र में सबसे बड़ा मील का पत्थर सीहोर जिले के रामगढ़ में स्थापित होने वाली मेगा परियोजना रही, जिसके लिए ए.आर.एम. फूड्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से 848.40 करोड़ के निजी निवेश का एमओयू किया गया। कंपनी के चेयरमैन एवं निदेशक अतुल अग्रवाल के नेतृत्व में प्रस्तावित इस परियोजना में अंतरराष्ट्रीय स्तर का गोल्फ कोर्स, विला, वेलनेस रिसॉर्ट और लक्जरी होटल विकसित किया जाएगा। यह महत्वाकांक्षी उपक्रम क्षेत्र में 920 से अधिक कुशल व अकुशल युवाओं को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगा।

पर्यटक प्रशिक्षण में बड़े निवेश की पहल

ओरछा की धरोहर संरक्षण के लिए एसपीए, नई दिल्ली और 'द्रोणह' की श्रीमती शिखा जैन के साथ एमओयू हुआ। निवेश प्रस्तावों में एटमॉस्फियर ग्रुप ने उज्जैन, इंदौर और वन्यजीव क्षेत्रों में 500 करोड़, रेनी ग्रुप ने मांडू की लुनेरा सराय को 130 करोड़ में 'वेलकम होटल बाय आईटीसी' के रूप में विकसित करने और खजुराहो के कुटनी डैम पर वॉटरफ्रंट रिसॉर्ट सहित 290 करोड़ से अधिक तथा सर्व ग्रुप ने मढ़ई में 'ताज सफारीज' के साथ 100 करोड़ के अल्ट्रा-लक्जरी रिसॉर्ट सहित कुल 300 करोड़ के निवेश प्रस्ताव रखे गए।

प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों को राशि होगी अंतरित

मुख्यमंत्री आज 502 करोड़ रुपए की आरटीई फीस प्रतिपूर्ति राशि करेंगे अंतरित

8 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों को मिलेगा निःशुल्क शिक्षा का लाभ

नरसिंहपुर में सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का होगा लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

सीएम आज नरसिंहपुर में आयोजित कार्यक्रम में शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) के अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2024-25 की फीस प्रतिपूर्ति राशि का सिंगल क्लिक से अंतरण करेंगे। इससे प्रदेश के 20 हजार 456 अशासकीय स्कूलों के खातों में 502 करोड़ रुपए की राशि अंतरित होगी, जिससे 8 लाख 19 हजार से अधिक विद्यार्थियों को निः शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव नरसिंहपुर जिले में 45 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से निर्मित अत्याधुनिक सुविधायुक्त शासकीय सांदीपनि उत्कृष्ट विद्यालय के नवीन भवन का लोकार्पण भी करेंगे। इस अवसर पर स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, स्थानीय जन प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य अतिथियों के साथ ही बडी संख्या विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहेंगे।

अब तक 3,600 करोड़ रुपए की राशि हो चुकी है जारी

शिक्षा के अधिकार से प्रदेश का कोई भी बच्चा वंचित न रहे, इसके लिए प्रदेश सरकार की ओर से शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) अंतर्गत निजी स्कूलों में कक्षा 1 से 8 वीं तक गरीब एवं वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को निःशुल्क प्रवेश दिलाया जा रहा है। इन विद्यार्थियों की फीस की प्रतिपूर्ति सरकार की ओर से सीधे संबंधित निजी स्कूलों को की जाती है। योजना अंतर्गत वर्ष 2011 से अब तक 16 लाख 85 हजार से अधिक विद्यार्थियों की फीस प्रतिपूर्ति के रूप में 3,600 करोड़ रुपए की राशि का भुगतान किया जा चुका है। इससे जरूरतमंद बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

भाजपा महिला मोर्चा ने जलाया राहुल गांधी का पुतला

नारी सम्मान पर कांग्रेस का दोहरा चरित्र उजागरः अश्विनी परांजपे

कांग्रेस के नेताओं से मांगा इस संबंध में जवाब



भाजपा महिला मोर्चा ने किया विरोध प्रदर्शन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने शनिवार को भोपाल स्थित प्रदेश कांग्रेस कार्यालय के समक्ष जोरदार विरोध प्रदर्शन कर दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय की छात्राओं द्वारा कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम पर लगाए गए कथित यौन दुर्व्यवहार के आरोपों तथा विश्वविद्यालय की जांच और कार्रवाई लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे से महिला सम्मान के मुद्दे पर जवाब मांगा। प्रदर्शन के दौरान महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का पुतला जलाया।

प्रदेश अध्यक्ष पटवारी, नेता प्रतिपक्ष सिंघार ने संयुक्त पत्रकार वार्ता में किया भाजपा पर तीखा हमला

कांग्रेस का भाजपा सरकार पर ओबीसी आरक्षण को रोकने की सुनियोजित साजिश का आरोप

सड़क से लेकर संसद और अदालत तक पिछड़े वर्ग के अधिकारों की लड़ाई का ऐलान

विशेष प्रतिनिधि ⏭ भोपाल

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय द्वारा राज्य में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण को निरस्त किए जाने के फैसले के बाद प्रदेश की सियासत गरमा गई है। शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने संयुक्त पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा सरकार पर सुनियोजित साजिश रचने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने ऐलान किया कि पार्टी इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाएगी और पूरी कानूनी लड़ाई का खर्च वहन करेगी। दोनों नेताओं ने दो-टूक कहा कि कांग्रेस सड़क से लेकर संसद और अदालत तक पिछड़े वर्ग के अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ेगी। हाई कोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में वरिष्ठ अधिवक्ताओं के जरिए पुनर्विचार और विशेष अनुमति याचिका दायर की जाएगी।



जीतू पटवारी और उमंग सिंघार ने संयुक्त पत्रकारवार्ता आयोजित की।

सरकार ने नहीं पेश किए मजबूत आंकड़े, तथ्यः उमंग सिंघार

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने भाजपा सरकार पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि राज्य में 50 फीसदी से अधिक आबादी ओबीसी वर्ग की है, लेकिन सरकार ने न्यायालय में जानबूझकर मजबूत आंकड़े और तथ्य पेश नहीं किए। सिंघार ने कहा कि सरकार ने सर्वदलीय बैठक और बड़े-बड़े दावों के नाम पर पिछड़ा वर्ग को केवल गुमराह किया और अंततः उनकी पीठ में छुरा घोंपने का काम किया है। उन्होंने कहा कि इस फैसले से प्रदेश के लाखों युवाओं के शिक्षा और रोजगार के अवसरों पर सीधा कुठाराघात हुआ है।

पटवारी बोले-सरकार ने पैरवी के नाम पर केवल खानापूर्ति की

प्रदेश अध्यक्ष पटवारी ने सरकार की मंशा पर सवाल उठाते हुए कहा कि तत्कालीन कमलनाथ सरकार ने पिछड़े वर्ग के सामाजिक और शैक्षणिक उत्थान के लिए 27 फीसदी आरक्षण लागू किया था, जिसके तहत युवाओं को सरकारी नौकरियों में अवसर भी मिले। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की मंशा कभी भी पिछड़े वर्ग को उनका हक देने की नहीं रही। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने आरक्षण की पैरवी के नाम पर केवल खानापूर्ति की।

मध्यान्ह भोजन लागत राशि को लेकर महिलाओं का प्रदर्शन

आंबेडकर पार्क की बेरिकेडिंग तोड़कर सीएम हाउस कूच, लिंक रोड दो घंटे तक रहा बंद



स्वसहायता समूह की महिलाओं का विरोध-प्रदर्शन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

शनिवार को मध्यान्ह भोजन और सांझा चूल्हा योजना का चार महीने से मानदेय नहीं मिलने से नाराज स्व सहायता समूह की हजारों महिलाओं ने मुख्यमंत्री निवास की ओर कूच किया। इसके बाद वे केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बंगले के सामने घंटों बैठी रहीं। आंबेडकर पार्क से शुरु हुए प्रदर्शन के बाद महिलाओं ने सीएम हाउस की तरफ कूच किया। जिसके बाद वह लिंक रोड नंबर-1 स्थित केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान के बंगले के बाहर बैठ गईं, जिसकी वजह से लिंक रोड की दोनों तरफ दो घंटे तक जाम लगा रहा।

चार महीने बाद मिल रही सांझा चूल्हा की राशि

बघेल ने बताया कि सांझा चूल्हा योजना की राशि तीन से चार महीने की देरी से मिलती है। साथ ही योजना में रसोइया बहनों का मासिक मानदेय 500 रुपए से बढ़ाकर 3 हजार रुपए करने और इसे समूह की लागत राशि से नहीं काटने की मांग की गई है।

एमवीएम ग्राउंड में होगा आयोजन

200 से अधिक स्टॉल पर मिलेंगे स्वदेशी उत्पाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे आकर्षण का केंद्र

राजधानी में 23 से सजेगा 12 दिवसीय विशाल स्वदेशी मेला

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने, स्थानीय कारीगरों एवं उद्यमियों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने और समाज में स्वावलंबन की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से भोपाल में 23 अक्टूबर से 12 दिवसीय विशाल स्वदेशी मेले का आयोजन किया जाएगा।

स्वदेशी जागरण मंच एवं स्वर्णिम भारतवर्ष फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में यह मेला मिंटो हॉल के समीप एमवीएम ग्राउंड में आयोजित होगा। मेले में देशभर के स्वदेशी उत्पादों, भारतीय हस्तशिल्प, दैनिक उपयोग की वस्तुओं, स्थानीय उद्योगों और स्टार्टअप्स के 200 से अधिक स्टॉल लगाए जाएंगे। स्वदेशी मेला



कार्यक्रम की जानकारी देते स्वदेशी जागरण मंच के पदाधिकारी सतीश विश्वकर्मा एवं सीमा भारद्वाज।

संयोजक सतीश विश्वकर्मा ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि मेले का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को आमजन तक पहुंचाने के साथ स्थानीय कारीगरों, बुनकरों, शिल्पकारों तथा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन और विक्रय के लिए बेहतर मंच उपलब्ध कराना है। स्वदेशी मेले में प्रतिदिन सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। स्कूली बच्चों के कार्यक्रमों के साथ युवाओं को स्वदेशी विचार से जोड़ने के लिए नाटक एवं नृत्य प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी।

आयोजन के लिए समिति गठित

मेले के सुचारु संचालन एवं विभिन्न व्यवस्थाओं के लिए आयोजन समिति का गठन किया गया है। सतीश विश्वकर्मा को मेला संयोजक बनाया गया है, जबकि विजय सोनी, दीपक वर्मा एवं रमन तिवारी को सह-संयोजक का दायित्व सौंपा गया है। सीमा भारद्वाज एवं शोभराज सुखवानी को भी प्रमुख जिम्मेदारियां दी गई हैं। आयोजन की विभिन्न व्यवस्थाओं के संचालन के लिए अलग-अलग कार्य समितियां भी गठित की गई हैं। प्रेसवार्ता में इस अवसर पर अखिल भारतीय सह मेला प्रमुख साकेत राठौर भी उपस्थित रहे।

खरीदारी भी स्वदेशी उद्यमियों का सम्मानः सीमा भारद्वाज

स्वदेशी जागरण मंच मध्यभारत प्रांत महिला कार्य प्रमुख एवं मेले के सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिता संयोजक सीमा भारद्वाज ने कहा कि इस मेले का उद्देश्य छोटे से बड़े उद्यमियों को एक मंच देना है। कोशिश है कि दीपक, बाती, हस्तनिर्मित वस्तुएं और स्थानीय उत्पाद बनाने वाले छोटे उद्यमियों के घर भी इस दीपावली समृद्धि और खुशहाली आए। मेले में पंच परिवर्तन, संस्कृति और महापुरुषों पर प्रतियोगिताएं होंगी। विजेताओं को खरीदे गए स्वदेशी उत्पाद उपहार में दिए जाएंगे। शाम 6 से रात 10 बजे तक विद्यालयों, संस्थाओं और विभिन्न भाषाई समुदायों द्वारा लोकनृत्य, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं भारतीय जीवन दर्शन पर आधारित कार्यक्रम होंगे।

खबर संक्षेप



कैडेट्स ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

भोपाल। राजधानी स्थित बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की एनसीसी इकाई द्वारा सेवा संकल्प अभियान के तहत वेस्ट टू वंडर गतिविधि का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. संजय जैन ने बताया कि एनसीसी कैडेट्स ने अनुपयोगी एवं अपशिष्ट सामग्रियों का पुर्नचक्रण एवं पुनः उपयोग कर अनेक आकर्षक और उपयोगी उत्पाद तैयार किए। कैडेट्स द्वारा कागज के थैले (पेपर बैग), पेन होल्डर, सजावटी फैंसी चूडिय़ां, प्लांट होल्डर, फ्लावर पॉट सहित विभिन्न सजावटी एवं उपयोगी वस्तुएं बनाकर पर्यावरण के अनुकूल विकल्प अपनाने का संदेश दिया।

आज से विंध्याचल स्टेशन पर रुकेंगी 12 ट्रेनें



भोपाल। शारदीय नवरात्र मेले में मां विंध्यवासिनी के दर्शन के लिए जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा को देखते हुए रेलवे ने विंध्याचल स्टेशन पर 12 ट्रेनों को अस्थायी ठहराव देने का निर्णय लिया है। ये ट्रेनें 11 से 26 अक्टूबर तक स्टेशन पर दो-दो मिनट रुकेंगी। रेलवे के अनुसार, लोकमान्य तिलक टर्मिनस-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस एलटीटी-डिब्रूगढ़ एक्सप्रेस एलटीटी-गुवाहाटी एक्सप्रेस भागलपुर-एलटीटी एक्सप्रेस बेंगलुरु-दानापुर एक्सप्रेस और एलटीटी-बनारस एक्सप्रेस को यह सुविधा दी गई है। इन ट्रेनों के विंध्याचल पहुंचने और रवाना होने का समय अलग-अलग निर्धारित किया गया है। यात्रियों को यात्रा से पहले संबंधित ट्रेन का समय जांचने की सलाह दी गई है। रेलवे ने मेला अवधि के दौरान मैहर स्टेशन से गुजरने वाली सभी ट्रेनों पर 30 किलोमीटर प्रति घंटे का गति प्रतिबंध भी लागू किया है।

राजाभोज एयरपोर्ट पर स्वच्छता, पेयजल, डिजी यात्रा, दिव्यांगों बच्चों के लिए सुविधाओं को और अधिक बनाया जाएगा बेहतर

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

राजाभोज एयरपोर्ट पर 17 सितंबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित यात्री सेवा अभियान का शनिवार को समापन हुआ। अभियान के दौरान यात्रियों को सुरक्षित, सुगम और आरामदायक यात्रा अनुभव उपलब्ध कराने के लिए एयरपोर्ट पर उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की गई तथा उनमें सुधार पर जोर दिया गया।

विमानपत्तन निदेशक आलोक त्रिपाठी ने समापन अवसर पर फ्रंटलाइन स्टाफ से संवाद कर उनके प्रयासों की सराहना की और यात्रियों को बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रोत्साहित किया।

17 सितंबर से 10 अक्टूबर तक आयोजित यात्री सेवा अभियान का समापन



यात्रियों को स्वच्छ टर्मिनल, साफ वॉशरूम मिलेगा

अभियान के तहत यात्रियों को स्वच्छ टर्मिनल, साफ वॉशरूम, बैठने की बेहतर व्यवस्था, पेयजल, स्पष्ट दिशा-सूचक संकेतक और सहायता हेल्पडेस्क जैसी सुविधाएं बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया गया। दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष सहायता, बच्चों वाले परिवारों के लिए बेबी-केयर रूम, बेबी स्ट्रॉलर और बच्चों के खेलने के क्षेत्र की भी समीक्षा की गई।

आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों का लिया जायजा लेकर व्यवस्था सुधारने पर जोर दिया

डिजी यात्रा के उपयोग में सहायता, यात्रियों की शिकायतों के त्वरित समाधान, पार्किंग और यातायात प्रबंधन, चिकित्सा सहायता, प्राथमिक उपचार, एम्बुलेंस तथा आपातकालीन सेवाओं की तैयारियों का जायजा लिया गया। कार्गो टर्मिनल में भी पेयजल और वॉशरूम जैसी मूलभूत सुविधाओं की जांच की गई। एयरलाइंस, सीआईएसएफ, ग्राउंड हैंडलिंग एजेंसियों और अन्य संबंधित टीमों के साथ संयुक्त निरीक्षण कर सुविधाओं एवं सेवा गुणवत्ता में सुधार पर जोर दिया गया। एयरपोर्ट प्रबंधन के अनुसार, अभियान का उद्देश्य यात्रियों को अधिक सुविधाजनक, सुरक्षित और बेहतर यात्रा अनुभव उपलब्ध कराना तथा सेवाओं के स्तर में लगातार सुधार करना है।

गांधी नगर के आयोजन में आए परिवार

हजारों ने शास्त्रोक्त विधि से किया सामूहिक पिण्डदान



सामूहिक पिंडदान करते परिजन।

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

गांधीनगर में सर्वपितृ अमावस्या पर सामूहिक पिण्डदान व तर्पण कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। जिसमें चित्रकूट के विद्वान पंडित आचार्य मनोज द्वारा विधि विधान से पितरों की सद्धगति व कल्याण के लिए सामूहिक कार्यक्रम किया गया।

श्री योग वेदांत सेवा समिति द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से हर वर्ष हजारों लोग शास्त्रोक्त विधि से इस कार्यक्रम का लाभ लेते हैं। समिति के प्रवक्ता हरीश मेहरचंदानी ने बताया कि भारत के 400 से अधिक आश्रमों में सामूहिक कार्यक्रम किया जाता है। सभी को यथासम्भव सामग्री व योग्यता अनुसार पितृ-पक्ष में पितरों का अवश्य तर्पण करना चाहिए, इससे हमारे कुल में अच्छी संतान आती हैं, और पितरों के आशीर्वाद से हमारे घर परिवार में सुख शांति रहती है व कार्य व्यवसाय में भी लाभ मिलता है। इसीलिए वर्षों से आश्रमों में समितियों के सहयोग से जनसमाज को कार्यक्रम का लाभ दिलाया जाता है। कार्यक्रम के बाद सभी के लिए विशाल भंडारे का भी आयोजन किया गया। समिति के पदाधिकारी, अशोक मालवीय, रितेश राजदेव, राजू गज़वानी, सुनील पाटीदार, राम लखन गुप्ता व अन्य सदस्य भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

बहन ने कहा: भाई के शरीर पर कई जगह मारपीट के निशान मिले

रेलवे ट्रैक पर मिली वकील की लाश, पांच दिन से थे लापता

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

ट्रेन की चपेट में आने से चेहरा पूरी तरह से बिगड़ा

घर के बाहर खड़ी एक्टिवा की डिक्की में मिला मोबाइल

इसरानी मार्केट से पांच दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए वकील की लाश रेलवे ट्रैक मिलने से हड़कंप मच गया। ट्रेन की चपेट में आने से चेहरा पूरी तरह से बिगड़ जाने के कारण परिजनों को पहचान करने में काफी मुश्किल हुई।

पुलिस के मुताबिक 29 साल के विशाल रामनानी इसरानी मार्केट हनुमानगंज में रहते थे। वह जिला कोर्ट में प्राइवेट प्रैक्टिस करते थे। उनकी बहन गरिमा रामनानी भी जिला कोर्ट में प्राइवेट प्रैक्टिस करती है। गरिमा ने हनुमानगंज थाने में विशाल की गुमशुदगी दर्ज कराते हुए बताया था कि विशाल चार अक्टूबर की रात साढ़े 10 बजे घर से घूमने निकले थे। इसके बाद घर नहीं लौटे। करीब 12 बजे उन्हें फोन किया तो उनका मोबाइल बंद था। उनकी तलाश की गई पर कुछ पता नहीं चला। उनका मोबाइल घर के बाहर खड़ी एक्टिवा की डिक्की में मिल गया था। विशाल की मौत कैसे हुई, इसकी पुलिस जांच कर रही है।

बहन बोली: भाई की हत्या कर शव को रेलवे ट्रैक पर फेंका



शनिवार सुबह भोपाल स्टेशन के करीब रेलवे ट्रैक पर विशाल का शव क्षत-विक्षिप्त अवस्था मिला। ट्रेन की चपेट में आने में चेहरा पूरी तरह बिगड़ जाने से विशाल की शिनाख्त होने में परिजनों को काफी मुश्किल हुई। मृतक की बहन गरिमा का कहना है कि विशाल की हत्या कर शव को आत्महत्या दिखाने के लिए रेलवे ट्रैक फेंका गया है, क्योंकि विशाल के शरीर पर कई जगह मारपीट के निशान मिले हैं।

आखिरी बार दोस्त के साथ घूमते देखा था

परिजनों के मुताबिक चार अक्टूबर की रात करीब 11 बजे विशाल को उनके दोस्त राजू सरदार के साथ कॉलोनी में घूमते देखा गया था। रात करीब 12 बजे जब उन्हें फोन लगाया गया तो मोबाइल बंद मिला। विशाल का मोबाइल घर के पास खड़ी एक्टिवा की डिग्गी में मिला था।

भाई का आरोप: गर्लफ्रेंड के महंगे गिफ्ट से परेशान होकर भाई ने दी जान

टीला जमालपुरा इलाके में 37 वर्षीय ड्रायफ्रूट कारोबारी ने शनिवार की सुबह घर में फांसी लगाकर जान दे दी। शुरूआती जानकारी में प्रेम प्रसंग और कर्ज को घटना से जोड़कर देखा जा रहा है। मृतक के छोटे भाई ने आरोप लगाया है कि युवक की गर्लफ्रेंड उसे परेशान करती थी और महंगे गिफ्ट मांगती थी। इन्हीं गिफ्ट को देने के लिए भाई ने कर्ज लिया था। हालांकि पुलिस इन आरोपों की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक 37 वर्षीय राहुल सक्सेना पिता रमेश सक्सेना हनुमान मंदिर के पास टीला जमालपुरा में रहता था। वह ड्रायफ्रूट का कारोबार करता था। शनिवार सुबह उसने घर में फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलने पर परिजन उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। शनिवार को पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस को कहना है कि फिलहाल आत्महत्या के पीछे की वास्तविक वजह स्पष्ट नहीं है। पुलिस परिजनों के बयान दर्ज करने के साथ युवक के मोबाइल फोन और अन्य उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर रही है। प्रेम प्रसंग और कथित प्रताड़ना से जुड़े आरोपों की भी पुष्टि की जाएगी। फिलहाल पुलिस मामले की जांच करने में जुटी हुई है।

गर्लफ्रेंड को महंगे गिफ्ट देने लिया था दो लाख का कर्ज

परिजनों के मुताबिक राहुल पर करीब दो लाख रुपए का कर्ज था। इस वजह से वह तनाव में रहता था। छोटे भाई मोनू ने दावा किया कि राहुल की गर्लफ्रेंड उससे महंगे गिफ्ट मांगती थी। उसकी मांगें पूरी करने के लिए ही राहुल ने कर्ज लिया था। मोनू का आरोप है कि महिला की प्रताड़ना से तंग आकर उसके भाई ने यह कदम उठाया।

घर के बाहर खेल रही बच्ची से किया बैड टच

भोपाल। अयोध्या नगर इलाके में रहने वाली एक आठ साल की बच्ची स्कूल में पढ़ती है। वह घर के बाहर खेल रही थी, तभी पड़ोस में रहने वाला युवक उसे बहलाकर अपने घर ले गया। आरोप है कि वहां उसने बच्ची के साथ बैड टच किया। बच्ची से जुड़ी घटना की शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज किया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

शहर में आज रात साढ़े 12 बजे के बाद मिलेगी भारी वाहनों को एंट्री

भोपाल। राजधानी में 11 अक्टूबर से शुरू हो रहे शारदीय नवरात्र के दौरान दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना और धार्मिक आयोजनों को देखते हुए यातायात पुलिस ने ट्रैफिक व्यवस्था को लेकर एडवाइजरी जारी की है। शहर के विभिन्न तिराहों-चौराहों और प्रतिमा स्थलों पर आयोजन होने से यातायात प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में सुगम आवागमन और दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए भारी वाहनों के प्रवेश का समय निर्धारित किया गया है। यातायात पुलिस के अनुसार, रात 11 बजे के बाद शहर में आने वाले भारी वाहनों को रात 12:30 बजे के बाद ही प्रवेश की अनुमति दी जाएगी। इसका उद्देश्य प्रतिमा स्थलों पर आने-जाने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना और यातायात को सुचारु बनाए रखना है। पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि प्रतिमाओं की स्थापना के दौरान जरूरत के अनुसार परिवर्तित मार्गों का उपयोग करें।

युवक पर प्राणघातक हमला करने वाले दोषियों को 7 वर्ष के कारावास की सजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वाहन ऋण की बकाया राशि के भुगतान के विवाद पर फरियादी को छुरी से हमला कर गंभीर रूप से घायल करने वाले अभियुक्त भारत चिढ़ार पुत्र रकसी लाल चिढ़ार आयु 37 वर्ष तथा दिनेश अहिरवार पुत्र राजकुमार अहिरवार आयु 21 वर्ष निवासी लोहारी मोहल्ला पानी की टंकी के पास वार्ड नंबर 25 सिटी कोतवाली जिला विदिशा को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा-109 (1) सहपठित धारा- 3(5) के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 7 वर्ष के सश्रम कारावास और 1000 रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

अभियोजन के अनुसार फरियादी जाकिर खान एक फाइनेंस कंपनी में कलेक्शन एजेंट का काम करता है। 3 अगस्त 2025 की शाम 5 बजे वह हमीदिया रोड पर सीएसएफसी होटल के पास अपने दोस्तों के साथ खड़ा था। इसी समय जाकिर खान को दिनेश अहिरवार दिखा। जाकिर खान ने दिनेश अहिरवार से पूछा कि वह वाहन के ऋण की बकाया राशि का भुगतान क्यों नहीं कर रहा है। इस बात पर दिनेश अहिरवार और उसके साथी भारत ने जाकिर से विवाद किया और उसे गालियां दीं। जाकिर ने गालियां देने से मना किया तो दिनेश अहिरवार और भारत ने मिलकर जाकिर के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की। दिनेश ने जाकिर को पकड़ लिया और भारत ने अपने पास रखी छुरी निकाल कर जान से मारने की नियत से जाकिर के पेट, छाती एवं बांए पैर पर वार किया, जिससे उसे गंभीर चोटें लगी और खून निकलने लगा। आसपास के लोगों ने बीच बचाव कर फरियादी को गंभीर रूप से घायल अवस्था में हमीदिया अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती किया था। थाना हनुमानगंज ने फरियादी जाकिर की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया था।

वार्ड-4 की महिलाओं ने निष्पक्ष जांच और केस दर्ज करने की मांग की

औबेदुल्लागंज में शासकीय जमीन की फर्जी रजिस्ट्रियों में कार्रवाई में देरी से बढ़ी नाराजगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज



नगर में करोड़ों रुपए की शासकीय जमीन की कथित फर्जी रजिस्ट्रियों का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। औबेदुल्लागंज सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में भी इस मामले को लेकर चर्चाएं तेज हैं।

नगर में इन दिनों पोस्टरबाजी के जरिए एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं, लेकिन अब तक ठोस कार्रवाई सामने नहीं आने से लोगों में नाराजगी बढ़ती दिखाई दे रही है। वार्ड 4 की महिलाओं ने इस मामले को लेकर प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। महिलाओं का कहना है कि जब शासकीय जमीन की कथित फर्जी रजिस्ट्रियों को लेकर दस्तावेज और संबंधित लोगों की जानकारी प्रशासन के पास मौजूद होने की बात कही जा रही है, तो फिर अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई? आखिर जांच किस स्तर पर अटकी हुई है और जिम्मेदारों के विरुद्ध कार्रवाई में देरी क्यों हो रही है? महिलाओं ने सवाल उठाया कि शासकीय संपत्ति से जुड़े इतने गंभीर मामले में प्रशासन को संवेदनशीलता के साथ कार्रवाई करनी चाहिए। यदि रजिस्ट्रियों में अनियमितता पाई गई है, तो संबंधित विक्रेताओं और खरीदारों की भूमिका की जांच कर नियमानुसार एफआईआर दर्ज की जानी चाहिए। वहीं, यदि किसी व्यक्ति के विरुद्ध आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं, तो जांच के बाद उसे भी स्पष्ट किया जाना चाहिए। इस मामले में भोजपुर विधायक सुरेंद्र पटवा भी कलेक्टर और एसडीएम गौहरगंज को पत्र लिखकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की मांग कर चुके हैं। इसके बावजूद मामले में कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवालों के चलते नगर में चर्चाओं का दौर जारी है। स्थानीय महिलाओं ने मांग की है कि प्रशासन इस पूरे मामले पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जांच की वर्तमान स्थिति सार्वजनिक करे। यदि जांच में किसी की संलिप्तता सामने आती है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

सिंधी मेला समिति का आयोजन

गरबा नृत्य नहीं, बल्कि भक्ति शक्ति का एक रूपः हीरो हिंदू



हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर

सिंधी मेला समिति द्वारा संचालित गरबा महोत्सव की तैयारियों के बीच अच्छे परफॉरमेंस वाले पार्टिसिपेट को हीरो हिंदू ने सम्मानित करता हुए कहा कि गरबा खेलने और मां दुर्गा की आराधना करने से हमारे जीवन में सकारात्मक और गहरा प्रभाव पड़ता है। इसे केवल एक नृत्य नहीं, बल्कि भक्ति और शक्ति का एक रूप माना जाता है। कार्यक्रम संचालिका किरण वाधवानी, मधु ललवानी, योगिता वाधवानी, कीर्ति वाधवानी, लोकेश वाधवानी, नानक दादलानी, प्रभुदास मूलचंदानी, मधु घनश्यानी, प्रकाश मीणा राजकुमार ददवानी, रवि ललवानी, समीर राजानी, नरेंद्र टहिलयानी उपस्थित थे।

मेडिकल कॉलेज में सफाई का काम करती है युवती

कजलीखेड़ा में बहन के घर युवती को बंधक बनाकर युवक ने किया दुष्कर्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

निजी मेडिकल कॉलेज में काम करने वाली एक युवती का अपहरण कर युवक अपनी बहन घर ले गया। जहां युवक ने बंधक बनाकर युवती के साथ दुष्कर्म किया। बहन ने घर पहुंचने पर युवती वहां से भाग निकली और परिजनों को सूचना दी। उसके बाद कजलीखेड़ा थाने जाकर युवक के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज करवाया।

पुलिस के मुताबिक कजलीखेड़ा निवासी 19 वर्षीय युवती एक मेडिकल कालेज में सफाई का काम करती है। उसके साथ काम करने वाले एक युवक के भाई अरुण का मेडिकल कालेज आना-जाता था, जिसके कारण दोनों के बीच पहचान थी। तीन अक्टूबर को अरुण कालेज पहुंचा और युवती को घुमाने के बहाने अपने साथ ले गया। अरुण उसे लेकर अपनी बहन के घर पहुंचा और बंधक बनाकर उसके साथ दुष्कर्म किया।

कुछ देर बाद बहन घर पहुंची तो युवती वहां से भाग निकली और बाहर निकलकर एक ठेले वाले की मदद से परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे लेकर घर पहुंचे। बाद में युवती ने अपने साथ हुई घटना की जानकारी परिजनों को दी, वह उसे लेकर थाने पहुंचे। पुलिस ने पीड़िता की रिपोर्ट पर अरुण के खिलाफ अपहरण कर बंधक बनाने और दुष्कर्म की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

शादी का झांसा देकर किया शारीरिक शोषण

मिसरोद पुलिस ने एक महिला की शिकायत पर युवक के खिलाफ शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने का मामला दर्ज किया है। आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे है। जानकारी के अनुसार अवधपुरी निवासी 33 वर्षीय महिला पहले मिसरोद में रहती थी। पति से तलाक होने के बाद उसकी पहचान मिसरोद में रहने वाले विश्वजीत नामक युवक से हुई थी। विश्वजीत ने महिला को शादी का झांसा दिया तो वह उसके साथ कोलार इलाके में लिव-इन में रहने लगी। महिला जब भी शादी की बात करती तो युवक बहाना बनाकर उसे टाल देता था। कुछ महीने पहले जब महिला गर्भवती हुई तो विश्वजीत उसे छोड़कर चला गया।

डिजिटल डिटॉक्स सहित दस दिवसीय शिविर शुरू

आरोग्य केंद्र में योग, आयुर्वेद, फिजियोथेरेपी एक्यूप्रेशर व शिरोधारा से बन रहे सेहतमंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ संतनगर



आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण शिविर शुरू हुआ। शिविर में विभिन्न स्थानों से आए साधकों को प्राकृतिक चिकित्सा, अपक्वाहार, उपवास, योग, आयुर्वेद, फिजियोथेरेपी, एक्यूप्रेशर, एक्यूपंक्चर, शिरोधारा और पोटली मसाज जैसी पद्धतियों की जानकारी दी जा रही है।

शिविर के शुभारंभ पर आरोग्य केन्द्र के मेडिकल डायरेक्टर डॉ. गुलाब राय टेवानी ने कहा कि आरोग्य केन्द्र एक हीलिंग होम है, जहां भोजन, उपचार और योग के साथ मानसिक, शारीरिक एवं डिजिटल डिटॉक्स पर भी ध्यान दिया जाता है। मोबाइल और लैपटॉप के उपयोग से दूरी बनाकर, सकारात्मक सोच और स्वस्थ दिनचर्या अपनाकर जीवनशैली में सुधार किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शिविर का उद्देश्य शरीर की शुद्धि, स्वास्थ्य रक्षा और प्राकृतिक जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। साधकों को अपक्वाहार, फलाहार, रसाहार, उपवास, योगाभ्यास और ध्यान के माध्यम से स्वस्थ जीवन जीने की कला सिखाई जाएगी। साथ ही पंचतत्व आधारित प्राकृतिक उपचार और घर पर अपनाई जा सकने वाली स्वास्थ्यवर्धक गतिविधियों की जानकारी भी दी जाएगी। शिविर में नियमित योगाभ्यास, ध्यान और शंका समाधान सत्र आयोजित किए जाएंगे।

रेलवे फाटक पर जय मां महाकाली सेवा समिति की विशाल झांकी रहेगी आकर्षण का केंद्र

नवरात्रि की तैयारियां पूर्ण, जगह-जगह स्थापित होंगी मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमाएं, भक्ति में लीन रहेंगे श्रद्धालु



हरिभूमि न्यूज ⏭ औबेदुल्लागंज

शारदीय नवरात्रि को लेकर नगर में उत्साह का माहौल है। विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों द्वारा मां दुर्गा एवं मां महाकाली की आकर्षक प्रतिमाएं स्थापित करने की तैयारियां लगभग पूर्ण कर ली गई हैं। नगर के प्रमुख स्थानों और कॉलोनियों में भव्य पंडाल सजाए जा रहे हैं। नवरात्रि के प्रथम दिन विधि-विधान के साथ प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। रेलवे फाटक पर जय मां महाकाली सेवा समिति द्वारा मां काली की विशाल प्रतिमा स्थापित की जा रही है। समिति की झांकी प्रतिवर्ष नगर में आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहती है। समिति के संरक्षक राजेंद्र गुड्डू साहू ने बताया कि प्रतिमा स्थापना और झांकी की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। अर्जुन नगर स्थित वार्ड 12 के पीपल चौक पर मां दुर्गा की प्रतिमा लाई गई है। यहां नवरात्रि के प्रथम दिन धूमधाम से प्रतिमा स्थापना की जाएगी। पंडाल सजाने की तैयारियां की जा रही हैं।

वार्ड 10 में सजेगा मां दुर्गा का दरबार

वार्ड क्रमांक 10 में श्री महाकाल दुर्गा उत्सव समिति द्वारा मां दुर्गा की आकर्षक प्रतिमा स्थापित की जाएगी। समिति के संरक्षक वचन लोधी ने बताया कि आयोजन को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। समिति के शेर कहार, रवि कहार, दीपक केवट और योगेश कहार सहित अन्य सदस्य व्यवस्थाओं में जुटे हैं।

महावीर कॉलोनी में भी होगी भव्य स्थापना



महावीर कॉलोनी में महावीर नवदुर्गा उत्सव समिति द्वारा मां दुर्गा की सुंदर एवं मनमोहक प्रतिमा स्थापित की जाएगी। समिति के पंकज शर्मा ने बताया कि नवरात्रि पर्व को लेकर तैयारियां की जा रही हैं। प्रतिमा स्थापना के साथ ही क्षेत्र में भक्तिमय माहौल बनेगा। नगर में नवरात्रि को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह दिखाई दे रहा है।

थाईलैंड की यूनेस्को धरोहर 'खोन' से रामकथा का मंचन, राम लेखन कार्यशाला में अक्षरों से सजेगा 'राम' नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

श्रीरामकथा इस बार सिर्फ मंच पर अभिनय तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि नृत्य की मुद्राओं, कहानियों की जुबानी और अक्षरों में रचे राम नाम के जरिए भी जीवंत होगी। मप्र शासन संस्कृति विभाग की ओर से 12 से 18 अक्टूबर तक रवींद्र भवन में आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव' में इस बार रामकथा को अभिव्यक्त करने के नए प्रयोग देखने को मिलेंगे। संस्कृति विभाग के संचालक एवं श्रीरामचंद्र पथ गमन न्यास के मुख्य कार्यपालन अधिकारी एनपी नामदेव के अनुसार उत्सव में पहली बार नृत्य शैली में रामलीला के मंचन के साथ स्टोरी टेलिंग सत्र और राम लेखन कला कार्यशाला आयोजित की जाएगी। थाईलैंड की यूनेस्को मान्यता प्राप्त 'खोन' नृत्य शैली में रामकथा के प्रसंगों का मंचन भी उत्सव का खास आकर्षण रहेगा।

'कौशलेय की वन गमन गाथा' में सुनाई देगी रामकथा

महोत्सव में 'कौशलेय की वन गमन गाथा' शीर्षक से युवा कथाकारों के स्टोरी टेलिंग सत्र आयोजित होंगे। इन सत्रों में कहानी कहने की कला के माध्यम से रामकथा के प्रसंगों और भावनात्मक पक्षों को प्रस्तुत किया जाएगा।

अंतरराष्ट्रीय श्रीरामलीला उत्सव में पहली बार नृत्य शैली में रामलीला साथ ही स्टोरी टेलिंग और राम लेखन कला का होगा आयोजन



थाई नाटक 'खोन' के मंचन का फाइल फोटो।

खोन नृत्य में दिखेगा सीता हरण के साथ राम-रावण युद्ध

15 अक्टूबर को थाईलैंड के रामाकेन दल की ओर से 'खोन' नृत्य शैली में सीता हरण और राम-रावण युद्ध के प्रसंग प्रस्तुत किए जाएंगे। खोन थाईलैंड की पारंपरिक मुखौटा नृत्य-नाट्य शैली है, जिसे यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया गया है।



अक्षरों में सजेगा राम नाम होगी अनूठी कार्यशाला

उत्सव का एक अन्य आकर्षण कोलकाता की कविता डागा की राम लेखन कला कार्यशाला होगी। इसमें प्रतिभागियों को टाइपोग्राफी यानी अक्षरों की कलात्मक सज्जा के माध्यम से राम नाम लिखने की कला से परिचित कराया जाएगा। यह प्रयोग साहित्य, भक्ति और दृश्य कला को एक मंच पर लाएगा।



पंच तत्वों के रंग में रंगा बीएसएसएस

नृत्य-नाटिका और फैशन वॉक से दिया प्रकृति संरक्षण का संदेश...

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

पृथ्वी, जल, अग्नि, वायु और आकाश... प्रकृति के इन पांच तत्वों से ही जीवन का अस्तित्व है। इनके बीच संतुलन ही धरती पर जीवन को सुरक्षित रख सकता है। इसी संदेश को रचनात्मक अंदाज में प्रस्तुत करते हुए बीएसएसएस में नेचर' डे सेलिब्रेट किया गया। 'पंच तत्व' थीम पर आयोजित रंगारंग कार्यक्रम में नृत्य-नाटिका, आदिवासी और इंडो-वेस्टर्न नृत्य के साथ प्रकृति से प्रेरित फैशन वॉक ने सभी का ध्यान आकर्षित किया।



आकर्षक रॉयल टांगा जुलूस से हुई शुरुआत

समारोह की शुरुआत आकर्षक रॉयल टांगा जुलूस से हुई, जिसने आयोजन को खास रंग दिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में 'पंच तत्व' नृत्य-नाटिका और 'द लास्ट ट्री' प्रस्तुति के जरिए पर्यावरण विनाश के दुष्परिणामों को मार्मिक अंदाज में सामने रखा गया।



बेल से सजी ड्रैस



तांगे की सवारी



स्टेथोस्कोप छोड़ रैंप पर उतरीं शहर की डॉक्टर सस्टेनेबल फैशन का दिखा खूबसूरत संगम

'स्क्रब्स टू रनवे' फैशन शो में रैंप पर उतरीं 40 महिला डॉक्टर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मरीजों का उपचार करते हुए नजर आने वाली महिला डॉक्टर शनिवार को सदर मंजिल में एक अलग ही अंदाज में दिखाई दीं। मौका था 'स्क्रब्स टू रनवे' फैशन शो का, जहां स्टेथोस्कोप की जगह डॉक्टर्स ने फैशन का जलवा दिखाया। आईएजीई के कार्यक्रम में डॉक्टर्स की ड्रेसेस डिजाइन कीं फैशन डिजाइनर अल्पा रावल ने। सदर मंजिल में रैंप पर 40 से अधिक स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर्स ने वॉक कर अपनी अदाओं से दर्शकों को अपना मरीज बना लिया।



भारतीय टेक्सटाइल की समृद्ध विरासत की प्रदर्शित

चार राउंड में आयोजित इस फैशन शो में डॉक्टर्स ने सस्टेनेबल फैशन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करते हुए पुरानी साड़ियों को रीयूज करके नई डिजाइनर इंडो वेस्टर्न ड्रेस पहनी तो वहीं इंडियन टेक्टसटाइल के नाम रहा जिसमें डॉक्टर्स ने चंदेरी, महेश्वरी, बनारसी और कांजीवरम जैसे पारंपरिक वस्त्रों में रैंप पर भारतीय टेक्सटाइल की समृद्ध विरासत को प्रदर्शित किया।



फेमिना मिस इंडिया मध्य प्रदेश धनश्री रहीं शो स्टॉपर

फैशन शो की शो स्टॉपर फेमिना मिस इंडिया मध्य प्रदेश धनश्री चौहान रहीं। आईएजीई की चेयरपर्सन डॉ. प्रिया भावे चितावर ने कहा कि डॉक्टरों ने अपने व्यस्त पेशेवर जीवन से इतर फैशन के प्रति अपने उत्साह, आत्मविश्वास और रचनात्मकता का परिचय दिया हैं।



इन डॉक्टर्स ने किया रैंप वॉक

फैशन शो में भोपाल की डॉ. प्रिया भावे चितावर, डॉ. प्रवीणा अग्रवाल, डॉ. शबाना सुल्तान, डॉ. शिल्पा डोडानी, डॉ. शिखा गुप्ता, डॉ. रचना दुबे, डॉ. अंजलि, डॉ. भारती परिहार, डॉ. प्रज्ञा राठौर, डॉ. इशरत और डॉ. विजया सहित अन्य डॉक्टरों ने रैंप पर अपनी प्रस्तुति दी।

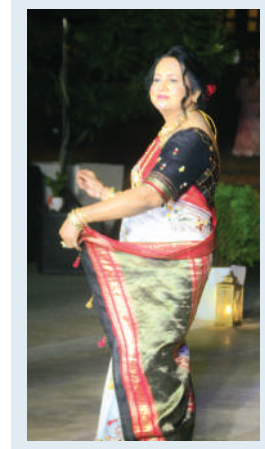

कहानियों, रंगों और कल्पनाओं की दुनिया में खोए बच्चे

भारत भवन में बुकारू फेस्टिवल शुरू, डूडल वॉल पर उकेरी कल्पनाओं की उड़ान



हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

कहानियों के किरदार, रंगों से सजी आकृतियां और कल्पनाओं की अनोखी दुनिया। भारत भवन में शनिवार को दो दिवसीय बुकारू चिल्ड्रन्स लिटरेचर फेस्टिवल की शुरूआत कुछ ऐसे ही रचनात्मक माहौल में हुई। मप्र संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित उत्सव का शुभारंभ संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं भारत भवन के न्यासी सचिव शिवशेखर शुक्ला ने किया। पहले दिन देश-विदेश से आए लेखकों, चित्रकारों और कहानीकारों ने बच्चों को साहित्य, कला और लेखन की रोचक दुनिया से परिचित कराया।

डूडल वॉल बनी आकर्षण का केंद्र



फेस्टिवल में विशाल डूडल वॉल पर बच्चों ने रंगों और रेखाओं के जरिए अपनी कल्पनाओं को आकार दिया। ममता नैनी ने वारली कला से तो भोपाल की गोंड एवं फ्यूजन आर्टिस्ट रोशनी व्याम ने 'इमैजिनरी वर्ल्ड' सत्र में बच्चों को अपनी कल्पनाओं की दुनिया चित्रों में उकेरने के लिए प्रेरित किया।

कहानियों से नाटक लेखन तक का सफर



सिंगापुर से आए लेखक एवं नाटककार लेरेमी ली ने बच्चों को नाटक लेखन की बारीकियां बताईं। वहीं 'कहानी ट्री' सत्र में शिवनारायण ने किस्से और कहानी के अंतर को रोचक ढंग से समझाया। फेस्टिवल के सत्रों में बच्चों को सुनने के साथ अपनी सोच, कल्पना और रचनात्मकता को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने का अवसर भी मिला। इसी के 'द रोअर विदइन' में वृंदा राठी ने शेर और उसके शावक की बेहतरीन कहानी सुनाई।

हथकरघा उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाएंगे बुनकर

स्टेट हैंडलूम एक्सपो में निर्यात कार्यशाला, बाजार की मांग और कारोबारी संभावनाओं पर हुआ संवाद



भोपाल। बुनकरों के हुनर को देश-विदेश के बाजारों तक पहुंचाने की दिशा में गौहर महल में आयोजित स्टेट हैंडलूम एक्सपो 2026 के तहत निर्यात कार्यशाला हुई। इसमें बुनकरों और हस्तशिल्प कारीगरों को निर्यात की प्रक्रिया, बाजार की मांग और कारोबार विस्तार की संभावनाओं से परिचित कराया गया। कार्यशाला में निर्यात सलाहकार आशीष चौधरी ने बुनकरों और कारीगरों से संवाद करते हुए निर्यात से जुड़ी प्रक्रियाओं और उपलब्ध अवसरों की जानकारी दी।



आईएचएम में टीचर रिकॉग्निशन 2.0 का आयोजन

भोपाल। होटल प्रबंधन, खानपान प्रौद्योगिकी एवं अनुप्रयुक्त पोषण संस्थान, भोपाल ने शनिवार को एक्सेम्प्लरी टीचर रिकॉग्निशन 2.0 अंतर-विद्यालय सम्मान का आयोजन किया, जिसका विषय था उस शिक्षक का अभिनंदन जो विद्यार्थी के भाग्य को प्रभावित करता है। इस अवसर पर डॉ. रोहित सारिन, प्रिंसिपल आई एचएम ने कहा, सच्ची शिक्षा केवल ज्ञान देना नहीं, बल्कि भाग्य को प्रभावित करना है।

चीफ गेस्ट रहे जनरल उपेंद्र द्विवेदी, कैप्टन वीरेश प्रताप सिंह ने की अध्यक्षता

वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ.केशव पाण्डेय की पुस्तक 'बांग्लादेश का उदय' हुई विमोचित

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी डॉ. केशव पांडेय की पुस्तक 'बांग्लादेश का उदय' का ग्वालियर में गरिमामय समारोह में विमोचन किया गया। भारतीय थल सेना के पूर्व प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता कैप्टन वीरेश प्रताप सिंह ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में कैंसर अस्पताल एवं शोध संस्थान के निदेशक डॉ. बी.आर. श्रीवास्तव उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध, बांग्लादेश के उदय, अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और भारतीय सेना के शौर्य पर विचार व्यक्त किए गए।



इतिहास, कूटनीति और सैन्य रणनीति को समझने का प्रयास है पुस्तक : डॉ. पांडेय

लेखक डॉ. केशव पांडेय ने कहा कि यह केवल एक युद्ध की कहानी नहीं, बल्कि मानवीय पीड़ा, संघर्ष, त्रासदी, कूटनीति और भारतीय नेतृत्व को समझने का प्रयास है। उन्होंने उद्भव सांस्कृतिक उत्सव से ग्वालियर की सांस्कृतिक विरासत को अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान दिलाने के प्रयासों का भी उल्लेख किया।

रंग श्री लिटिल बैले ट्रूप में 92 नृत्यांगनाओं ने मंच पर साकार किए भक्ति और अध्यात्म के रंग

'मैं हूं नृत्य' के काव्यात्मक संचालन पर भरतनाट्यम ने मोहा मन

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

भारतीय शास्त्रीय नृत्य की भावपूर्ण अभिव्यक्ति, भक्ति और आध्यात्मिकता का अनूठा संगम लिटिल बैले ट्रूप हॉल में शनिवार शाम देखने को मिला। नृत्य मंजरी कला पीठ के नृत्योत्सव 10 में 92 नृत्यांगनाओं ने भरतनाट्यम शैली में दी अपनी प्रस्तुतियों से मंच को जीवंत कर दिया।

कृष्ण भक्ति से लेकर शिव आराधना और नौ रसों की अभिव्यक्ति तक, हर प्रस्तुति में कला, साधना और भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपरा की झलक दिखाई दी। कार्यक्रम में नृत्य नाटिका 'मैं हूं नृत्य....' का काव्यात्मक संचालन विशेष आकर्षण का केंद्र रहा।





श्री रामचंद्र.... में दिखी प्रभु श्रीराम की स्तुति

कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक 'पुष्पांजलि' से हुआ प्रस्तुतियों की श्रृंखला में 'हस्त अलारिपु' में हस्त मुद्राओं की अद्भुत विविधता का प्रदर्शन किया गया। मैं तो नहीं जाऊं... और कहां छुपे हैं नंदलाला.... जैसी प्रस्तुतियों में नन्हे कलाकारों द्वारा कृष्ण भक्ति एवं भावों की मनोहारी अभिव्यक्ति देखने को मिली। वहीं देवकी नंद मुकुंद.... के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं का सजीव मंचन हुआ। श्री रामचंद्र.... प्रस्तुति में कलाकारों ने प्रभु श्रीराम की स्तुति और उनके आदर्शों के प्रति श्रद्धा अभिव्यक्त की।



हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और हरियाणा से एक साथ प्रकाशित
भोपाल, रविवार 11 अक्टूबर 2026

संस्कृति-आस्था का उल्लास
नवरात्र के बहुरंगी उत्सव


बंगाल की पारंपरिक दुर्गा पूजा


गुजरात में नवरात्र का महत्वपूर्ण अंग-डांडिया


ओडिशा के कटक में 'चांदी मेधा' से सजी मां दुर्गा की प्रतिमा


उत्तर भारत में नवरात्र के दौरान होता है रामलीला का आयोजन

शारदीय नवरात्र विशेष

भारत के विभिन्न स्थानों में नवरात्र मनाने के अलग-अलग तरीके हैं। ये इस बात के प्रमाण हैं कि हमारी संस्कृति कितनी समृद्ध और विविधतापूर्ण है। बंगाल की कलात्मकता, गुजरात का नृत्य, दक्षिण का गोलू और मैसूर का राजसी वैभव, सब मिलकर एक ही सनातन शक्ति की आराधना करते हैं। यह विविधता ही हमारे देश की असली पहचान और सुंदरता है। आइए भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों और दुर्गा पूजा के अनूठे और मनमोहक स्वरूपों पर एक नजर डालते हैं।

आवरण कथा
शिखर चंद जैन

विविधता में एकता का महापर्व नवरात्रों में होने वाली दुर्गा पूजा, भारत के सबसे बड़े और उल्लासपूर्ण त्योहारों में से एक है। यह केवल मां शक्ति की आराधना का पर्व नहीं है, बल्कि यह हमारी सांस्कृतिक विविधता, धार्मिक, सामाजिक समरसता और उल्लास का भी जीवंत अवसर है। यद्यपि इस उत्सव का मूल भाव महिषासुर मर्दिनी मां दुर्गा की आसुरी शक्तियों पर विजय का उत्सव मनाना है, लेकिन देश के अलग-अलग राज्यों में इसे मनाने की शैलियां, परंपराएं और सांस्कृतिक रंग पूरी तरह भिन्न हैं।

बंगाल में दिखता है परंपरा-संस्कृति का संगम

पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा का रूप सबसे अधिक व्यापक, भव्य और पारंपरिक होता है। यहां यह उत्सव केवल पांच दिनों का नहीं, बल्कि पूरे साल की तैयारी का परिणाम होता है। पारंपरिक बंगाली घरों और पुराने अभिजात्य परिवारों (राजबाड़ी की पूजा) में आज भी मां दुर्गा की 'एकचाला' (एक ही अर्द्धवृत्त फ्रेम में सभी देवताओं की मूर्तियां) प्रतिमा स्थापित की जाती है। कोलकाता और अन्य शहरों में समकालीन कला, सामाजिक संदेशों या प्राचीन मंदिरों की प्रतिकृतियों पर आधारित विशाल पंडाल बनाए जाते हैं, जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। महाष्टमी के दिन नौ वर्ष से कम आयु की कन्याओं को मां दुर्गा का स्वरूप मानकर उनकी विशेष पूजा की जाती है, जो नारी शक्ति के प्रति सम्मान का प्रतीक है। धुनुची (धूप और नारियल के छिलकों से सुलगता पात्र) के साथ किया जाने वाला ऊर्जावान धुनुची नृत्य यहां का मुख्य आकर्षण है। वहीं, विजया दशमी के दिन विवाहित महिलाएं मां को सिंदूर अर्पित करने के बाद आपस में सिंदूर लगाकर सुखद भविष्य की कामना करती हैं।


महाराष्ट्र में नवरात्र के दौरान 'भोंडाला' खेलती महिलाएं

ओडिशा-असम में शक्तिपीठों की आराधना

पूर्वी भारत के राज्यों ओडिशा और असम में दुर्गा पूजा का अपना ही विशिष्ट और प्राचीन स्वरूप देखने को मिलता है। ओडिशा के कटक शहर में दुर्गा पूजा के दौरान मां की मूर्तियों के पीछे शुद्ध चांदी के कलात्मक मुकुट और झांकियां बनाई जाती हैं, जिन्हें 'चांदी मेधा' कहा जाता है। यहां का विसर्जन जुलूस अपनी भव्यता और संगीत आयोजन के लिए प्रसिद्ध है। जबकि असम में कामाख्या मंदिर और शक्तिपीठों के प्रभाव के कारण यहां मां दुर्गा की पूजा तांत्रिक और पारंपरिक विधि-विधान से की जाती है। यहां 'अंजली' और 'महाप्रसाद' वितरण का विशेष महत्व होता है।

गुजरात में होता है आयोजित गरबा-डांडिया का महाउत्सव

गुजरात में नवरात्रों में मां अंबा और मां दुर्गा की आराधना नृत्य और संगीत के माध्यम से की जाती है। नवरात्रों में युवक-युवतियां पारंपरिक परिधानों में सजकर मां की ज्योत (गरबी) के चारों ओर तालियों और लोकगीतों के साथ गरबा और डांडिया खेलते हैं। यह आयोजन केवल धार्मिक नहीं, बल्कि सामाजिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा मंच बन जाता है, जहां युवा से लेकर बुजुर्ग तक पूरी ऊर्जा के साथ शामिल होते हैं।

महाराष्ट्र में होती है घटस्थापना और शस्त्र पूजा

महाराष्ट्र में नवरात्र और विजया दशमी का पर्व लोकमान्य तिलक द्वारा पुनर्जीवित सार्वजनिक गणेशोत्सव की तरह ही सामाजिक सहभागिता के साथ मनाया जाता है। अश्विन प्रतिपदा के दिन घरों में कलश स्थापना (घटस्थापना) और नौ दिनों तक अखंड दीप प्रज्ज्वलित करने की परंपरा है। महाराष्ट्र में महिलाओं और विशेषकर युवतियों के लिए 'भोंडला' या 'हदस्तोत्सव' खेलने की अनूठी परंपरा है, जिसमें हाथी के चारों ओर घेरा बनाकर लोकगीत गाए जाते हैं। विजया दशमी के दिन यहां शमी के पत्तों (जिसे स्वर्ण माना जाता है) को एक-दूसरे को देकर शुभकामनाएं दी जाती हैं। इस अवसर पर औजारों तथा हथियारों की पूजा भी की जाती है।


दक्षिण भारत में नवरात्र के दौरान बोम्मइ गोलू की सजावट

दक्षिण भारत की शान है बोम्माइ गोलू और शाही दशहरा

दक्षिण भारत (विशेषकर तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश) में दुर्गा पूजा का स्वरूप कला और शाही इतिहास से जुड़ा हुआ है। तमिलनाडु और कर्नाटक में नवरात्र के दौरान घरों में सीढ़ीनुमा रैक बनाकर देवी-देवताओं, पौराणिक कथाओं और जीवन से जुड़ी गुड़ियों (बोम्माइ) को सजाया जाता है। इसे 'गोलू' कहा जाता है' जहां महिलाएं एक-दूसरे के घर जाकर हल्दी-कुमकुम और उपहार का आदान-प्रदान करती हैं। मैसूर पैलेस में मनाया जाने वाला दशहरा पूरी दुनिया में मशहूर है। यहां विजया दशमी के दिन सजे-धजे हाथियों की सवारी निकाली जाती है, जिसमें मां चामुंडेश्वरी की स्वर्ण प्रतिमा को हाथी पर विराजमान कर भव्य जुलूस निकाला जाता है।

उत्तर भारत में रामलीलाओं की धूम

उत्तरी भारत में नवरात्रों का समापन रावण दहन और रामलीला के साथ विजया दशमी के रूप में मुख्य रूप से होता है। विशेष तौर पर उत्तर प्रदेश में इस दौरान जगह-जगह रामलीलाओं का आयोजन किया जाता है। प्राचीन काल से चली आ रही इस परंपरा का क्रेज आज भी है। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू घाटी में मनाया जाने वाला दशहरा उत्सव बेहद अनूठा है। यहां सात दिनों तक स्थानीय देवी-देवताओं की पालकियों की भव्य रथ यात्रा निकलती है। यह उत्सव तब शुरू होता है, जब देश के बाकी हिस्सों में दशहरा समाप्त हो जाता है। यहां मां दुर्गा के साथ भगवान रघुनाथ की पूजा का मुख्य विधान है। *

सृष्टि का मूल आधार है 'शक्ति'। शक्ति की यह आराधना केवल भारत तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मानव सभ्यता जितनी ही प्राचीन और वैश्विक है। प्रागैतिहासिक काल से लेकर आज तक मातृ शक्ति को नाम-तरीकों से पूजा जाता रहा है।

दुनिया भर में शक्ति पूजा
स्वरूप-मान्यताएं हैं अलग-अलग

आस्था / अंजू जैन

भारतीय उपमहाद्वीप को शक्ति पूजा का वैश्विक उद्गम केंद्र माना जा सकता है। यहां 'शाक्त संप्रदाय' के अंतर्गत शक्ति को ही सर्वोच्च सत्ता के रूप में पूजा जाता है। भारत में मां दुर्गा, काली, लक्ष्मी और सरस्वती के रूपों में शक्ति का त्रिविध स्वरूप आकर्षण, ऐश्वर्य और ज्ञान पूजनीय है। वर्ष में दो बार आने वाले 'नवरात्रि' के पावन अवसर पर नौ दिनों तक आदिशक्ति के नौ अलग-अलग रूपों (शैलपुत्री से लेकर सिद्धिदात्री तक) की पूजा की जाती है। भारत, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, तिब्बत और श्रीलंका में फैले 51 शक्तिपीठ शक्ति पूजा के भौगोलिक और आध्यात्मिक विस्तार का सबसे बड़ा प्रमाण हैं। शक्ति पूजा की व्यापकता पूरी दुनिया में प्राचीन काल से आज भी विद्यमान है।


सवारी करने वाली देवी इश्तार का यह हिंसक और ममतामयी दोहरा स्वरूप बिल्कुल भारतीय सिंहवाहिनी मां दुर्गा जैसा ही है। यह इस बात का ऐतिहासिक साक्ष्य है कि मानव सभ्यता के शुरुआती दौर में भी शक्ति को एक योद्धा और रक्षक के रूप में ही देखा गया।

प्राचीन मिस्र में 'आइसिस' और 'सेखमेट' की आराधना: यदि हम प्राचीन वैश्विक सभ्यताओं की ओर रुख करें, तो नील नदी की घाटी (मिस्र) में


मिस्र सभ्यता की देवी 'आइसिस'

शक्ति पूजा का एक बेहद समृद्ध इतिहास मिलता है। मिस्र की सभ्यता में देवी 'आइसिस' को मातृत्व, जादू और जीवन के पुनर्जन्म की परम देवी माना जाता था, जिसकी तुलना भारतीय संस्कृति की मां पार्वती से की जा सकती है। वहीं दूसरी ओर, युद्ध और विनाश की उग्र देवी 'सेखमेट' का स्वरूप भारतीय परंपरा की मां काली से हूबहू मेल खाता है। सिंह के मुख वाली देवी सेखमेट को न्याय और संहार की शक्ति माना जाता था, जो बुरी ताकतों से ब्रह्मांड की रक्षा करती थीं।

ग्रीक (यूनानी) सभ्यता में देवियों का महात्म्य: यूनान के प्राचीन दर्शन और पौराणिक कथाओं में भी स्त्री शक्ति को सर्वोच्च स्थान प्राप्त था। ग्रीक पौराणिक कथाओं में देवी 'अथेना' को बुद्धि, ज्ञान और युद्ध की रणनीति की देवी माना गया है, जो मां सरस्वती और मां दुर्गा के मिले-जुले स्वरूप को दर्शाती हैं। इसी प्रकार, प्रकृति, जंगली जीवों और प्रसव की देवी 'आर्टेमिस' और पृथ्वी माता के रूप में पूजी जाने वाली देवी 'डेमेटर' (जिन्हें हम मां शाकंभरी या अन्नपूर्णा कह सकते हैं) की पूजा यूनानी समाज में अनिवार्य रूप से की जाती थी। ओलंपिक खेलों की शुरुआत भी कहीं न कहीं इन शक्तियों के सम्मान से जुड़ी थी।

मेसोपोटामिया सभ्यता में प्रेम-युद्ध की देवी इश्तार: दजला और फरात नदियों के किनारे विकसित हुई मेसोपोटामिया (आधुनिक इराक और सीरिया) की प्राचीन सुमेरियन और बेबीलोनियन सभ्यताओं में देवी 'इन्नाना' या 'इश्तार' की पूजा का व्यापक प्रचलन था। इश्तार को प्रेम, सौंदर्य, उर्वरता के साथ-साथ युद्ध की भी देवी माना जाता था। शेर की


चीन में बौद्ध परंपरा की देवी गुआन यिन

'अमातेरासु' को सूर्य की देवी और संपूर्ण ब्रह्मांड की निर्मात्री माना गया है। जापानी शाही राजवंश स्वयं को सूर्य देवी अमातेरासु का वंशज मानता है, जो यह साबित करता है कि वहां राजसत्ता की शक्ति का स्रोत भी एक महिला देवी ही हैं।

अमेरिका में माया और एज्टेक की प्रकृति पूजा: कोलंबस के अमेरिका पहुंचने से बहुत पहले, वहां की समृद्ध माया और एज्टेक सभ्यताओं में प्रकृति को ही शक्ति का जीवंत रूप मानकर पूजा जाता था। एज्टेक सभ्यता में 'कोटलीक्यू' को जीवन और मृत्यु की देवी, यानी 'धरती माता' के रूप में पूजा जाता था। उनका स्वरूप भी स्कंदमाता और काली के समान उग्र और सृजनात्मक था। वहीं माया सभ्यता में 'इशचेल' को चंद्रमा, चिकित्सा और बुनाई की देवी माना जाता था। इन संस्कृतियों में फसल कटाई के समय मातृ शक्ति को धन्यवाद देने के लिए बड़े उत्सव मनाए जाते थे, जो हमारे यहां की 'नवान्न' या 'लोहड़ी', 'पोंगल' परंपरा जैसी ही है। *

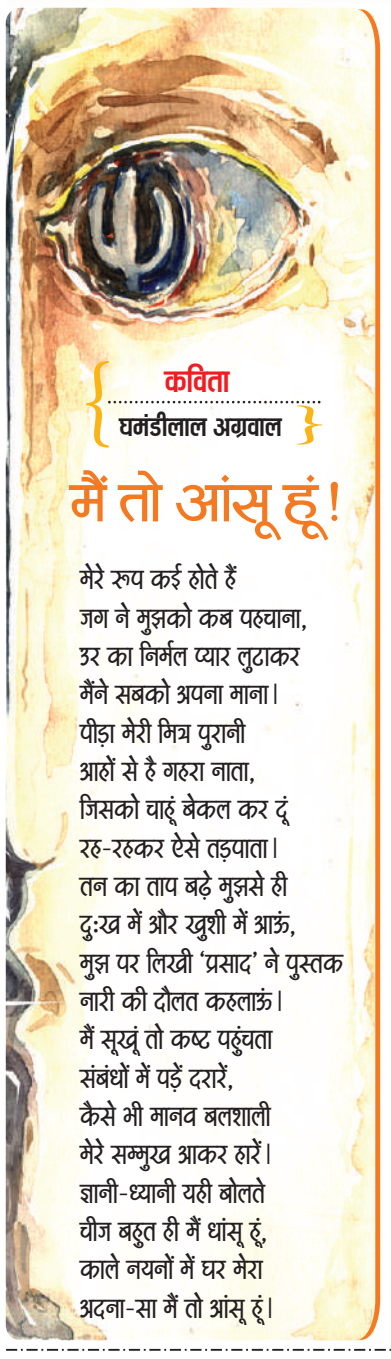

कविता
घमंडीलाल अग्रवाल

मैं तो आंसू हूं!

मेरे रूप कई होते हैं
जग ने मुझको कब पहचाना,
उर का निर्मल प्यार लुटाकर
मैंने सबको अपना माना।
पीड़ा मेरी मित्र पुरानी
आहों से है गहरा नाता,
जिसको चाहूं बेकल कर दूं
रह-रहकर ऐसे तड़पाता।
तन का ताप बढ़े मुझसे ही
दुःख में और खुशी में आऊं,
मुझ पर लिखी 'प्रसाद' ने पुस्तक
नारी की दौलत कहलाऊं।
मैं सूखूं तो कष्ट पहुंचता
संबंधों में पड़ें दरारें,
कैसे भी मानव बलशाली
मेरे सम्मुख आकर हारें।
ज्ञानी-ध्यानी यही बोलते
चीज बहुत ही मैं धांसू हूं,
काले नयनों में घर मेरा
अदना-सा मैं तो आंसू हूं।

व्यंग्य / डॉ. यशोधरा भटनागर

दोस्ती का डेटा पैक



हम बड़े भाग्यशाली समय में जी रहे हैं, जब हमारे पास दोस्तों की कोई कमी नहीं हैं। हमारे इतने दोस्त हैं कि हम खुद भूल जाते हैं कि आखिर हम किसके दोस्त हैं और कौन हमारा? भाग्यशाली समय की हर सुबह अपने दोस्तों से मिलने के साथ शुरुआत होती है और वो भी घर बैठे। मोबाइल उठाया अंगुली से स्क्रीन पर हल्का-सा स्पर्श किया, दोस्ती की दुनिया खुल जाती है। हजारों दोस्त एक साथ कतार में खड़े मिलते हैं। अब पुराने जमाने की तरह चाय पिलाने, हाल-चाल पूछने, या दुःख-सुख बांटने की कोई झंझट नहीं। यहां सब काम लाइक और इमोजी से चल जाता है।

पहले दोस्ती का मतलब था, आप बीमार पड़ें तो कोई दवा ला दे। अब दोस्ती का मतलब है, आप बीमार पड़ें तो सौ लोग लिख दें 'गेट वेल सून।' लिखने वाला इस परम विश्वास से संदेश भेजता है कि यह वाक्य दवा और दुआ से भी ज्यादा प्रभावी तरीके से काम करेगा। लिखने वाले भी निश्चिंत हो जाते हैं कि उसने दोस्ती का फर्ज अदा किया। मोबाइल में इतने 'गेट वेल' बरसते हैं कि बीमारी भी ठिठककर सोचती है। यहां दर्द असली है, या महज रस्म अदायगी है?

अब यह नई संवेदना है, जिसमें आदमी घर से नहीं निकलता, पर भावनाएं पूरी तरह आउटसोर्स कर देता है। भावनाएं डाक से नहीं, डेटा से जाती हैं और कभी-कभी 'डिलीवर' भी नहीं होतीं। इतनी फर्ज अदायगी के बाद अगर मरीज स्वस्थ हो जाए तो ठीक, नहीं तो अगली पोस्ट 'ओम शांति' की तैयारी है। सोशल मीडिया ने दोस्ती को बहुत लोकतांत्रिक बना दिया है। अब आप किसी को जानते हों या न जानते हों, दोस्ती हो सकती है। मेरे एक परिचित हैं, जो हर सुबह कई सौ लोगों को 'गुड मॉर्निंग' भेजते हैं। मैंने पूछा, 'भैया क्या आप इन सबको जानते हैं?' वे बोले, 'नहीं, पर ये सब मेरे फ्रेंड्स हैं।' मैंने सोचा, अगर यही दोस्ती है तो मोहल्ले का किराना दुकानदार मेरा आत्मीय मित्र हुआ। कम से कम वह हर महीने उधार का हिसाब पूछते समय मेरा चेहरा तो पहचान लेता है। इन ऑनलाइन दोस्तों की तरह सिर्फ डी.पी. वाला चेहरा ही नहीं पहचानता। अब आदमी के जीवन में दोस्ती का नए पैमाने, नए मापदंड बन गए हैं-लाइक्स। जिसकी पोस्ट पर ज्यादा लाइक, वह ज्यादा लोकप्रिय। लोग फोटो डालते हैं। कभी कॉफी के कप के साथ, कभी जिम में पसीना बहाते हुए, कभी पहाड़ों में मुस्कुराते हुए और नीचे सैकड़ों लोग लिख देते हैं। 'वाह!' या फिर 'कमाल है!'

हमें तो कभी-कभी लगता है कि अगर न्यूटन आज होते तो वे गुरुत्वाकर्षण का सिद्धांत नहीं खोजते, बल्कि यह खोजते कि पोस्ट पर लाइक किस तरह और किस गति से गिरते हैं? ऑनलाइन दोस्ती की एक और खूबी है। यहां हर आदमी बहुत खुश दिखाई देता है। कोई लिख रहा है, 'लाइफ इज ब्यूटीफुल।' कोई लिख रहा है, 'फीलिंग ब्लेस्ड।' जबकि उसी आदमी की असली जिंदगी में बिजली का बिल, बच्चों की फीस और बॉस की डांट उसकी प्रतीक्षा कर रही होती है। पर इन सब चिंताओं के बीच फुर्सत पाते ही वह एक नई फोटो डाल देता है, मानो हर समस्या हल हो गई। एक दिन हमने अपने मोहल्ले के गुड्डू से यूं ही पूछ लिया, 'भैया तुम्हारे कितने दोस्त हैं?'

'पूरे चार हजार आठ सौ। पांच हजार में दो सौ कम।' उसने बड़े गर्व के साथ मुस्कुराते हुए जवाब दिया। हमने कहा, 'अच्छा है, फिर तो तुम्हें कभी अकेलापन नहीं लगता होगा।''नहीं! नहीं! ऐसा कुछ नहीं। अकेलापन अपनी जगह है। रात को मोबाइल बंद होता है, तो दोस्ती भी 'स्लीप मोड' में चली जाती है। छत की ओर एकटक देखते हुए सोचता हूं, 'इतने सारे दोस्त हैं, पर बात किससे करूं?' उसकी बात सुनकर हम सोचने लगे। इतने दोस्तों के होते हुए भी अकेलापन?' क्योंकि दोस्ती में अब मेहनत नहीं है। मित्रों, दोस्ती का नया ज्ञान और विज्ञान यह है कि डिजिटल की दोस्ती भी बड़ी प्रगतिशील हो गई है। न इंतजार है, न रूठना है, न मनाना है। बस अंगूठा चलाना है। और दोस्त पसंद न आए तो ब्लॉक कर अंगूठा दिखाना है। संवेदनाएं शब्दों की मोहताज हो गई हैं और भावनाओं ने इमोजी की शक्ल अख्तियार कर ली है। *

लघुकथा / सूर्यदीप कुशवाहा

कच्ची दीवार

अनन्या एक बहुराष्ट्रीय कंपनी में सीनियर प्रोजेक्ट मैनेजर के पद पर कार्यरत थी। उसकी कार्यक्षमता, अनुशासन और टीम के नेतृत्व करने की काबिलियत का हर कोई कायल था। इस वर्ष ऑपरेशंस हेड का पद खाली होने वाला था और अनन्या अपनी योग्यता के आधार पर इसकी सबसे प्रबल दावेदार थी। उसी विभाग में राहुल भी मैनेजर था। राहुल काम में औसत था, लेकिन उसकी नेटवर्किंग और ऑफिस के पुरुष सहयोगियों के साथ शाम की पार्टियों में उपस्थिति उसे मैनेजमेंट की नजरों में बनाए रखती थी।

पदोन्नति के इंटरव्यू का दिन आया। अनन्या ने पिछले तीन वर्षों के अपने शानदार रिकॉर्ड, कंपनी के बढ़ते हुए प्रॉफिट और टीम की सफलता का पूरा डेटा प्रस्तुत किया। दूसरी ओर, राहुल का प्रस्तुतीकरण सामान्य था। इंटरव्यू बोर्ड के मुख्य सदस्य मिस्टर खन्ना ने अनन्या से एक ऐसा सवाल पूछा, जो शायद ही किसी पुरुष उम्मीदवार से पूछा जाता।



उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, 'अनन्या, आपका काम तो बेहतरीन है, लेकिन पता चला है कि आप फैमिली प्लानिंग के बारे में सोच रही हैं। यह पोस्ट तो बहुत जिम्मेदारी वाला है, ऐसे में क्या आप फैमिली के साथ ऑफिस की नई जिम्मेदारियां संभाल पाएंगी?' यह सवाल सुनकर अनन्या सन्न रह गई। उसकी योग्यता पर उसकी व्यक्तिगत जीवन को भारी माना जा रहा था। कुछ दिनों बाद घोषणा की गई कि राहुल को ऑपरेशंस हेड बना दिया गया। कारण बताया गया कि राहुल ज्यादा फ्लेक्सिबल है और जरूरत के समय उपलब्ध रह सकता है। यह अधिकतर कार्यालयों में व्याप्त उस ग्लास सीलिंग का जीवंत उदाहरण था, जहां महिलाओं को उनकी क्षमता के बजाय उनकी सामाजिक भूमिकाओं के तराजू में तौला जाता है। लेकिन अनन्या ने हार नहीं मानी। उसने एचआर विभाग में निष्पक्ष समीक्षा की मांग की और अपनी परफॉर्मेंस के आंकड़ों के साथ औपचारिक शिकायत दर्ज कराई।

उसने साफ शब्दों में कहा, 'प्रतिबद्धता और काबिलियत का पैमाना जेंडर नहीं, बल्कि रिजल्ट होना चाहिए।' अनन्या के साहस ने दबे स्वर में बात कर रही अन्य महिला सहकर्मियों को भी प्रेरित किया। मामला मुख्यालय तक पहुंचा और जांच में पाया गया कि राहुल का चयन पक्षपातपूर्ण था।

अंततः प्रबंधन को अपनी गलती सुधारनी पड़ी। अनन्या को न केवल वह पद मिला, बल्कि कंपनी ने नई नीतियां लागू कीं ताकि भविष्य में किसी भी महिला की योग्यता को उसके घरेलू भविष्य के अनुमानों से न आंका जाए। अब असमानता की कच्ची दीवार टूट गई थी। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

संवेदना से भरी कविताएं

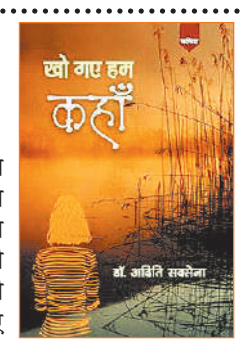

पेशे से फिजियोथेरेपिस्ट डॉक्टर अदिति सक्सेना के भीतर एक कवि मन भी है। इसको प्रमाणित करता है हाल में छपकर आया उनका पहला कविता संग्रह-खो गए हम कहां। इसमें अपने आस-पास की दुनिया के साथ ही देश और पूरी मनुष्यता के प्रति उनकी संवेदनशीलता प्रकट होती है। इस लिहाज से 'बंटवारा' कविता को पढ़ा जा सकता है। कुछ ऐसे ही भाव 'मजहब नहीं सिखाता आपस में बैर रखना' कविता में भी प्रकट हुए हैं तो कवयित्री को अपने देश के जांबाज सैनिकों पर भी गर्व है। इसे उन्होंने ओजस्वी शब्दों में 'हमारे वीर वायु योद्धा' में व्यक्त किया है। इन सबके साथ पुरुष प्रधान समाज में एक स्त्री को किस तरह हमेशा डरे-सहमे रहने को विवश होना पड़ता है, इस त्रासदी को बहुत मार्मिकता के साथ अदिति ने 'बलात्कार' कविता में शब्दबद्ध किया है। इसी तरह संग्रह की अनेक कविताओं में जीवन और समाज की तमाम विसंगतियों, विडंबनाओं के काव्यात्मक चित्र देखे जा सकते हैं। *

पुस्तक: आ गए हम कहां (कविता संग्रह), **लेखिका:** डॉ. अदिति सक्सेना, **मूल्य:** 350 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली



चाइना ओपन : मीरा की वर्ल्ड नंबर 3 रैंकिंग पक्की, फाइनल में पहुंचीं

सेमीफाइनल में बार्टुनकोवा को 6-2, 6-2 से हराया

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

रूसी टेनिस स्टार मीरा एंड्रीवा ने शनिवार को चाइना ओपन के सेमीफाइनल में चेक गणराज्य की निकोला बार्टुनकोवा के खिलाफ 6-2, 6-2 से जीत दर्ज की। इसी के साथ एंड्रीवा ने पहली बार चाइना ओपन के फाइनल में प्रवेश किया।

एंड्रीवा ने निकोला बार्टुनकोवा के विरुद्ध 1 घंटे 14 मिनट में जीत हासिल करते हुए अपने चौथे डब्ल्यूटीए 1000 फाइनल और बीजिंग में अपने पहले फाइनल का रास्ता सुनिश्चित किया। इस जीत के बाद सोमवार को होने वाली रैंकिंग अपडेट में वर्ल्ड नंबर 5 एंड्रीवा दो पायदान की छलांग लगाने को तैयार हैं।

निकोला बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी : एंड्रीवा

जीत के बाद एंड्रीवा ने कहा, मैं फाइनल में पहुंचकर बहुत खुश और उत्साहित हूं। मुझे लगता है कि मैंने आज बहुत अच्छा खेला। मैं जिस तरह से खेल रही थी, उससे बहुत खुश हूं। बेशक, निकोला एक बहुत मुश्किल प्रतिद्वंद्वी हैं। यूएस ओपन में हमारा कड़ा मुकाबला हुआ था, लेकिन मैं बहुत खुश हूं कि आज मैं जीत गई।

एंड्रीवा की सीजन की 50वीं जीत

मीरा एंड्रीवा रविवार को फाइनल खेलने के लिए तैयार हैं। यह सीजन में उनका पांचवां फाइनल होगा। डब्ल्यूटीए टूर पर 2026 में सबसे ज्यादा बार फाइनल में पहुंचने के मामले में वह अब एलेना रयबाकिना, आर्यना सबालेंका और जेसिका पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं। यह एंड्रीवा की इस सीजन की 50वीं जीत भी थी, जिससे वह 2026 में टूर पर सर्वाधिक मैच जीतने के मामले में पेगुला के बराबर पहुंच गई हैं।



मेदवेदेव की हार्ड कोर्ट पर 31वीं जीत
1 घंटे 52 मिनट में स्ट्रफ को दी मात

शंघाई। डेनियल मेदवेदेव ने एक सेट से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए शंघाई मास्टर्स के दूसरे राउंड के मुकाबले में जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 4-6, 6-4, 6-3 से हराकर तीसरे राउंड में जगह बनाई। मेदवेदेव ने 1 घंटे 52 मिनट के मुकाबले में स्ट्रफ को हराया। मेदवेदेव की अब 2026 में हार्ड कोर्ट पर 31 जीत हो गई हैं, साथ ही इस सरफेस पर उनके दुबई, ब्रिस्बेन और हांग्जो टाइटल भी हैं। वह शंघाई में 2019 के चैंपियन हैं और राउंड ऑफ 32 में उनका मुकाबला टॉमस मार्टिन एचेवेरी या डालिबोर स्वर्सिना से होगा। मेदवेदेव अभी पीआईएफ एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में आठवें स्थान पर हैं और पिछले साल कट से चूकने के बाद सातवीं बार साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट के लिए क्वालीफाई करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

खबर संक्षेप



टी20 में पाकिस्तान ने श्रीलंका को हराया

रावलपिंडी। साहिबजादा फरहान ने कप्तान पद संभालने का जश्न शानदार तरीके से मनाते हुए 52 गेंदों पर 89 रन की पारी खेली, जिससे पाकिस्तान ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 4 विकेट से हराया। पाकिस्तान के सामने 183 रन का लक्ष्य था और उसने 18.5 ओवर में छह विकेट पर 187 रन बनाकर तीन मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। फरहान ने 10 चौकों और चार छक्कों की मदद से शानदार पारी खेली। उन्हें माज़ सदाकत का अच्छा सहयोग मिला, जिन्होंने महज 29 गेंदों में 50 रन बनाए। इससे पहले श्रीलंका ने सलामी बल्लेबाज लाहिरू उदारा के 91 रन की मदद से पाकिस्तान के नए तेज गेंदबाजी आक्रमण के सामने 8 विकेट पर 182 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया था।

भारत दौरा: जिम्बाब्वे की कप्तानी करेगी नकोमो



बुलावायो। ऑलराउंडर जोसेफिन नकोमो 16 अक्टूबर से शुरू होने वाले भारत के पहले दौरे में जिम्बाब्वे की 15 सदस्यीय महिला टीम की कप्तानी करेंगी। जिम्बाब्वे ने सितंबर-अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ खेलने वाली टीम का ही चयन किया है। भारतीय दौरे के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में न्याशा ग्वांजुरा और मिशेल मावुंगा भी शामिल हैं। भारत और जिम्बाब्वे के बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 16, 18 और 20 अक्टूबर को रायपुर में खेले जाएंगे। इसके बाद 23, 25 और 28 अक्टूबर को बड़ौदा में वनडे मैच होंगे। वनडे मैच आईसीसी महिला चैंपियनशिप का हिस्सा होंगे।

लोग होप को कम करके आंकते हैं: चेज



रांची। वेस्टइंडीज के ऑलराउंडर रोस्टन चेज़ का मानना है कि सीमित ओवरों की क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद उनके कप्तान शाई होप को कम करके आंका जाता है। होप ने वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में अपनी पिछली चार पारियों में तीन शतक बनाकर आईपीएल की दिसंबर में होने वाली मिनी नीलामी के लिए अपना दावा मजबूत कर दिया है। चेज़ ने कहा, 'मुझे लगता है कि लोग शाई होप को बहुत कम करके आंकते हैं।' उन्होंने कहा, 'वह एक ऐसा खिलाड़ी है, जो पूरी तरह से अपना ध्यान अपने काम पर केंद्रित कर सकता है। मुझे लगता है कि यही उसकी खास खूबी है क्योंकि जब सब कुछ गलत होता दिख रहा होता है, तब भी वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करता है और टीम के लिए खेलता है। मुझे लगता है कि यही उसकी पहचान है।'

तीसरा टी20 : होलकर स्टेडियम में भारत-वेस्टइंडीज में कांटे की टक्कर

इंदौर में फिर बरसेगा रनों का तूफान! बल्लेबाजों की आज होगी अग्निपरीक्षा

एजेंसी ▶▶| इंदौर

भारत और वेस्टइंडीज के बीच अभी तक बल्लेबाजों का दबदबा देखने को मिला है तथा रविवार को होने वाले तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में भी यह बरकरार रहने की पूरी उम्मीद है, जिससे कि गेंदबाजों पर काफी दबाव रहेगा। इंदौर का होलकर स्टेडियम छोटी बाउंड्री और सपाट पिच के लिए जाना जाता है। इसलिए अगर यहां फिर से रनों का अंबार देखने को मिले तो किसी को हैरानी नहीं होनी चाहिए। निश्चित तौर पर मुकाबला दोनों टीम के बल्लेबाजों के बीच होगा लेकिन सभी विभागों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली टीम ही जीत हासिल करेगी।

मजबूत क्षेत्ररक्षण वाली टीम का पलड़ा रहेगा भारी

विशेषकर क्षेत्ररक्षण में अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम का पलड़ा भारी रहेगा। दोनों टीम ने अभी तक महत्वपूर्ण अवसरों पर कुछ कैच छोड़े हैं, जो महंगे साबित हुए हैं। पिछले मैच में मयंक यादव ने शेरफेन रदरफोर्ड का आसान कैच छोड़ दिया था, जो एक तरह से निर्णायक साबित हुआ। रदरफोर्ड ने इसका पूरा फायदा उठाकर कप्तान शाई होप के साथ मिलकर 54 गेंदों में 120 रन की साझेदारी की। भारत को होप की शानदार फॉर्म को लेकर भी सतर्क रहना होगा। वेस्टइंडीज के कप्तान ने इस दौरे पर दो शतक जड़े हैं और वह फिर से बड़ी पारी खेलने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।



भारत के लिए गेंदबाजी चिंता का विषय

भारत के लिए गेंदबाजी अब भी चिंता का विषय बना हुआ है और वह इस मैच में इसका हल ढूंढने की कोशिश करेगा। इस मैच में ओस की भी अहम भूमिका रहने की उम्मीद है। मयंक ने पिछले मैच में तीन विकेट लेकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई थी लेकिन बाकी गेंदबाज रनों पर अंकुश नहीं लगा पाए और वेस्टइंडीज ने शुरुआती झटकों के बावजूद जोरदार वापसी करके रिकार्ड लक्ष्य हासिल कर दिया।

अय्यर का फॉर्म में लौटना सकारात्मक

भारत के लिए इस श्रृंखला का सकारात्मक पहलू कप्तान श्रेयस अय्यर का फॉर्म में लौटना है। उन्होंने पहले मैच में नाबाद 102 रन बनाए और दूसरे मैच में 18 गेंद पर 40 रन की तूफानी पारी खेली। संजू सैमसन ने 41 गेंदों में 82 रन बनाकर अंतिम एकादश में अपनी जगह फिर से पक्की कर दी। इसका मतलब है कि युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को फिर से बाहर बैठना पड़ सकता है। भारतीय कोच गौतम गंभीर ने भी रांची में दूसरे मैच के बाद कहा था कि मध्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है लेकिन शीर्ष क्रम में नहीं। मुख्य कोच ने यह भी स्वीकार किया कि शिवम दुबे के अय्यर से पहले चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने के बाद भारत अपने टीम संयोजनों के साथ प्रयोग करना जारी रखेगा।

अर्शदीप से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

भारत अपने मुख्य गेंदबाज अर्शदीप सिंह से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा, जिन्होंने दो मैचों में 79 रन देकर एक विकेट लिया है। भारत मयंक से भी अपना अच्छा प्रदर्शन जारी रखने की उम्मीद करेगा। होप के शानदार प्रदर्शन और रदरफोर्ड के फॉर्म में वापस आने से वेस्टइंडीज की टीम खुश होगी। वेस्टइंडीज के गेंदबाजों में रोस्टन चेज़ ने अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने पिछले मैच में 24 रन देकर 4 विकेट लिए। वेस्टइंडीज हालांकि शमर स्प्रिंगर को बदलने पर विचार कर सकता है, जिन्होंने अपने चार ओवरों में 64 रन देकर दो विकेट लिए। **मैच का समय: शाम 7 बजे**

9 साल का सूखा खत्म, रेनशॉ ने लगाया शानदार शतक



एजेंसी ▶▶| डरबन

साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दूसरे दिन शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज मैट रेनशॉ ने जबरदस्त शतक जड़ा और 9 साल का सूखा खत्म किया।

रेनशॉ के टेस्ट करियर का यह दूसरा शतक था। उन्होंने पहला शतक जनवरी 2017 में जड़ा था। इसके बाद उन्होंने 18 पारियों में शतक नहीं लगाया। रेनशॉ ने 204 गेंद पर एनरिक नॉर्खिया को चौका जड़कर शतक पूरा किया। रेनशॉ का शतक 2014 के बाद दक्षिण अफ्रीकी सरजमीं और 2009 के बाद किंग्समीड में ऑस्ट्रेलिया का पहला शतक है। बाएं हाथ के बल्लेबाज की शतकीय पारी से ऑस्ट्रेलिया 250 के करीब पहुंचा। 124 रन पर उसका 6 विकेट गिर गया था। रेनशॉ को कप्तान पैट कमिंस से अच्छा साथ मिला। दोनों के बीच 191 गेंद पर 86 रनों की साझेदारी हुई।

ऑस्ट्रेलिया सम्मानजनक स्थिति में

डरबन टेस्ट के दूसरे दिन पहले सत्र का खेल समाप्त होने तक ऑस्ट्रेलिया ने 96 ओवर में 8 विकेट पर 277 रन बना लिए। मैट रेनशॉ 218 गेंद पर 10 चौके की मदद से 102 रन बनाए। नाथन लियोन 7 रन बनाकर क्रीज पर है। दोनों के बीच 87 गेंद पर 47 रनों की साझेदारी हो गई है।

वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए

ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी की बात करें तो पैट कमिंस ने 43, मार्नस लाबुशेन ने 37, स्टीव स्मिथ ने 25, एलेक्स कैरी ने 14, ट्रेविस हेड ने 9, मिचेल स्टार्क 6 और ब्यू वेबस्टर ने 4 और निक मैडिन्सन बगैर खाता खोले आउट हुए। साउथ अफ्रीका के लिए वियान मुल्डर ने 4 विकेट लिए, मार्को यानसेन और एनरिक नॉर्खिया ने 2-2 विकेट लिए।

रणजी ट्रॉफी : आज से 92वें सीजन की शुरुआत, 38 टीमें लेंगी हिस्सा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन की शुरुआत रविवार से होने जा रही है। भारत के इस सबसे बड़े घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट में कुल 38 टीमें नजर आएंगी। पहले राउंड में कुछ बड़े भारतीय इंटरनेशनल खिलाड़ी दिखेंगे, जो बाद में न्यूजीलैंड के रेड-बॉल दौरे के लिए 'इंडिया ए' टीम में शामिल होंगे।

इस बार देखना दिलचस्प होगा कि क्या जम्मू-कश्मीर अपनी खिताबी जीत को दोहरा पाता है या नहीं? ईरानी कप में 'रेस्ट ऑफ इंडिया' से हारने के बाद, पारस डोगरा की कप्तानी वाली टीम श्रीनगर में मध्य प्रदेश के खिलाफ वापसी करने की कोशिश करेगी।



सीजन का पहला राउंड होगा जबरदस्त

2026/27 सीजन का पहला राउंड जबरदस्त होने वाला है। केएल राहुल (कर्नाटक), यशस्वी जायसवाल (मुंबई), रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र), मोहम्मद सिराज (हैदराबाद), मानव सुथार (राजस्थान), वाशिंगटन सुंदर (तमिलनाडु), मुकेश कुमार और आकाश दीप (बंगाल) जैसे खिलाड़ी पहले राउंड में अपनी-अपनी टीमों के लिए खेलते नजर आएंगे।

शमी की मैदान पर वापसी

पिछले सीजन में 37 विकेट हासिल करने वाले अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी मैदान पर वापसी कर रहे हैं, जो बंगाल की टीम का हिस्सा हैं। वहीं, दिल्ली की टीम के लिए नए सपोर्ट स्टाफ के साथ रेड-बॉल क्रिकेट में सफलता की दौड़ फिर से शुरू कर रही है। टीम ने भारत के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज विजय दहिया को हेड कोच और दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली के बचपन के कोच राजकुमार शर्मा को टीम का मेंटॉर नियुक्त किया है।

न्यूजीलैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज चोट के कारण हुआ बाहर

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ होने वाली आगामी श्रृंखला से पहले एक और करारा झटका लगा है और उसके तेज गेंदबाज विल ओरूर्के बाएं पांव की मांसपेशियों में खिंचाव और पिंडली की चोट के कारण इससे बाहर हो गए हैं। खेल के सभी प्रारुप में खेलने वाले इस 25 वर्षीय तेज गेंदबाज ने पीठ में चोट के कारण सात महीने तक क्रिकेट से दूर रहने के बाद इस साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी की थी।

इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट मैच के अंतिम दिन हालांकि उनकी मांसपेशियों में खिंचाव आ गया था और इसके बाद अभ्यास के दौरान उनकी पिंडली में चोट लग गई थी।



22 अक्टूबर को टी20 मैच

न्यूजीलैंड के कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि ओरूर्के को भारत के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रखने का फैसला खिलाड़ी और मेडिकल टीम से परामर्श के बाद लिया गया। उनकी निगाहें अब दिसंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली चार टेस्ट मैच की श्रृंखला में वापसी करने पर टिकी हैं। न्यूजीलैंड को भारत के खिलाफ पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच, पांच वनडे मैच और दो टेस्ट मैच खेलने हैं। इस श्रृंखला की शुरुआत 22 अक्टूबर को क्राइस्टचर्च में टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच से होगी।

सऊदी प्रो लीग में दिरियाह पर दागा जीत का गोल

रोनाल्डो की क्लब फुटबॉल में वापसी

एजेंसी ▶▶| रियाद

अपनी राष्ट्रीय फुटबॉल टीम पुर्तगाल से विवादास्पद तरीके से बाहर होने वाले क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने क्लब फुटबॉल में वापसी की और सऊदी प्रो लीग में अल नासर की दिरियाह पर 3-0 से जीत में पहला गोल किया। इस जीत से मौजूदा चैंपियन अल नासर आठवें दौर के बाद अंकों के आधार पर शीर्ष पर काबिज अल-क़दसियाह की बराबरी पर आ गया है। अल नासर गोल अंतर के कारण दूसरे स्थान पर है।

रोनाल्डो अंतरराष्ट्रीय अवकाश के दौरान पुर्तगाल की टीम से बाहर हो गए थे, जिसके लिए उन्होंने 234 मैचों में 146 गोल किए हैं। इस 41 वर्षीय खिलाड़ी ने जारी बयान में कहा कि नवनियुक्त कोच जॉर्ज जीसस ने नेशंस लीग में उन्हें खिलाने के अपने वादे का पालन नहीं किया।



एनफील्ड स्टेडियम में मैच खेलना खास : हालैंड

मैनचेस्टर। मैनचेस्टर सिटी के स्ट्राइकर एर्लिंग हालैंड को भरोसा है कि क्लब के फैंस एनफील्ड स्टेडियम में मैच का आनंद लेंगे। प्रीमियर लीग में सबसे आगे चल रही टीम रविवार को अपने कड़े प्रतिद्वंद्वी लिवरपूल का सामना करने की तैयारी कर रही है। नॉर्वेजियन खिलाड़ी ने अपने साथियों से इस बड़े मुकाबले से पहले सकारात्मक और एकजुट रहने का आग्रह किया है। हालैंड ने कहा, मुझे पूरा यकीन है कि जब हम एनफील्ड जाएंगे तो मैनचेस्टर सिटी के फैंस अच्छा समय बिताएंगे। उन्होंने कहा, एनफील्ड में मैच खेलना हमेशा खास होता है। मैंने वहां जीत हासिल की है, ड्रॉ खेला है और हार भी झेली है, इसलिए यह हमेशा खास होता है। हर प्रीमियर लीग मैच अलग होता है, और लिवरपूल के खिलाफ हर मैच हमेशा खास होता है।" नॉर्वे के इस खिलाड़ी ने सिटी और यूनाइटेड किंगडम के साथ अपने भावनात्मक जुड़ाव के बारे में भी बात की।

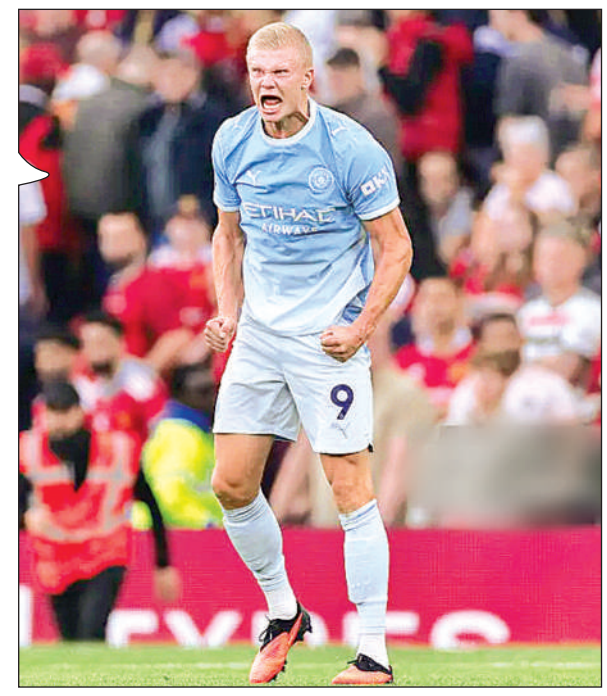



टीवी मसाला



माधुरी दीक्षित के शो में आने वाले थे नाना पाटेकर, अब इस अभिनेत्री ने ली जगह

मुंबई। नाना पाटेकर सोनी मराठी के आगामी क्विज शो 'कोण होणार करोडपती' के पहले एपिसोड में आने वाले थे। शो की मेजबानी माधुरी दीक्षित कर रही हैं, जो दिग्गज अभिनेता के साथ फिल्म 'वजूद' (1998) में काम कर चुकी हैं। यह शो नाना और माधुरी के लंबे समय बाद पुनर्मिलन का प्रतीक बनने वाला था, लेकिन ऐसा मुमकिन नहीं हो सका। अभिनेता का 8 अक्टूबर को 75 साल की उम्र में अचानक दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। खबरों के मुताबिक, निधन से पहले नाना 'कोण होणार करोडपती' की शूटिंग करने वाले थे। अब उनकी जगह अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे को बतौर मेहमान प्रीमियर एपिसोड में देखा जाएगा। शो 12 अक्टूबर से शुरू हो रहा है और इसके साथ ही माधुरी व सोनाली पहली बार एक साथ स्क्रीन पर नजर आएंगी। दोनों का भारतीय सिनेमा में करियर काफी लंबा रहा है, लेकिन इसके बावजूद माधुरी और सोनाली ने कभी किसी फिल्म में साथ काम नहीं किया। माधुरी ने अपने इंस्टाग्राम पर नाना की तस्वीर साझा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी थी। उन्होंने लिखा था, 'एक महान कलाकार, एक सशक्त व्यक्तित्व और एक अविस्मरणीय आवाज... नाना पाटेकर के निधन से फिल्म जगत ने एक अनमोल और दिग्गज अभिनेता को खो दिया है। उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं। यह मेरी ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि है।'

'बिग बॉस 20' में आम्रपाली दुबे ने स्काउटओपी की लव गिल से करीबी पर उठाए सवाल

'बिग बॉस 20' के घर में उस वक्त थोड़ा अजीब माहौल बन गया, जब आम्रपाली दुबे ने प्रतियोगी स्काउटओपी (तन्मय सिंह) और लव गिल के बीच बढ़ती नजदीकियों पर ध्यान दिलाया। दरअसल, स्काउट ने लव को



उनकी शर्ट के अंदर से मसाज दिया था। इसके बाद आम्रपाली ने लव से बातचीत की और समझाया कि बाहर से देखने वालों को उनके ये काम कैसे लग सकते हैं। आम्रपाली ने लव को बहुत नरमी से समझाया कि उन्हें थोड़ा सावधान रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसे पल उनके उन पार्टनर्स पर असर डाल सकते हैं, जो बाहर इंतजार कर रहे हैं। भले ही स्काउट ने लव के साथ अपने रिश्ते को भाई-बहन जैसा बताया हो, पर उन्होंने ये भी माना है कि उन्हें पजेसिवनेस महसूस होती है। फैंस ने इस बात पर खास ध्यान दिया है, क्योंकि उनकी गर्लफ्रेंड काश्वी हीरानंदानी शो के बाहर हैं।

'बिग बॉस' मलयालम 8 में विपिन दास की धमाकेदार एंट्री

मुंबई। एक बड़े एविक्शन के बाद, विपिन दास नैर ने 'बिग बॉस मलयालम 8' में वाइल्ड कार्ड के रूप में एंट्री की है, जिससे शो में हलचल मच गई है। वे अभिनय के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं और साथ ही कंटेंट क्रिएटर व आर्टिस्ट के तौर पर भी अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने 2023 में 'द नेक्स्ट टॉप एंकर' शो में हिस्सा लिया था, जिसमें नायला उषा, साबूमोन, कार्तिक सूर्या और मीनाक्षी जैसे मशहूर लोग जज थे।



विपिन ने शो में भरी ऊर्जा

रियलिटी टीवी की दुनिया में कदम रखने और 'भरतनाट्यम' में एक छोटे से विवाद के बाद, विपिन 'बिग बॉस मलयालम' में अपनी अनोखी एनर्जी और कन्फेशन रूम के मजेदार पलों के साथ छा गए हैं। खास बात यह है कि मलयालम पढ़ने में उन्हें मुश्किल हो रही है, जिससे उनके 'बिग बॉस' के सफर को एक अनूठा मोड़ मिल गया है। इससे फैंस भी यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि वह आगे इस खेल में क्या बदलाव ला सकते हैं।

स्वरा-प्रियंका का खेल बिगाड़ने आ रहे ऋषभ, जशवंत और सोनम मलिक

मुंबई। रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल 2' में अब 3 नए वाइल्ड कार्ड प्रतियोगियों की एंट्री होने वाली है। इनमें अभिनेता और कंटेंट क्रिएटर ऋषभ जायसवाल, रियलिटी शो स्टार जशवंत बोपन्ना और अभिनेत्री सोनम मलिक के नाम शामिल हैं। शो को पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग होस्ट कर रहे हैं। स्वरा भास्कर और प्रियंका चाहर चौधरी जैसे प्रतियोगियों के बीच इन नए सदस्यों की एंट्री से मुकाबला और दिलचस्प होने की उम्मीद है।



शानदार प्रोमो से हुई वाइल्ड कार्ड्स की घोषणा

नए प्रतियोगी ऋषभ मशहूर टीवी एक्टर और कंटेंट क्रिएटर, जशवंत जानी-मानी रियलिटी टीवी पर्सनैलिटी और सोनम एक अभिनेत्री हैं। इसकी घोषणा अमेजॉन एमएक्स प्लेयर के अधिकारी सोशल मीडिया पेज पर की गई है। शानदार प्रोमो साझा करते हुए लिखा गया, 'एक नहीं, 2 नहीं, अब सीधा 3 नए प्लेयर। टावर का बैलेंस हिलने वाला है।' अब देखना ये होगा कि इन तीनों में कौन रूलर बनकर पेंटहाउस जाता है और कौन बेसमेंट का वर्कर बनता है।

शो में आने से पहले ही मिल गए थे संकेत

इस आधिकारिक घोषणा से पहले ही तीनों प्रतियोगियों ने सोशल मीडिया पर शो में आने के संकेत देने शुरू कर दिए थे। ऋषभ, सोनम और जशवंत ने अपने-अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर चेहरे छिपाकर और हाथों में काले रंग के वाइल्ड कार्ड लेकर तस्वीरें साझा की थीं।ऋषभ इससे पहले स्प्लिट्सविला 14' और 'रोडीज सीजन 19' में नजर आ चुके हैं, वहीं जशवंत भी रोडीज का हिस्सा रह चुके हैं और उन्होंने 'स्प्लिट्सविला 15' का खिताब अपने नाम किया था।

ये फैसला महाराष्ट्र में पड़े भीषण सूखे के बीच लिया गया है

'रामायण' के गाने का लॉन्च इवेंट रद्द, टालना पड़ा नवरात्रि का बड़ा कार्यक्रम

एजेंसी ▶▶| मुंबई

रणबीर कपूर और साई पल्लवी की फिल्म 'रामायण पार्ट 1' जल्द ही दुनियाभर में रिलीज होने वाली है। इसी बीच रविवार, 11 अक्टूबर को महाराष्ट्र के रामटेक में इस फिल्म के एक गाने का लॉन्च इवेंट आयोजित होने वाला था। हालांकि, नवरात्रि के पहले दिन होने वाले इस इवेंट को टाल दिया गया है। ये फैसला महाराष्ट्र में पड़े भीषण सूखे के बीच लिया गया है, जिससे किसानों को राहत पहुंचाना सरकार की पहली प्राथमिकता है।



रामायण की टीम भी किसानों की मदद से लिए तैयार

पोस्ट में आगे लिखा गया, 'इस कार्यक्रम का उद्देश्य रामटेक की भूमि के महत्व को उजागर करना था, जिसे भगवान श्री रामचंद्र के चरणों के स्पर्श से पवित्र किया गया था।' उन्होंने बताया कि मौजूदा हालात में किसानों की मदद करना उनकी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। जयसवाल ने आगे कहा कि फिल्म की टीम ने किसानों की मदद करने की इच्छा जताई थी। उन्होंने उन सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स का भी शुक्रिया अदा किया, जिन्होंने इस इवेंट का प्रचार किया था।

इंस्टाग्राम पर की गई थी इसकी घोषणा

स्थानीय विधायक आशीष जायसवाल ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें रामायण की टीम के साथ होने वाले भव्य इंटरैक्शन प्रोग्राम को टालने की घोषणा की गई थी। हालांकि, अब ये वीडियो उपलब्ध नहीं है। पोस्ट के कैप्शन में जायसवाल ने लिखा, 'हम आप सभी को बताना चाहते हैं कि 11 अक्टूबर को रामटेक में होने वाला 'रामायण' की पूरी टीम के साथ एक बड़ा कार्यक्रम कुछ जरूरी वजहों से टाल दिया गया है।'

'रामायण' की टीम की तरफ से नहीं आई कोई जानकारी

इस इवेंट के टलने के बाद, अभी यह साफ नहीं है कि निर्माता इसे ऑनलाइन रिलीज करेंगे या किसी और लॉन्च इवेंट की योजना बनाएंगे। टीम ने इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी है।

स्थानीय खेल समाचार



अदव्य त्रिपाठी ने नेशनल गेम्स में जीता कांस्य पदक

भोपाल। विरार, मुंबई में 5 से 9 अक्टूबर तक आयोजित 7वीं सीआईएससीई नेशनल स्केटिंग गेम्स में अमर रोलर स्केटिंग ऑर्गेनाइजेशन भोपाल के सात खिलाड़ियों ने भाग लेकर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। क्राइस्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, भोपाल की कक्षा 6 के छात्र अदव्य कुमार त्रिपाठी ने अंडर-14 बालक वर्ग की 2000 मीटर रोड रेस में कांस्य पदक जीतकर मध्य प्रदेश का गौरव बढ़ाया। टीम के अन्य खिलाड़ी प्राचीव जैन, नियति धुर्वे, रुद्र बुट्टे, चेतन चौधरी, नंदिनी चौधरी एवं अधिरा रॉय ने भी शानदार प्रदर्शन किया। सभी सातों खिलाड़ी कोच अमर भटकर एवं अनिल भटकर के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

गरिमा का गोल्ड पर कब्जा बरकरार

भोपाल। एसक्यूएवाय विश्व मार्शल आर्ट फ़ेडरेशन द्वारा आयोजित नवीन नगर में आयोजित राज्य स्तरीय



स्पर्धा में 38 किलोग्राम भार वर्ग के अंतर्गत गरिमा यादव ने एक बार फिर गोल्ड मेडल पर कब्जा बरकरार रखा है। ज्ञात हो की 2025-26 की अपनी श्रेणी में गरिमा नेशनल चैंपियन रह चुकी हैं। गरिमा ने बताया कि उनका अगला लक्ष्य महाराष्ट्र के शिर्डी शहर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय मार्शल आर्ट चैंपियनशिप 2026-27 पर है, जिसकी तैयारी वे पिछले कुछ महीनों से कर रही हैं।

प्रदेशभर से 276 खिलाड़ी ले रहे हैं स्पर्धा में हिस्सा

भोपाल अकेडमी स्कूल में 5वीं राज्य स्तरीय स्काय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता हुई शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

राजधानी के भोपाल अकेडमी स्कूल में 5वीं राज्य स्तरीय स्काय मार्शल आर्ट प्रतियोगिता का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। इसमें भोपाल, इंदौर, मंदसौर, रीवा, उज्जैन, रतलाम एवं नीमच सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों के खिलाड़ी अंडर-11, अंडर-14 तथा अंडर 18 था 18 वर्ष से अधिक आयु वर्ग में 276 खिलाड़ी



अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। कार्यक्रम के शुभारम्भ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. रोहित नायक, अध्यक्ष, मप्र स्काय एसोसिएशन तथा प्रवीण सिंह कुशवाह, अध्यक्ष, स्काय मार्शल आर्ट फेडरेशन इंडिया उपस्थित रहे। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में विभिन्न आयु वर्गों के बालक एवं बालिका खिलाड़ियों के मुकाबले आयोजित किए गए। कार्यक्रम का सफल संचालन हरीश टेलर ने किया तथा आभार राहुल सिंह तोमर ने माना।

वर्ल्ड चैंपियन कमल चावला की उम्मीदें हुई खत्म

कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में भोपाल के मो. उजैर ने पक्का किया मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

राजधानी के प्रतिभावान क्यू स्पोर्ट्स खिलाड़ी मोहम्मद उजैर ने दूसरी कॉमवेल्थ क्यू स्पोर्ट्स चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में पहुंच कर देश के लिए एक मैडल पक्का कर लिया। वहीं वर्ल्ड चैंपियन कमल चावला की उम्मीदें प्री क्वार्टर फाइनल में हार के साथ समाप्त हो गई। वीर सावरकर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स अहमदाबाद में हेबॉल मुकाबलों के अंतर्गत भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे भोपाल के उजैर ने क्वार्टर फाइनल में सिंगापुर के तान जेगवेई को थोड़ा संघर्ष के बाद 7-4 से हराकर सेमीफाइनल में

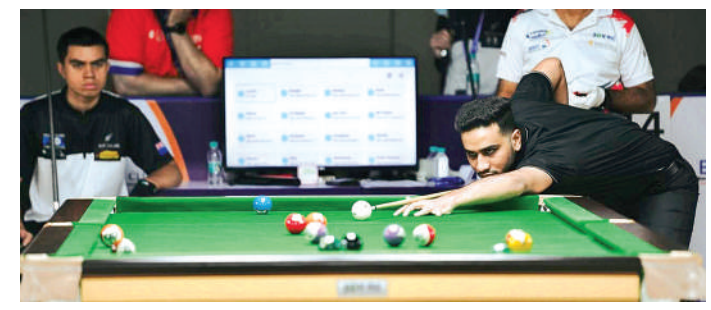

प्रवेश कर मेडल पक्का किया। सेमी फाइनल में उनका मुकाबला भारत के ही पारस गुप्ता से होगा। इससे पूर्व उजैर से प्री क्वार्टर में स्वीडन के हुसैन अब्दुल्लाह को आसानी से 7-4 से हराया था। मप्र के कमल चावला अपना प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबला मोहम्मद रेज़ा (मलेशिया) से बहुत कश्मकश के बाद 5-6 से हार गए।

डॉ गोविन्द नारायण सिंह इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता

डीपीएस नीलबड़ ने कैंपियन को, डीपीएस कोलार ने सेंट जोसेफ को 101 रन से हराया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

इंटर स्कूल क्रिकेट प्रतियोगिता में डीपीएस नीलबड़ ने कैंपियन स्कूल को पराजित कर मुकाबला अपने नाम किया। कैंपियन स्कूल ने तय 25 ओवर में 123 रन बनाए। जवाब में डीपीएस नीलबड़ ने लक्ष्य हासिल कर जीत दर्ज की। कैंपियन स्कूल की ओर से अथर्व नायर ने 29 रन, अक्षत कुमार ने 28 रन, अरनव सिंह ने 21 रन और ऋषित चौरसिया ने 22 रन बना। विराज चतुर्वेदी ने 8 रन का योगदान दिया। अतिरिक्त रनों सहित टीम का स्कोर 123 रन रहा। डीपीएस नीलबड़ के राघव गोहिल ,खुशवंत सिंह ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में डीपीएस नीलबड़ ने 23.5 ओवर में 5 विकेट पर 124 रन बनाकर जीत हासिल की। जतिन मंधानी को मैन आफ़ द मैच चुना गया।



रिदय माहेश्वरी ने ठोका शतक

दूसरे मैच में डीपीएस कोलार ने सेंट जोसेफ स्कूल को पराजित किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए डीपीएस कोलार ने 25 ओवर में 204 रन बनाए। जवाब में सेंट जोसेफ की टीम 113 रन ही बना सकी। डीपीएस कोलार के रिदय माहेश्वरी ने 103 रन ठोके। अराध्या साहनी ने 69 रन बनाए। जवाब में सेंट जोसेफ के पृथ्वीराज विश्वकर्मा ने 56 रन की नाबाद बनाए। इसके बावजूद टीम 25 ओवर में 113 रन ही बना सकी। इस प्रकार डीपीएस कोलार ने मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। रिदय माहेश्वरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच से पूर्व टीमों से वरिष्ठ क्रिकेटर अब्दुल राशिद खान व जुनैद किदवई बीडीसीए ने परिचय प्राप्त किया ।

सेंट पॉल्स को-एड स्कूल में सजा छठवां चावरा कप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भोपाल

कहीं नृत्य की मनमोहक भंगिमा तो कहीं संगीत की मधुर तान,कहीं कहानी के हृदय स्पर्शी भाव तो कहीं चित्रकला में रंग और भावों का सुंदर समायोजन , कहीं खेल में दिखाई दे रहा था विजय का उल्लास । 10 अक्टूबर को ये नज़ारा देखने को मिला सेंट पॉल स्कूल, आनंद नगर, भोपाल में। अवसर था विद्यालय में छठवें चावरा कप के आयोजन का। इस आयोजन में सीएम आई से संबद्ध आठ विद्यालयों (सेंट पॉल स्कूल, फुलमार; कार्मेल स्कूल, करेली; सेंट चावरा नेशनल एकेडमी, चांदामेट्टा; संजीवनी विद्यापीठ, उसरी; बिशप क्लेमेंस स्कूल ऑफ़ एक्सीलेंस, भमोरी; क्राइस्ट सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गुना; चावरा विद्यापीठ, खेरी और सेंट पॉल्स को-एड स्कूल, भोपाल के प्रतिभागियों ने विभिन्न

कला, संस्कृति, तकनीक और खेल प्रतिभाओं का अनूठा संगम, मनवाया प्रतिभा का लोहा



चावरा विद्यापीठ रही ओवरऑल चैंपियन

पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों की उपलब्धियों को सराहा गया। समारोह का सर्वोच्च गौरव ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी रही, जिसे चावरा विद्यापीठ, खेरी, नरसिंहपुर ने अपने शानदार प्रदर्शन के बल पर हासिल किया।

प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उद्घाटन डॉ फादर पीजे जॉन थे। मुख्य अतिथि डॉ. फादर पीजे जॉन ने प्रेरणादायी उद्बोधन में संत कुरियाकोस एलियास चावरा के दूरदर्शी चिंतन, महान स्वप्नों और शैक्षिक आदर्शों पर प्रकाश डाला।

प्रतियोगिताओं की रिले रेस से शुरुआत

रिले रेस से प्रतियोगिताओं का आरंभ हुआ।' मीडिया साक्षरता ' विषय पर वाद- विवाद प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने प्रखरता से अपने विचार व्यक्त कर अपनी अद्भुत बौद्धिक क्षमता का परिचय दिया। समूह गान तथा समूह नृत्य में विद्यार्थियों की प्रस्तुतियों ने कला के प्रति उनके प्रेम , लगन और कठिन अभ्यास को प्रमाणित किया। बास्केटबॉल में विभिन्न टीमों ने अपनी खेल भावना का परिचय देते हुए अपना हुनर दिखाया। छठवें चावरा कप का समापन समारोह अत्यंत गरिमामय एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में बीटिंग ऑफ द रिट्रीट के साथ हुआ। इसके पश्चात आकर्षक नृत्य प्रस्तुति ने मन मोह लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, फादर अबीश जैकब, विकार प्रोविंशियल ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक अचिंत महेश्वरी द्वारा प्लॉट नं.160 न्यू एच-सेक्टर इंडस्ट्रियल एस्टेट, गोविंदपुरा, भोपाल (म.प्र.) 462023 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, पीबी-2, चतुर्थ तल, मानसरोवर कॉम्पलैक्स, वार्ड नं. 50, शिवाजी नगर, निकट रानी कमलापति रेलवे स्टेशन, होशंगाबाद रोड, भोपाल, (म.प्र.) 462016 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी। स्थानीय संपादक: प्रमोद भारद्वाज। RNI No. MPHIN/2014/55906, फोन 0755-4049930